RNI NO.DELHIN/2012/48369
वर्ष 12 अंक 212
नई दिल्ली, सोमवार, 10 जून, 2024
पृष्ठ 12 मूल्य ₹ 3
नगर संस्करण

नई दिल्ली, लखनऊ और रायपुर से प्रकाशित

पायनियर

देवेगौड़ा ने कांग्रेस के अहंकार की निंदा की
राष्ट्रीय-10

www.dailypioneer.com

तीसरी पारी के लिए मोदी ने ली शपथ

दीपक कुमार झा। नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को इतिहास रचते हुए लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री पद की शपथ ली। वे पहले गैर-कांग्रेसी नेता हैं और पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू के बाद दूसरे ऐसे नेता हैं जिन्होंने यह पद संभाला है। इसके साथ ही मोदी देश के एकमात्र ऐसे नेता बन गए हैं जिन्होंने दो दशक से अधिक समय तक लगातार संवैधानिक पद संभाला है। इसमें तीन बार प्रधानमंत्री के रूप में और उसके पहले 12 साल गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में सेवा देना शामिल है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने मोदी को पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई और इसके साथ ही वे प्रणब मुखर्जी और रामनाथ कोविंद सहित तीन राष्ट्रपतियों द्वारा शपथ दिलाए जाने वाले एकमात्र प्रधानमंत्री बन गए। मोदी अपने कार्यकाल के दौरान इस साल की शुरुआत में अयोध्या में राम मंदिर के अभिषेक में भी शामिल हुए और पिछले साल सितंबर में एक नई संसद को राष्ट्र को समर्पित समर्पित किया। पीएम मोदी अगर एनडीए सरकार का नेतृत्व करते हुए प्रधानमंत्री के रूप में अपना मौजूदा पांच साल का कार्यकाल पूरा करते हैं तो वे कुल 27 साल तक प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री के रूप में अपनी सेवा दे चुके होंगे। इसके पहले वह वर्ष 2002, 2007 और वर्ष 2012 में गुजरात में सीएम के तौर पर अपनी पार्टी को जीत दिलाते आ रहे थे। इसके बाद वर्ष 2014 और 2019 में केंद्र में और फिर 2024 में भी जीत हासिल किया। हालांकि इस बार स्थिति अलग है क्योंकि भाजपा ने अपने दम पर बहुमत हासिल नहीं किया।

नई दिल्ली में रविवार को राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू से प्रधानमंत्री पद की शपथ लेते राजग संसदीय दल के नेता नरेंद्र मोदी

पीएम मोदी के तीसरे कार्यकाल में अपेक्षा के मुताबिक बड़े जनादेश के नहीं आया है, ऐसे में उन्हें गठबंधन धर्म को निभाना होगा क्योंकि कांग्रेस के नेतृत्व वाला इंडिया गुट पीएम मोदी को प्रधानमंत्री पद से हटाने के लिए दो प्रमुख सहयोगियों टीडीपी और जेडीयू पर दबाव बनाने की कोशिश करेगा। हालांकि भाजपा ने 240 सीटों के साथ अपनी तीसरी सबसे अच्छी संख्या हासिल की और विपक्ष ने इसे नैतिक हार करार दिया है। भाजपा के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) ने 293 सीटें जीती हैं, जिसे मोदी ने किसी भी चुनाव पूर्व गठबंधन के लिए सबसे बड़ी सफलता बताया है, जब किसी एक पार्टी को बहुमत नहीं मिला।

हमेशा अपने परिधानों के लिए पहचाने जाने वाले मोदी ने सफेद कुर्ता और चूड़ीदार के साथ नीले रंग की जैकेट पहनी हुई थी। शपथ ग्रहण समारोह में राजनीति, उद्योग और फिल्म जगत के अभिनेता के अलावा विश्व के शीर्ष नेताओं की मौजूदगी में हुई। मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ भी अपनी पत्नी के साथ मौजूद थे। पूर्व राष्ट्रपति प्रतिभा पाटिल और रामनाथ कोविंद भी समारोह में शामिल हुए। कई धार्मिक नेता भी समारोह में शामिल हुए। मोदी के साथ वरिष्ठ भाजपा नेता राजनाथ सिंह, नितिन गडकरी, अमित शाह, शिवराज सिंह चौहान ने भी कैबिनेट मंत्री के रूप में शपथ ली। वहीं पार्टी अध्यक्ष जे पी नड्डा पांच साल बाद मंत्रिमंडल में शामिल हुए। इससे संकेत मिलता है कि प्रधानमंत्री अपने तीसरे कार्यकाल में निरंतरता और अनुभव पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू, नेपाल के प्रधानमंत्री पुष्प कमल दहल प्रचंड और श्रीलंका के राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे सहित भारत के पड़ोसी और हिंद महासागर क्षेत्र के शीर्ष नेताओं ने राष्ट्रपति भवन के प्रांगण में आयोजित शपथ ग्रहण समारोह में भाग लिया। राष्ट्रपति भवन में आयोजित भव्य समारोह में बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना, मॉरीशस के प्रधानमंत्री प्रविंद कुमार जगन्नाथ, उनके भूटानी समकक्ष शेरिंग तोबगे और सेशेल्स के उपराष्ट्रपति अहमद अफीफ भी शामिल हुए।

हसीना और अफीफ शनिवार को ही दिल्ली पहुंचे थे, जबकि मुइज्जू, प्रचंड, विक्रमसिंघे, जगन्नाथ और तोबगे रविवार को पहुंचे। वर्ष 2019 में मोदी के शपथ ग्रहण समारोह में बिम्सटेक देशों के नेताओं ने भाग लिया था, जब वह लगातार दूसरी बार प्रधानमंत्री बने थे। भारत के अलावा, बिम्सटेक (बहु-क्षेत्रीय तकनीकी और आर्थिक सहयोग के लिए बंगाल की खाड़ी) में श्रीलंका, बांग्लादेश, म्यांमार, थाईलैंड, नेपाल और भूटान शामिल हैं। राष्ट्रपति भवन के प्रांगण में आयोजित शपथ ग्रहण समारोह में बॉलीवुड अभिनेता (शेष पेज 9)

नई बोतल में पुरानी शराब

राजेश कुमार। नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने तीसरे कार्यकाल में 72 सदस्यीय मंत्रिपरिषद में अपने पुराने नेताओं को तरजीह देते हुए बरकरार रखा है। मंत्रिपरिषद में 30 कैबिनेट मंत्री, 36 राज्य मंत्री और पांच स्वतंत्र प्रभार वाले राज्य मंत्री शामिल हैं। अंतिम समाचार लिखे जाने तक राष्ट्रपति भवन से विभागों का आवंटन जारी नहीं किया गया था।

निवर्तमान मोदी सरकार में केंद्रीय मंत्री- अमित शाह, राजनाथ सिंह, नितिन गडकरी, निर्मला सीतारमण, डॉ. एस जयशंकर, हरदीप सिंह पुरी, जितेंद्र सिंह, भूपेंद्र यादव, धर्मेंद्र प्रधान, अश्विनी वैष्णव और पीयूष गोयल उन मंत्रियों में शामिल हैं जिन्हें मोदी सरकार 3.0 में कैबिनेट मंत्री के रूप में शपथ दिलाई गई। नई मंत्रिपरिषद में भाजपा के कुल 61 सदस्यों को शामिल किया गया, जबकि सहयोगी दलों- टीडीपी, जेडीयू और अन्य के कुल 11 सदस्यों को पद की शपथ दिलाई गई। अन्य सामान्य श्रेणी में 27 ओबीसी, 10 एससी, 5 एसटी, 5 अल्पसंख्यक सदस्य जैसी कई जातियों का मिश्रण शामिल है और सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को मोदी सरकार में प्रतिनिधित्व दिया गया है। इसके अलावा, भाजपा के वरिष्ठ नेता शिवराज सिंह चौहान, ज्योतिरादित्य सिंधिया, जेडीयू नेता राजीव रंजन सिंह, हम के नेता जीतन राम मांझी, आरएलडी के जयंत चौधरी, जेडीएस नेता एचडी कुमारस्वामी, एलजेपी (रामविलास) प्रमुख चिराग पासवान और भाजपा के जितिन प्रसाद मंत्रिपरिषद का हिस्सा हैं।

नई पारी

भाजपा नेता मनोहर लाल खट्टर, सीआर पाटिल, शिवराज सिंह चौहान, बंदी संजय कुमार और रवनीत सिंह बिट्टू, हर्षदीप मल्होत्रा, बांदी सुरेश कुमार, रक्षा खड़गे, सुरेश गोपी केंद्रीय मंत्रिपरिषद में नए चेहरों में शामिल हैं। सरकार में नए चेहरे ज्यादातर भाजपा के सहयोगी दलों से हैं। टीडीपी के राम मोहन नायडू और चंद्रशेखर पेम्मासानी, जेडी(यू) के ललन सिंह और राम नाथ ठाकुर, शिवसेना के प्रतापराव जाधव जैसे सहयोगी दलों के अलावा चिराग पासवान, जीतन राम मांझी, एचडी कुमारस्वामी, जयंत चौधरी, रामदास अठावले और अनुप्रिया पटेल जैसे राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के अन्य सदस्यों को मंत्रिपरिषद में शामिल किया गया है। भाजपा के जी किशन रेड्डी, सुकांता मजूमदार, जितिन प्रसाद, राव इंद्रजीत सिंह, नित्यानंद राय और भागीरथ चौधरी को भी नई सरकार में शामिल किया गया है। नरेंद्र मोदी सहित सात पूर्व मुख्यमंत्री शपथ लेने वाले नए मंत्रिपरिषद का हिस्सा हैं। अन्य छह पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान (मध्य प्रदेश), राजनाथ सिंह (उत्तर प्रदेश), मनोहर लाल खट्टर (हरियाणा), सर्बानंद सोनोवाल (असम), एचडी कुमारस्वामी (कभी कर्नाटक भाजपा द्वारा 'आकस्मिक मुख्यमंत्री' करार दिया गया इनमें से पांच पूर्व मुख्यमंत्री भाजपा से हैं, जबकि कुमारस्वामी और मांझी भाजपा के दो सहयोगी दलों - क्रमश: जद(एस) और हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा का प्रतिनिधित्व करते हैं। इस बीच एनडीए गठबंधन में इसके घटक दल अजीत पवार के नेतृत्व वाली एनसीपी ने प्रफुल्ल पटेल को स्वतंत्र प्रभार वाले राज्य मंत्री के रूप में शामिल करने के भाजपा के प्रस्ताव को ठुकरा दिया और (शेष पेज 9)

डॉ. चंद्रशेखर पेम्मासानी

सुरेश गोपी

राममोहन नायडू

एचडी कुमार स्वामी

दक्षिण की ओर बढ़ा पीएम का झुकाव

राजेश कुमार। नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दक्षिण भारत के राज्य आंध्र प्रदेश, केरल और तेलंगाना के कई सांसदों को अपने मंत्रिपरिषद में शामिल किया है, जिसमें फिल्म अभिनेता से राजनेता बने सुरेश गोपी भी शामिल हैं। गोपी ने केरल के त्रिशूर से भाजपा के पहले सांसद बने हैं। आंध्र प्रदेश में तेलुगू देशम पार्टी और भाजपा के दो-दो सांसदों को मंत्रिमंडल में शामिल किया गया है, जहां राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन ने 25 लोकसभा सीटों में से 21 पर जीत हासिल की है। तीन बार के सांसद किंजरापु राम मोहन नायडू को मंत्रिमंडल में जगह मिलने की संभावना है, जबकि पहली बार सांसद बने डॉ. चंद्रशेखर पेम्मासानी को मंत्री बनाया गया है। उद्योगपति और टीडीपी नेता जयदेव गल्ला ने दोनों नेताओं को उनके संभावित शामिल होने पर बधाई दी। शपथ ग्रहण समारोह से कुछ घंटे पहले, टीडीपी नेता जयदेव गल्ला ने घोषणा की कि 36 वर्षीय राम मोहन नायडू और 48 वर्षीय चंद्रशेखर पेम्मासानी को केंद्रीय मंत्रिपरिषद में मंत्री के रूप में शामिल किया गया है।

आंध्र प्रदेश की गुंटूर लोकसभा सीट से तेलुगु देशम पार्टी के उम्मीदवार डॉ. चंद्रशेखर पेम्मासानी, जिनकी कुल संपत्ति 5,705 करोड़ रुपये है, मोदी सरकार 3.0 के मंत्रिमंडल में सबसे अमीर मंत्री हैं। उन्होंने टीडीपी के कोटे से शपथ ली। पेम्मासानी ने वर्ष 2024 के लोकसभा चुनाव में अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी वाईएसआरसीपी के किलारी वेंकट रोसैया को 3.4 लाख से अधिक मतों से हराया था। आंध्र प्रदेश में भाजपा के कोटे से, जहां उसे तीन सीटें मिलीं, राज्य इकाई प्रमुख दग्गुबाती पुरंदेश्वरी और नरसापुरम के सांसद भूपति राजू श्रीनिवास वर्मा को भी मंत्रिमंडल में शामिल किया गया है। एनडीए के घटक के रूप में आंध्र प्रदेश में दो सीटें जीतने वाली जनसेना को लोकसभा में डिप्टी स्पीकर का पद मिलने की संभावना है। तेलंगाना से, जहां भगवा पार्टी ने 17 में से आठ सीटें जीतकर भारी बढ़त हासिल की, बंदी संजय और जी किशन रेड्डी को भी मंत्रिमंडल में शामिल किया गया है। भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव बंडी संजय कुमार ने रविवार शाम को राजधानी में शपथ लेने जा रहे भाजपा नेतृत्व वाले एनडीए मंत्रिमंडल में अपना नाम शामिल होने के बाद प्रधानमंत्री मोदी और करीमनगर संसदीय क्षेत्र के लोगों को धन्यवाद दिया। एक्स पर उन्होंने कहा, करीमनगर की गलियों से लेकर मंत्रिपरिषद में राज्य मंत्री के रूप में नियुक्ति के लिए सिफारिश किए जाने तक जैसा कि वह यह लिख रहे हैं कि वह यह व्यक्त नहीं कर सकते कि वह करीमनगर संसदीय क्षेत्र के लोगों, भाजपा अध्यक्ष जेपीनड्डा, भाजपा तेलंगाना नेताओं, कार्यकर्ताओं और सबसे महत्वपूर्ण नरेंद्र मोदी का आभारी हैं। उन्होंने कहा, उनका हौसला बढ़ाने और इस विकास में योगदान देने वाले हर व्यक्ति का दिल से शुक्रिया। कर्नाटक से केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण, एचडी कुमारस्वामी, प्रह्लाद जोशी, होभा करंदलाजे और वी सोमन्ना को शामिल किया गया है। कर्नाटक में एनडीए ने 28 में से 19 सीटें जीतीं। भाजपा ने 17 और जनता दल (सेक्युलर) ने दो सीटें जीतीं। वर्ष 2014 से राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन सत्ता में है, लेकिन (शेष पेज 9)

मोदी की नई सरकार में बढ़ा बिहार का कद

दीपक कुमार झा। नई दिल्ली/पटना

मोदी 3.0 मंत्रिपरिषद में बिहार को उत्तर प्रदेश की तुलना में बेहतर स्थान मिला है। इसका कारण नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली जनता दल (यू) और चिराग पासवान के नेतृत्व वाली लोजपा ने क्रमश: 12 और पांच लोकसभा सीटों के साथ नरेंद्र मोदी को समर्थन दिया है। मंत्रिमंडल में नए चेहरों में भारत रत्न कर्पूरी ठाकुर के पुत्र व जदयू नेता रामनाथ ठाकुर भी शामिल हैं। यह कदम बिहार में अति पिछड़ों को लिए बड़ा संदेश है। मंत्रिमंडल में बिहार और उत्तर प्रदेश के लिए जातिगत समीकरण और सहयोगियों की सहूलियत को ध्यान में रखा गया है।

मंत्रिपरिषद में शामिल किए गए बिहार के अन्य पांच नेताओं में जदयू के राजीव रंजन सिंह, भाजपा के गिरिराज सिंह और नित्यानंद राय, लोजपा के चिराग पासवान, हम के जीतन राम मांझी शामिल हैं। जदयू के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष और अपनी पार्टी के वरिष्ठ नेता राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह पार्टी व नीतीश कुमार के भरोसेमंद वफादार हैं और राज्य सरकार में मंत्री रह चुके हैं। भूमिहार जाति से ताल्लुक रखने वाले 69 वर्षीय सिंह ने 1974 में अपने राजनीतिक जीवन की शुरुआत की थी। बाद में वे पुराने जनता दल परिवार में शामिल हो गए और सीएम कुमार और पूर्व रक्षा मंत्री जॉर्ज फर्नांडिस के नेतृत्व वाली समता पार्टी के संस्थापक सदस्यों में से एक थे। बेगूसराय से दोबारा चुने गए मौजूदा केंद्रीय मंत्री और बिहार भाजपा के दिग्गज नेता गिरिराज सिंह ने भी अपने पार्टी सहयोगी और निवर्तमान मोदी सरकार में राज्य मंत्री नित्यानंद राय के साथ शपथ ली। भाजपा ने राजद के पारंपरिक यादव वोट आधार का मुकाबला करने के लिए बिहार में यादव चेहरे के रूप में राय को बढ़ावा दिया और 2016 में उन्हें पार्टी का प्रदेश अध्यक्ष बनाया।

अभिनेता से राजनेता बने लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के अध्यक्ष और बिहार से तीन बार लोकसभा सांसद रहे चिराग पासवान ने हाल ही में संपन्न आम चुनावों के दौरान अपने अपेक्षाकृत नए राजनीतिक संगठन के लिए 100 प्रतिशत स्ट्राइक रेट के साथ 18वीं लोकसभा में प्रवेश किया, जिसमें उन्होंने सभी पांच सीटों पर जीत हासिल की। हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा-सेक्युलर (हम) के संस्थापक और बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री जीतन राम मांझी बिहार में एनडीए के दलित चेहरों में से एक हैं। 1980 में (शेष पेज 9)

भाजपा के दिग्गजों का मंत्रिमंडल से कटा पत्ता

राजेश कुमार। नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मंत्रिमंडल 2.0 के कई प्रमुख चेहरों को रविवार से शुरू हुए उनके ऐतिहासिक लगातार तीसरे कार्यकाल में कैबिनेट में जगह नहीं मिली है। इस सूची में केंद्रीय मंत्री और भाजपा नेता पुरुषोत्तम रूपाला, अनुराग ठाकुर, आरके सिंह, स्मृति ईरानी, ??नारायण राणे, रविशंकर प्रसाद, राजीव चंद्रशेखर, अजय मिश्रा टेनी, अर्जुन मुंडा, अश्विनी चौबे, साध्वी निरंजन ज्योति, कौशल किशोर, महेंद्र नाथ पांडे, पूर्व सेना प्रमुख वीके सिंह, कैलाश चौधरी के नाम शामिल हैं। पुरुषोत्तम रूपाला को वर्ष 2021 में मंत्रिमंडल में फेरबदल के बाद मत्स्य पालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय दिया गया था। इस बार उन्हें कैबिनेट से बाहर किए जाने की संभावना है। चुनाव प्रचार के दौरान, रूपाला ने तत्कालीन 'महाराजाओं' को अंग्रेजों और विदेशी शासकों की प्रजा बताकर विवाद खड़ा कर दिया था, जिससे क्षत्रिय समुदाय नाराज हो गया था।

केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अनुराग ठाकुर को आमंत्रित नहीं किए जाने से लोगों को हैरानी हुई, क्योंकि उन्हें मोदी से मिलने के लिए आमंत्रित नेताओं में शामिल नहीं किया गया था। प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार आमतौर पर शपथ ग्रहण समारोह से पहले नए मंत्रियों से मिलते हैं। इसी तरह केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी को भी मोदी कैबिनेट में जगह के बारे में प्रधानमंत्री कार्यालय से कोई फोन

नहीं किया गया। ईरानी उत्तर प्रदेश के अमेठी से कांग्रेस के वफादार किशोरी लाल शर्मा से 1.6 लाख से अधिक मतों से लोकसभा चुनाव हार गई थीं। वह मोदी सरकार के दूसरे कार्यकाल में महिला एवं बाल विकास मंत्री थीं। उन्होंने पांच साल पहले कांग्रेस के राहुल गांधी को उनके पारिवारिक गढ़ में हराया था। हिमाचल प्रदेश के हमीरपुर से आम चुनाव जीतने वाले ठाकुर के पास खेल और सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय था। ठाकुर ने हिमाचल प्रदेश के हमीरपुर निर्वाचन क्षेत्र से लगातार पांचवीं बार जीत हासिल की, उन्होंने कांग्रेस के सतपाल रायजादा को 1,82,357 मतों के महत्वपूर्ण अंतर से हराया। उन्होंने यहां मीडिया से बातचीत में कहा, वह पहले पार्टी कार्यकर्ता हैं। हिमाचल प्रदेश के हमीरपुर की जनता ने उन्हें लगातार पांचवीं बार लोकसभा के लिए चुना है। पांचवीं बार लोकसभा के लिए चुना जाना अपने आप में बहुत बड़ा सम्मान है। मीडिया ने जब उनसे उनसे पूछा कि क्या पीएम मोदी की नई मंत्रिपरिषद में शामिल न किए जाने के कारण उन्हें हिमाचल प्रदेश में कोई महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मिलेगी। इस पर ठाकुर ने कहा कि भाजपा ने उन्हें पांच बार लोकसभा चुनाव लड़ने का मौका दिया है। उनके लिए इससे बड़ा अवसर और कोई नहीं हो सकता। उन्होंने बताया कि पहले भी वह पार्टी कार्यकर्ता के रूप में काम कर चुके हैं और भविष्य में भी पार्टी कार्यकर्ता के तौर पर काम करते रहेंगे। उनका पूरा प्रयास भारत को प्रगति के पथ पर ले जाना है। हम सब मिलकर चलेंगे क्योंकि भारत महत्वपूर्ण है, मोदी सरकार महत्वपूर्ण है और देश की प्रगति महत्वपूर्ण है। मोदी 2.0 मंत्रिमंडल में नारायण राणे सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्री थे। उन्होंने महाराष्ट्र के रत्नागिरी-सिंधुदुर्ग से लोकसभा चुनाव जीता। इसी तरह से पूर्व कानून मंत्री रविशंकर प्रसाद को (शेष पेज 9)

ओडिशा में हार के बाद पांडियन ने सक्रिय राजनीति छोड़ी

पायनियर समाचार सेवा। भुवनेश्वर/नई दिल्ली

पूर्व नौकरशाह वी. के. पांडियन ने राजनीति में आने के ठीक छह महीने और 13 दिन बाद, सक्रिय राजनीति से सन्यास लेने की रविवार को घोषणा की। साथ ही कहा कि वह ओडिशा को अपने दिल में गुरु नवीन बाबू को अपनी सांसों में रखेंगे। पांडियन ने एक वीडियो संदेश में कहा कि राजनीति में आने का उनका एकमात्र मकसद नवीन पटनायक की सहायता करना था और यही कारण है कि उन्होंने वर्ष 2024 का चुनाव नहीं लड़ा। (शेष पेज 9)

कश्मीर में तीर्थयात्रियों की बस पर आतंकी हमला, नौ मरे

● **हमला प्रधानमंत्री मोदी के शपथ ग्रहण समारोह के दौरान हुआ, शिव खोड़ी से कटरा लौट रहे थे श्रद्धालु**

मोहित कंधारी। जम्मू

जम्मू-कश्मीर में रविवार को तीर्थयात्रियों से भरी बस पर हुए आतंकी हमले में अबतक 9 लोगों की मौत हो चुकी है और 33 अन्य घायल हो गए है। इस हमले में पाकिस्तानी आतंकियों के होने की आशंका है। यह भीषण हमला प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के शपथ ग्रहण समारोह के समय हुआ, जिसमें पाकिस्तान को छोड़कर पड़ोसी देशों के प्रमुख शामिल हुए थे। बस शिव खोड़ी मंदिर से माता

वैष्णो देवी मंदिर के कटरा बेस कैंप की ओर लौट रही थी, जब इलाके में छिपे इन आतंकवादियों ने तीर्थयात्रियों की बस पर अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी। घायलों को उन्नत चिकित्सा उपचार के लिए रियासी के जिला अस्पताल और कटरा स्थित नारायण अस्पताल ले जाया गया है।

एसएसपी रियासी मोहिता शर्मा ने इस भयावह घटना का ब्यौरा साझा करते हुए संवाददाताओं को बताया, प्रारंभिक रिपोर्टों से पता चलता है कि आतंकवादियों ने शिव खोड़ी से कटरा जा रही यात्री बस पर गोलीबारी की। गोलीबारी के कारण बस चालक ने बस का संतुलन खो दिया और बस खाई में गिर गई। अब तक नौ तीर्थयात्रियों की मौत हो गई है और इस घटना में 33 लोग घायल हुए हैं। एसएसपी रियासी ने कहा कि बचाव अभियान पूरा हो गया है। उन्होंने कहा, यात्रियों की पहचान अभी तक पुष्टि नहीं हुई है। ऐसा लगता है कि वे उत्तर प्रदेश के हैं। एसएसपी ने संवाददाताओं को बताया कि शिव खोड़ी तीर्थस्थल को सुरक्षित करने के साथ ही पूरे इलाके को घेर लिया गया है। (शेष पेज 9)

मोदी के पास नेहरू जैसा जनादेश नहीं: विपक्ष

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

कांग्रेस के नेतृत्व वाले इंडिया गठबंधन के विपक्षी नेताओं ने रविवार को लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री बने नरेंद्र मोदी पर कटाक्ष करते हुए उन्हें 'नरेंद्र विनाशकारी गठबंधन (एनडीए) का नेता' कहा, जबकि उनके पास कोई वैधता नहीं है। कांग्रेस ने दावा किया कि मोदी को बहुत बड़ी व्यक्तिगत, राजनीतिक और नैतिक हार का सामना करना पड़ा है, जबकि टीएमसी ने कहा कि मोदी ने भले ही तीसरे कार्यकाल के लिए शपथ ली हो, लेकिन उनके पास जवाहरलाल नेहरू जैसा जनादेश नहीं है, जो लगातार तीन कार्यकाल वाले एकमात्र अन्य प्रधानमंत्री थे।

कांग्रेस के मुख्य प्रवक्ता जयराम रमेश ने कहा, आज शाम नरेंद्र विनाशकारी गठबंधन (एनडीए) के नेता के रूप में प्रधानमंत्री पद की शपथ लेने में कामयाब रहे जबकि उनके पास कोई वैधता नहीं है। राजद नेता और राज्यसभा सांसद मनोज झा ने उम्मीद जताई कि सत्तारूढ़ सरकार रोजगार उपलब्ध कराने जैसे मुद्दों पर काम करेगी। झा ने कहा कि आरजेडी शपथ ग्रहण समारोह में शामिल नहीं होगी क्योंकि इंडिया गठबंधन का प्रतिनिधित्व कांग्रेस प्रमुख मल्लिकार्जुन खड़गे कर रहे हैं।

राजद नेता ने कहा, हमें उम्मीद है कि इस बार समाज में ध्रुवीकरण कम होगा, कमजोर वर्गों के जीवन में सुधार होगा और सरकार क्रोनी कैपिटलिज्म से मुक्त होगी। आज युवाओं की सबसे बड़ी जरूरत रोजगार है, इसलिए रोजगार एक बड़ा मुद्दा है, उन्हें इस पर काम करना चाहिए। मनोज झा ने कहा कि इस बार एनडीए सरकार शपथ ले रही है, न कि 'मोदी सरकार', उन्होंने उम्मीद जताई कि (शेष पेज 9)

नोएडा एयरपोर्ट के साथ बनेगा जेवर रेल टर्मिनल

2400 करोड़ की परियोजना, चोला से रूंधी तक 61 किमी का होगा ट्रैक, रोजाना 1.2 लाख यात्रियों को होगा लाभ

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

नोएडा एयरपोर्ट के साथ अब जेवर रेलवे स्टेशन भी बनाया जाएगा। यहां से मुसाफिर दिल्ली, कोलकाता और चेन्नई जा सकेंगे। ये स्टेशन मुख्य जंकशन होगा। इसके लिए बुलंदशहर के चोला से पलवल के रूंधी तक 61 किमी लंबा एक रेलवे ट्रैक बिछाया जाएगा। ये लाइन हावड़ा नई दिल्ली लाइन को चोला और चेन्नई-दिल्ली मेन लाइन को रूंधी पर जोड़ेगा।

पूरे प्रोजेक्ट की कास्ट 2400 करोड़ रुपए होगी। ये लाइन शुरुआत में 1.2 लाख मुसाफिर को फायदा देगा। इस लाइन की फाइनल डीपीआर अभी तैयार की जाएगी।

इस लाइन में 5 रेलवे फ्लाई ओवर बनेंगे। जिसमें 2 फ्लाई ओवर चेन्नई से नई दिल्ली लाइन और 3 हावड़ा से नई दिल्ली के बीच बनेंगे। ये लाइन दो स्टेट उत्तर प्रदेश और

हरियाणा से होकर जाएगी। सितंबर में नोएडा एयरपोर्ट के फंक्शन होने के बाद ये रेलवे लाइन काफी महत्वपूर्ण होगी। पहली मुसाफिर के लिहाज से दूसरी कार्गो के लिए। उत्तर मध्य रेलवे ने इसका प्रेजेंटेशन दिया था। जिसमें नए ट्रैक को एक भूमिगत चैनल के माध्यम से हवाई अड्डे के ग्राउंड ट्रांसपोर्टेशन सेंटर से जोड़ने का सुझाव है। इंटर कनेक्टेड लाइन के

चोला और रूंधी के बीच ये बनाए जाएंगे स्टेशन

1. रूंधी
2. चांदहट
3. जेवर खादर
4. जेवर एयरपोर्ट
5. जहागीरपुर
6. बिगापुर
7. चोला

साथ कुल ट्रैक की लंबाई 98.80 किमी है। जिसमें मुख्य ट्रैक (61 किमी) चोला और रूंधी के बीच होगा। इसकी लागत लगभग 2400 करोड़ रुपए होगी और निर्माण शुरू होने के बाद इसे पूरा करने में तीन साल लगेंगे। मुख्य लाइन से रूंधी को जोड़ने वाली लाइन पर 19.20 किमी और चोला में मुख्य लाइन को जो ?ने वाली इंटर कनेक्ट लाइन की लंबाई 18.60 किमी होगी।

योजना में 58 गांव होंगे शामिल

नोएडा। पूरे रूट पर 58 गांव शामिल है। इसमें 2.5 डिग्री के 19 कर्व बनाए जाएंगे। इस कर्व की लंबाई 14.80 किमी की होगी। इस ट्रैक पर 45 क्रासिंग और यमुना नदी पर एक ब्रिज भी शामिल होगा। हालांकि प्रेजेंटेशन के दौरान इस फॉर्मेट को प्रस्तुत किया गया था। इसकी फाइनल डीपीआर जल्द तैयार की जाएगी। साथ ही इसका प्रेजेंटेशन किया जाएगा। रेलवे जंकशन नोएडा एयर पोर्ट टर्मिनल से सीधे कनेक्ट होगा। प्रपोस्ड लाइन के जरिए आगरा दिल्ली वाया फरीदाबाद और गाजियाबाद अलीग ? वाया नई दिल्ली जाया जा सकता है। ये रूट दादरी में प्रस्तावित मल्टी मॉडल ट्रांजिट हब का हिस्सा भी होगा। इस नए रूट पर वंदे भारत जैसी हाई स्पीड ट्रेन चलाई जा सकती है। साथ ही जेवर खादर में एक कार्गो यार्ड खोलने पर भी विचार किया जा रहा है। जिसे इस लाइन से जो ?ा जा सकता है। दादरी के बोड़ाकी में मल्टीमॉडल ट्रांसपोर्ट हब प्रस्तावित है। यहां ट्रेन, मेट्रो, अंतरराज्यीय बस अड्डा की सुविधाएं विकसित होनी हैं। बोड़ाकी के पास रेलवे टर्मिनल बनेगा। इसके बनने के बाद पूर्व की ओर जाने वाली अधिकतर ट्रेन यहीं से चलेंगी। ग्रेटर नोएडा और उसके आसपास रहने वालों को पूर्वी उत्तर प्रदेश, बिहार, पश्चिम बंगाल के लिए ट्रेन यहीं से मिल जाएंगी। उन्हें दिल्ली, नई दिल्ली और आनंद विहार रेलवे स्टेशन जाने की जरूरत नहीं पड़ेगी। दिल्ली-हावड़ा और दिल्ली-मुंबई रेलवे लाइन जुड़ने से एयरपोर्ट आना भी आसान हो जाएगा।

हवाई अड्डे पर पहुंचा पैसेंजर बोर्डिंग ब्रिज, निर्माण कार्य में आई तेजी

- कंपनी ने किया दावा, सितंबर में शुरू होगी उड़ान

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

जेवर एयरपोर्ट के निर्माण की गति और अधिक तेज हो गयी है। इस दौरान जेवर एयरपोर्ट पर हवाई यात्रा से जुड़ा हुआ सामान भी पहुंचना शुरू हो गया है। शनिवार को जेवर एयरपोर्ट पर पैसेंजर बोर्डिंग ब्रिज पहुंच गया है।

इस बीच जेवर एयरपोर्ट को बनाने वाली कंपनी ज्यूरिख एयरपोर्ट इंटरनेशनल एजी ने दावा किया है कि 29 सितंबर 2024 तक एयरपोर्ट का निर्माण कार्य पूरा कर लिया जाएगा। अक्टूबर 2024 से जेवर एयरपोर्ट से हवाई यात्रा शुरू कर दी जाएगी। जेवर एयरपोर्ट पर हवाई यात्रा में प्रयोग होने वाला सामान पहुंचना शुरू हो गया है। संकेत साफ है कि अक्टूबर 2024 में ही जेवर एयरपोर्ट से हवाई यातायात शुरू हो जाएगा। जेवर एयरपोर्ट पर पहला पैसेंजर बोर्डिंग ब्रिज (पीबीबी) शुक्रवार को लाया गया। पीबीबी यात्रियों को टर्मिनल से विमान तक ले जाने में मददगार होगा। पीबीबी काफी सुरक्षित और सुविधाओं से लैस है। सितंबर में नोएडा एयरपोर्ट से पहली उड़ान भरी जानी है।

इसके चलते एयरपोर्ट निर्माण का कार्य तेजी से चल रहा है। इसी कड़ी में पहला पीबीबी यहां लाया गया है। इसके जरिए यात्री टर्मिनल से सीधे विमान तक पहुंच सकेंगे। एयरपोर्ट के लिए अन्य पीबीबी लाए जाएंगे। निर्माण कार्य के साथ एयरपोर्ट को विभिन्न शहरों से जोड़ने का काम भी किया जा रहा है। लोकसभा चुनाव प्रक्रिया संपन्न होने के बाद केंद्र व प्रदेश सरकार नोएडा एयरपोर्ट के निर्माण कार्य की समीक्षा की तैयारी कर रही है।

तेज रफ्तार कंटेनर ने दो लोगों को कुचला

- मोदीनगर स्थित गंगनगर पटरी पर गांव पैंगा के पास हुआ हादसा

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

मोदीनगर में गंगनहर पटरी पर गांव पैंगा के सामने तेज रफ्तार कंटेनर ने बाइक में टक्कर मार दी।

इस हादसे में बाइक सवार महिला व युवक की मौत होगी। पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। बाइक सवार 25 साल का युवक और 45 साल की महिला गंग नहर पटरी मार्ग से मुरादनगर की ओर जा रहे थे।

रविवार सुबह दस बजे जब वह गंगनहर पटरी पर गांव पैंगा के सामने पहुंचे तो सामने से आ रहे तेज रफ्तार कंटेनर ने बाइक में टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी बाइक सवार दोनों कई फीट उछलकर काफी दूर जा गिरे। सूचना पर पहुंची पुलिस ने दोनों को स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जहां पर दोनों मृत घोषित कर दिया गया।

पुलिस ने वाहनों को सड़क से हटाकर यातायात व्यवस्था ठीक करा दी। एसीपी ज्ञान प्रकाश राय ने बताया कि मृतकों की अभी तक शिनाख्त नहीं हो पाई है। पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। चालक कंटेनर छोड़ कर फरार हो गया है। उसकी तलाश की जा रही है।

चोरी का आरोप लगाकर 7 साल के बच्चे को पीटा

गाजियाबाद। मोदीनगर की गोविन्दपुरी कॉलोनी में सारा मार्ग पर सुबह आइसक्रीम चोरी करने का आरोप लगाकर सात साल के बच्चे को एक घंटे तक बंधक बनाकर मारपीट करने का मामला सामने आया है। पुलिस जांच के बाद कार्रवाई करने की बात कह रही है।

नगर की राधा कुंज कॉलोनी निवासी गुलजार परिवार सहित रहते हैं। उनका सात वर्षीय पुत्र कक्षा तीन का छात्र है। बताया जा रहा है बच्चा गोविन्दपुरी कॉलोनी में सारा मार्ग स्थित विशाल डेयरी पर दूध लेने के लिए गया था। आरोप है कि बच्चा फ्रीज से आइसक्रीम निकालकर खाने लगा। आरोप है कि इस बात से डेयरी संचालक नाराज हो गया।

एसी से फिर लगी आग, सोसाइटी में मची अफरा-तफरी

- 11 वीं मंजिल पर हुआ हादसा, दमकल ने आग पर काबू पाया

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

नोएडा से आए दिन आग लगने की घटना सामने आती जा रही है। ऐसे में एक बार फिर से नोएडा की हाई राइज सोसायटी के एक फ्लैट में एसी से आग लगने की घटना सामने आई है।

एसी ब्लास्ट होने से लगी आग को देखकर आस-पास के फ्लैट्स में अफरा-तफरी मच गई। गर्मी के इस विकराल रूप में नोएडावासी बुरी तरह से फंसते हुए नजर आ रहे हैं। जहां एक तरफ नोएडावासी को तपती गर्मी ने परेशान कर रखा है वहीं दूसरी तरफ एसी लोगों के जान की दुश्मन बन गई है। कुछ दिन पहले ही नोएडा से एसी ब्लास्ट

होने की घटना सामने आई थी। ऐसे में एक बार फिर से नोएडा में हाई ग्रुप हाउसिंग सोसाइटी के फ्लैट में एसी के कारण आग लग गई है। बताया जा रहा है कि सोसाइटी के 11वीं मंजिल के फ्लैट में आग लगने से आस-पास के लोगों में हडकंप मच गया। बताया जा रहा है कि जबतक दमकल की गाड़ियां मौके पर पहुंची, उससे पहले ही सोसाइटी के अग्नि सुरक्षा तंत्र ने आग पर काबू पा लिया था। पूरे मामले को लेकर अधिकारियों का कहना है कि शनिवार (8 जून) की रात नोएडा की हाई राइज सोसायटी के एक फ्लैट में एसी में शॉर्ट सर्किट से आग लग गई। जिसके कारण सोसायटी के आस-पास वाले फ्लैट्स में भी अफरा-तफरी का माहौल बन गया।

चीफ फायर ऑफिसर प्रदीप चौधरी ने बताया कि फ्लैट की बालकनी में लगे एसी में शॉर्ट सर्किट के कारण आग लग गई। दमकल की गाड़ियों के मौके पर पहुंचने से पहले सोसायटी के अग्नि सुरक्षा तंत्र और कर्मियों ने आग बुझा दी। फिलहाल इस घटना में कोई घायल नहीं हुआ है।

आपकी जानकारी के लिए बता दें कि इससे पहले भी नोएडा के सेक्टर 100 स्थित लोट्स बुलेवार्ड सोसायटी में एसी ब्लास्ट होने के कारण धू-धूकर आग लग गई थी। इस आग ने विकराल रूप ले लिया था और दूसरे फ्लैट्स को अपनी चपेट में ले लिया था। जिससे सोसाइटी में दहशत का माहौल बना हुआ था।

संक्षिप्त समाचार

मांगों को लेकर श्री राधा स्काई गार्डन सोसाइटी के लोग सड़क पर उतरे।

मांगों को लेकर सोसाइटी के लोगों ने किया प्रदर्शन

नोएडा। ग्रेटर नोएडा में श्री राधा स्काई गार्डन सोसाइटी के सैकड़ों लोग लगातार 6वें सप्ताह भी चिलचिलाती धूप में जमकर प्रदर्शन किए। उन्होंने बिल्डर पर नाजायज लूट, मूलभूत सुविधाओं को पूरा ना करने और करोड़ों के घोटाले का आरोप लगाया। लोगों ने पूरी सोसाइटी में अपनी मांगों के लिए अपने फ्लैटों की बालकनियों में बैनर लगाए। प्रदर्शन कारियों ने बताया कि श्री राधा स्काई गार्डन सोसाइटी में मूलभूत सुविधाओं की भारी कमी है। जिसकी मांग एवं शिकायत निवासी पिछले करीब 5-6 साल से करते आ रहे हैं, लेकिन श्री ग्रुप बिल्डर ने आज तक ना तो मूलभूत सुविधाओं एवं जानमाल से संबंधित पेंडिंग प्रोजेक्ट के काम को पूरा करने के लिए कोई काम नहीं किया और ना ही कोई इरादा दिखाया। करीब 8-10 सालों से सोसाइटी चल रही है, बावजूद इसके ना तो सोसायटी में फायर फाइटिंग इक्विपमेंट्स है। पूरे बेसमेंट में सीपेज एवं लीकेज है जिससे सोसायटी के टावर कमजोर होते जा रहे है ना ही स्विमिंग में गंदा पानी दिखाने के लिए भर दिया एवं लोगों को बीमार करवाने का पूरा इंतजाम कर दिया। ना ही क्लब हाउस पूरा बनाया है, सिक्योरिटी एवं हाउसकीपिंग स्टाफ भी आधा कर दिया है और वे अपना कर्तव्य निभाने में सक्षम और कुशल नहीं हैं। इसके साथ ही बिल्डर ने निवासियों से बिजली कनेक्शन एवं नया डीजल जनरेटर पावर बैकअप खरीदने के नाम पर करोड़ो रुपए का घोटाला करके आधे से भी कम क्षमता का पावर कनेक्शन एवं किराए का डीजल जनरेटर लगवा दिया। जो कि निवासियों को बिजली एवं पावर बैकअप देने के लिए बिल्कुल उपयुक्त नहीं है।

पर्यावरण बचाना हमारा पहला कर्त्तव्य लज्जाराम भाटी

नोएडा। हरियाली बढ़ाने और पर्यावरण बचाने के लिए विश्व पर्यावरण दिवस की पूर्व संध्या पर गुर्जर प्रतिहार सम्राट मिहिर भोज पब्लिक लाइब्रेरी के प्रांगण में एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी में पुस्तकालय समिति के अध्यक्ष, शिक्षक एवं वरिष्ठ पत्रकार लज्जाराम भाटी ने कहा कि आज के समय में पर्यावरण बचाना हमारा पहला कर्तव्य है। इस अवसर पर वृक्षारोपण भी किया गया, जिसमें छात्रों के साथ ही पुस्तकालय अध्यक्ष पुष्पा नागर ने भी पौधे लगाए। यहां भारी संख्या में उपस्थित होकर छात्र-छात्राओं ने प्रदर्शनी भी लगाई। गुर्जर विद्या सभा के सचिव रामशरण नागर ने भी पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लेने का यहां उपस्थित सभी छात्र-छात्राओं को संदेश दिया। इस अवसर पर यहां उपरोक्त पदाधिकारियों के अतिरिक्त गुर्जर विद्या सभा के अध्यक्ष वेदराम भाटी, राजेश प्रधान, मा. ब्रह्मपाल नागर, संदीप कसाना एवं बेगराज सिंह नागर समेत अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

व्यापारियों ने पुलिस कर्मियों को किया सम्मानित

नोएडा। बीटा-2 थाना क्षेत्र के साईट-4 में बीते दिनों हथियारों के बल पर कलेक्शन एजेंट की मिली भगत से हुई 9 लाख की लूट का खुलासा करने पर व्यापारियों ने पुलिस अधिकारियों का आभार व्यक्त उन्हें एक कार्यक्रम आयोजित कर सम्मानित किया। साईट-4 ग्रेटर नोएडा में हुई लूट का सफल अनावरण करने पर साईट 4 के व्यापारियों ने पुलिस कर्मियों का स्वागत किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि डीसीपी जोन-3 साद मियां खां व एसीपी-1 सुशील कुमार उपस्थित रहे। व्यापारियों ने लूट का खुलासा करने वाली सभी पुलिस कर्मियों की टीम का फूल माला, शाल व स्मृति चिन्ह भेंटकर सम्मानित किया। सम्मान पाने वाली टीम में स्वाट टीम प्रभारी यतेन्द्र कुमार, मुनेन्द्र सिंह निरीक्षक बीटा 2, एसओ ईकोटेक-वन अनुज कुमार, ऐचर चौकी प्रभारी सोहनवीर सिंह, एसआई जितेंद्र बालियान, उत्तम कुमार, अरुण आजाद, विकास गंगवार सहित अन्य शामिल रहें। इस दौरान व्यापारी नेता मनोज गर्ग, बजरंग गोयल आदि शामिल रहे।

मॉल में दबंगों ने की गुंडागर्दी, युवक को दौड़ा-दौड़ाकर पीटा

- मारपीट का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

शहर के एक मॉल में मारपीट का मामला सामने आया है। बताया जा रहा है कि नोएडा के एक मॉल में कुछ दबंगों ने मिलकर एक युवक की दौडा-दौड़ाकर पिटाई कर दी है।

नोएडा के मॉल का ये वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। नोएडा शहर के सेक्टर-38 ए स्थित गार्डन गैलेरिया मॉल का एक वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है जिसमें कुछ दबंग मिलकर एक युवक को दौड़ा-दौड़ाकर पीटते हुए नजर आ रहे हैं। हालांकि मारपीट रोकने और

युवक को बचाने में मॉल के कर्मी इधर-उधर भागते हुए काफी मशक्कत करते दिख रहे हैं लेकिन इसके बावजूद दबंग, युवक की पिटाई कर रहे हैं।

मारपीट के दौरान किसी ने इस पूरे मामले का वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया है। बताया जा रहा है कि नोएडा के वायरल हो रहे वीडियो में जिन लोगों ने युवक की पिटाई की है वो शराब के नशे में धुत थे जिसके बाद उन्होंने शख्स की जमकर पिटाई कर दी। आपकी जानकारी के लिए बता दें कि नोएडा के इसी मॉल से पहले भी मारपीट का मामला सामने आ चुका है। एक मामले में तो युवक की जान तक चली गई थी। मारपीट का वीडियो सोशल मीडिया पर खूब तेजी से वायरल हो रहा है।

गार्डन गैलेरिया मॉल का प्रबंधन घटना को छिपाने में लगा हुआ है। इन दिनों दिल्ली-एनसीआर समेत नोएडा के नशेबाजों के लिए गार्डन गैलेरिया मॉल अय्याशी का महफूज ठिकाना बन गया है। वीडियो में साफ-साफ देखा जा सकता है कि किस तरह के नोएडा के गैलेरिया मॉल में एक युवक को कुछ दबंग दौड़ा-दौड़ाकर मार रहे हैं। शख्स नशे में चूर दबंगों से अपना बचाव करने के लिए युवक इधर-उधर भाग रहा है लेकिन इसके बावजूद भी आरोपी, शख्स पर रहम नहीं कर रहे हैं और बार-बार पकड़कर उसे बुरी तरह से पीट रहे हैं।

विजयनगर इलाके में तीन दिन से नहीं आ रहा पानी, लोग हलकान

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

विजयनगर वार्ड-3 स्थित के-ब्लॉक और सेक्टर-11 में नलकूप खराब होने से तीन दिन से पेयजल आपूर्ति नहीं हो सकी। इससे लोग परेशान हैं। लोग बाजार से पानी खरीदकर पी रहे हैं। शिकायत के बाद भी नलकूप ठीक नहीं कराया जा रहा।

के-ब्लॉक में पानी का संकट है। तीन दिन पहले नलकूप की मोटर खराब हो गई थी। स्थानीय लोगों ने जलकल विभाग में इसकी शिकायत की। इसके बाद भी नलकूप ठीक नहीं कराया जा सका। नलकूप खराब होने से पानी आपूर्ति ठप है। स्थानीय लोगों ने बताया पानी आपूर्ति नहीं होने से घरेलू कार्य नहीं किए जा रहे।

लोग बाजार से पानी खरीदने के लिए मजबूर है। लोगों का आरोप है कि निगम की तरफ से पानी के कैंटर भी नहीं भिजवाए गए। सेक्टर-11 में भी पानी नहीं आ रहा है। स्थानीय लोगों ने बताया कि तीन दिन से पानी मिलने की वजह से परेशानी उठानी पड़ रही है। शिकायत करने के बाद भी अधिकारी समस्या का समाधान नहीं कर रहे हैं।

फर्जी बैनामे तैयार कर बैंकों से लोन लेने वाला धरा

गाजियाबाद। फ्लैट किराये पर लेकर उनकी मूल बैनामे से फर्जी बैनामा तैयार कर अपने नाम से बैंकों से ऋण लेकर धोखाधड़ी करने वाले दूसरे आरोपी को भी नंदग्राम पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है।

एसीपी नंदग्राम रवि कुमार सिंह ने बताया कि पकड़ा गया आरोपी मेरठ कैंट निवासी पुष्पेंद्र जैन है। पूछताछ में इसने बताया कि कोरोना काल में सोसाइटियों में खाली पड़े फ्लैटों को अपने साथियों के साथ मिलकर किराये पर लेते थे। उसे कोर्ट कचहरी के कामों की अच्छी जानकारी है। ऐसे में वह फ्लैट के मूल बैनामा हासिल कर फर्जी बैनामा तैयार करके अपने साथियों को फ्लैट का फर्जी मालिक बनाकर बैंक से लोन ले लेते हैं।

ट्यूशन जा रही बच्ची के साथ की छेड़खानी, मामला दर्ज

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

मोदीनगर की एक कॉलोनी में ट्यूशन जा रही दस साल की बच्ची के साथ बाइक सवार युवक द्वारा अश्लील हरकत करने का मामला सामने आया है। बाइक सवार युवक एक सप्ताह के अंदर कई बच्चियों के साथ छेड़छाड़ व अश्लील हरकत कर चुका है।

पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी है। नगर की एक कॉलोनी निवासी एक व्यक्ति परिवार सहित रहते हैं। उनकी बच्ची दोपहर के समय ट्यूशन पढ़ने के लिए जा रही थी। आरोप है कि इसी बीच बाइक सवार युवक आया और बच्ची को अपना मामा बताकर अश्लील हरकत करने लगा। दस मिनट तक बच्ची से अश्लील हरकत करने के बाद आरोपी बाइक लेकर चला गया।

डर के चलते बच्ची वापस अपने घर आ गई और परिजनों को आपबीती सुनाई। इसके बाद परिजन मौके पर पहुंचे, लेकिन आरोपी नहीं मिला। परिजनों ने बताया कि दोपहर के समय कॉलोनी में बाइक सवार एक युवक आता है और बच्चियों के साथ अश्लील हरकत करता है। वह कई बच्चियों के साथ कई बार ऐसी हरकत कर चुका है। परिजनों ने इस संबंध में मोदीनगर थाने में तहरीर दी। एसीपी मोदीनगर ने बताया कि रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है।

लुटेरों के साथ पुलिस की मुठभेड़, गिरफ्तार

- जवाबी कार्रवाई में एक बदमाश को लगी गोली

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

गाजियाबाद के थाना टीला मोड़ क्षेत्र में बदमाश और पुलिस के बीच मुठभेड़ हो गई। जिसमें एक बदमाश के गोली लगी है। पुलिस ने दो बदमाशों को गिरफ्तार किया है। जिनके कब्जे से लूट का मोबाइल पैसे और अवैध हथियार बरामद हुए हैं।

एसीपी शालीमार गार्डन सिद्धार्थ गौतम ने बताया की थाना टीला मोड़ पुलिस को चेकिंग के दौरान सूचना प्राप्त हुई कि दो लुटेरे भोपुरा लोनी

रोड पर भौपुरा की तरफ से आ रहे हैं। उनके पास अवैध असलहा भी है।

इस सूचना पर तत्काल कार्यवाही करते हुए थाना टीला मोड़ पुलिस टीम द्वारा भौपुरा लोनी रोड पंचशील कट पर बैरियर लगाकर चेकिंग की जा रही थी। तभी भौपुरा की ओर से एक काले रंग की मोटर साइकिल पर दो युवक आते दिखाई दिए। जिन्हें देखते ही मुखबिर ने बताया कि यही वह दोनों लुटेरे हैं। जिन्होंने कुछ दिन पूर्व एमके रेस्टोरेन्ट के पास से लूट की घटना की थी। थाना टीला मोड़ पुलिस टीम द्वारा दोनों मोटर साइकिल सवार युवकों को टार्च की रोशनी लगाकर रुकने का इशारा किया गया तो उन्होंने पुलिस को देखकर बाइक सर्विस रोड पर भागने लगे। तभी आगे सीवर के ढक्कन से बाइक के टकराकर गिर जाने से के कारण पकड़े जाने के भय से पुलिस टीम पर जान से मारने की नीयत से फायर किया। आत्मरक्षार्थ पुलिस द्वारा की गई फायरिंग में एक आरोपी अनस के बाएं पैर में गोली लग गई, जिससे वह घायल हो गया। घायल बदमाश अनस के कब्जे से एक तंमचा, एक कारतूस, दो जिंदा कारतूस, लूट का एक मोबाइल और कैश बरामद हुए हैं।

स्टेडियम में सुविधाएं बढ़ाने के लिए प्राधिकरण की पहल

- स्थानीय खिलाड़ियों को मिलेगा लाभ

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

सेक्टर-21ए स्थित नोएडा स्टेडियम में खेल सुविधाओं को बेहतर करने के लिए प्राधिकरण की तरफ से काम किया जा रहा है।

नोएडा स्टेडियम के विकास के लिए जल्द ही नए सिरे से टेंडर निकाले जाएंगे। इन टेंडरों में भाग लेने वाले कोच और खेल अकादमी संचालकों को स्टेडियम में खेल सुविधाएं विकसित करने की जिम्मेदारी सौंपी जाएगी। इससे न केवल स्थानीय खिलाड़ियों को फायदा मिलेगा, बल्कि नोएडा के युवाओं को भी प्रशिक्षण और खेल गतिविधियों के अवसर हासिल होंगे। लगभग पांच

वर्षों से नोएडा स्टेडियम में कुश्ती और कबड्डी जैसे खेलों की अकादमी बंद पड़ी हैं। इसके कारण स्थानीय खिलाड़ियों को अभ्यास के लिए दिल्ली के हनुमान मंदिर अखाड़ा और छत्रसाल स्टेडियम जाना पड़ता है। मार्च के पहले सप्ताह में नोएडा प्राधिकरण ने विभिन्न खेलों के लिए कोच और खेल अकादमी के संचालन हेतु रिक्वेस्ट फॉर प्रपोजल (आरएफपी) जारी की थी। इसके तहत कुश्ती सहित अन्य खेलों के लिए कोच और अकादमी की नियुक्ति की जानी थी। हालांकि, इसी बीच लोकसभा चुनाव की आचार संहिता लगने से यह प्रक्रिया अधर में लटक गई थी। अब एक बार फिर खेल प्रेमियों की उम्मीद है कि इस बार टेंडर प्रक्रिया सुचारू रूप से पूरी होगी और जल्द ही स्टेडियम में विभिन्न खेल सुविधाएं विकसित की जा सकेंगी। नोएडा प्राधिकरण के डीजीएम विजय रावल ने बताया कि कुश्ती अकादमी का कार्यकाल पिछले साल 31 अक्टूबर को समाप्त हो चुका था, उन्होंने कहा, टेंडर के जरिए ही अकादमी का संचालन होना है।

अब हम एक बार फिर से पूरी प्रक्रिया शुरू करेंगे। मार्च में आरएफपी निकाली गई थी, लेकिन आचार संहिता के कारण काम आगे नहीं बढ़ सका। अब नए सिरे से प्रक्रिया शुरू की जाएगी।

जिला पुलिस ने चार वाहन चोरों को किया गिरफ्तार, 34 गाड़ियां जब्त

- एनसीआर के अलग-अलग थानों में थी एफआईआर दर्ज

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

शहर में वाहन चोरों की संख्या बढ़ती जा रही है। नोएडा पुलिस ने चार एक्टिव ऑटो लिफ्टरों को गिरफ्तार किया है। नोएडा पुलिस ने इन आरोपियों से 33 चोरी किए हुए दोपहिया वाहन और एक ई-रिक्शा बरामद किया है।

पुलिस ने बताया कि जो वाहन बरामद हुए हैं, उनमें आधे से ज्यादा चोरी के मामले एनसीआर के अलग-अलग थानों में दर्ज किया है। आपको बता दें कि पुलिस उपायुक्त (नोएडा) विद्या सागर मिश्रा ने बताया कि सेक्टर-113 पुलिस स्टेशन और सेक्टर-39 पुलिस स्टेशन की टीम ने दो अलग-अलग अभियान चलाकर आरोपियों गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने बताया कि दो आरोपी 50 साल के अनूप मावी और 35 वर्षीय देव कुमार उर्फ देवा को सेक्टर-113 पुलिस स्टेशन की टीम ने मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार किया। इन आरोपियों के पास से 19 बाइक बरामद की गई हैं। इस मामले में पुलिस ने बताया कि पकड़ा गया आरोपी अनूप मावी का आपराधिक इतिहास है। उसके खिलाफ गाजियाबाद और दिल्ली के विभिन्न थानों में 42 मामले दर्ज हैं, जबकि देव कुमार उर्फ देवा के खिलाफ 9 केस दर्ज हैं।

पूर्वी दिल्ली से सांसद हर्ष मल्होत्रा को मिठाई खिलाते प्रदेश भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा।

पूर्वी दिल्ली के सांसद हर्षदीप मल्होत्रा को मोदी मंत्रिमंडल में मिली जगह

● आप के कुलदीप कुमार को दी थी मात

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

पूर्वी दिल्ली के सांसद हर्षदीप मल्होत्रा को मोदी सरकार के मंत्रिपरिषद में शामिल किया गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अगुवाई में तीसरे लोकसभा चुनाव में पदार्पण करने वाले मल्होत्रा ने पूर्वी दिल्ली संसदीय क्षेत्र से आम आदमी पार्टी के उम्मीदवार को बड़े अंतर से हराकर जीत दर्ज की है। मल्होत्रा को दो बार के सांसद और क्रिकेटर से नेता बने गौतम गंभीर की जगह मैदान में उतारा था। भाजपा के गढ़ पूर्वी दिल्ली संसदीय क्षेत्र में 47 वर्षीय मल्होत्रा ने आप और इंडिया गुट के संयुक्त उम्मीदवार कुलदीप कुमार को करीब 93,663 वोटों के अंतर से हराया। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा के करीबी और जमीनी नेता माने जाने वाले 47 वर्षीय हर्षदीप ने आम आदमी पार्टी के कोंडली विधायक के खिलाफ 52.33 फीसदी वोट हासिल किए। कुमार को जहां 5,71,156 वोट मिले, वहीं दिल्ली भाजपा के पूर्व महासचिव को 6,64,819 वोट मिले। मल्होत्रा राजधानी से भाजपा के एकमात्र निर्वाचित सांसद थे, जो मोदी के नेतृत्व वाली सरकार के तीसरे कार्यकाल के संभावित सदस्यों मंत्रियों की सूची में शामिल नामों को 7 लोक कल्याण मार्ग पर आमंत्रित किया था। मल्होत्रा दिल्ली विश्वविद्यालय से वनस्पति विज्ञान और कानून में स्नातक हैं और कई दशकों में पार्टी के संगठनात्मक पदों पर रहे हैं। नवीन शाहदरा के पूर्व जिला अध्यक्ष मल्होत्रा वर्ष 2017 में पूर्वी दिल्ली से पार्षद चुने गए और बाद में तत्कालीन पूर्वी दिल्ली नगर निगम के महापौर भी रहे।

इससे पहले, चांदनी चौक के पूर्व सांसद हर्षवर्धन ने 30 मई 2019 से 7 जुलाई 2021 तक भाजपा के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार में स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री, विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्री और पृथ्वी विज्ञान मंत्री के रूप में कार्य किया था। बाद में उन्होंने जुलाई 2021 में कैबिनेट फेरबदल से पहले मंत्री पद हटा दिया गया था। वर्ष 2024 के लोकसभा चुनावों के लिए कथित तौर पर टिकट से वंचित होने के बाद 4 मार्च 2024 को हर्ष वर्धन ने सक्रिय राजनीति से संन्यास ले लिया। पूर्व भाजपा प्रमुख विजय गोयल को भी दिल्ली के कोटे के अनुसार मोदी के पहले कार्यकाल में शामिल किया गया था। नई दिल्ली संसदीय क्षेत्र से दो बार की सांसद मीनाक्षी लेखी ने 7 जुलाई 2021 से भारत की विदेश और संस्कृति राज्य मंत्री के रूप में भी कार्य किया। सुप्रीम कोर्ट में वकील, लेखी को जुलाई 2016 में संसद में लोकसभा की विशेषाधिकार समिति का अध्यक्ष नियुक्त किया गया था और 26 जुलाई 2019 को पूर्व लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने लेखी को सार्वजनिक उपक्रमों पर संसदीय समिति का अध्यक्ष नियुक्त किया था

जल संकट पर एलजी संग आतिशी की बैठक आज

● हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी को पत्र लिखकर मुनक नहर से 1,050 क्यूसेक पानी छोड़ने का किया अनुरोध

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

राजधानी दिल्ली में जल संकट का खतरा मंडरा रहा है। इस मुद्दे पर जल मंत्री आतिशी मौजूदा जल संकट को लेकर उपराज्यपाल विनय सक्सेना से सोमवार सुबह 11 बजे मुलाकात करेंगी। आतिशी ने रविवार को एलजी से आपात बैठक करने के लिए समय मांगा था।

इस दौरान एलजी ने अधिकारियों से हिमाचल प्रदेश और हरियाणा द्वारा छोड़े जा रहे पानी की वास्तविक स्थिति, दिल्ली में पानी की बर्बादी और रिसाव को रोकने के उपाय और उच्चजम न्यायालय के निर्देशानुसार वजीराबाद जलाशय की सफाई की स्थिति का पता लगाने को कहा है। इससे पहले जल मंत्री आतिशी ने रविवार को हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी को पत्र लिखकर अनुरोध किया कि मुनक नहर से राष्ट्रीय राजधानी के लिए 1,050 क्यूसेक पानी छोड़ा जाए, अन्यथा अगले एक-दो दिन में दिल्ली में बड़ा संकट पैदा हो सकता है। उन्होंने कहा कि अपर यमुना रिवर बोर्ड में वर्ष 2018 के दिल्ली-हरियाणा के बीच हुए समझौते के अनुसार दिली को मुनक नहर से प्रतिदिन 1050 क्यूसेक पानी मिलना चाहिए। गर्मियों के समय बवाना कांटैक्ट पॉइंट पर मुनक नहर से 980 से 1030 क्यूसेक पानी पहुँचता है लेकिन पिछले एक सप्ताह में इसमें भारी कमी आई है।

मुनक नहर से मिलने वाले पानी की मात्रा 840 क्यूसेक पहुँच गई है। पत्र में उन्होंने कहा कि दिल्ली में सात जलशोधन संयंत्र यमुना से जल की आपूर्ति पर निर्भर हैं और कच्चे पानी की कमी के कारण हमारे जलशोधन संयंत्र अपनी अधिकतम क्षमता पर काम करने में असमर्थ हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि मुनक से दिल्ली को करीब 1,050 क्यूसेक पानी मिलना चाहिए, लेकिन आपूर्ति कम हो गई है।

आतिशी ने कहा, मुनक नहर से पानी घटकर 840 क्यूसेक रह जाने से दिल्ली अपने सात जल संयंत्रों से पर्याप्त पानी नहीं जुटा पाएगी। उन्होंने पत्र में कहा, "अगर हरियाणा आज पर्याप्त मात्रा में पानी नहीं छोड़ता है तो अगले एक-दो दिन में दिल्ली में बड़ा संकट पैदा हो जाएगा, इसलिए वह विनम्र अनुरोध करती हैं कि मुनक नहर से दिल्ली के लिए 1,050 क्यूसेक पानी छोड़ा जाए।

पत्र में कहा जैसा कि आप जानते हैं, दिल्ली अपनी रोजमर्रा की जरूरतों के लिए यमुना के पानी पर निर्भर है। पिछले कुछ दिनों से हरियाणा मुनक नहर में पर्याप्त मात्रा में पानी नहीं छोड़ रहा है। इसके परिणामस्वरूप राष्ट्रीय राजधानी में रहने वाले लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

आतिशी झूठे आंकड़ों से कर रही गुमराह: भाजपा

नई दिल्ली। दिल्ली भाजपा के अध्यक्ष वीरेन्द्र सचदेवा ने हरियाणा से दिल्ली को मिल रहे जल डाटा मे से आधे अधूरे आंकड़ों को आधार बना कर हरियाणा के मुख्य मंत्री नायब सिंह सैनी को पत्र लिखने के लिए जल मंत्री आतिशी की कड़ी निंदा की है। सचदेवा ने कहा है की जल मंत्री आतिशी यूं तो गत कई दिन से दिल्ली के जल संकट को लेकर हरियाणा पर झूठा दोषारोपण करती रही हैं पर आज उन्होने आधे अधूरे आंकड़ों के आधार पर पत्र लिखकर हर सीमा पार कर दी है। आतिशी लगातार जल चोरी एवं लीकेज बर्बादी को रोकने की बजाय केवल बयानबाजी करती रही हैं।

मोदी के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल हुए ट्रांसजेंडर, सफाईकर्मी और मजदूर

पायनियर समाचार सूची। नई दिल्ली

मनोनीत प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं उनकी मंत्रिपरिषद के शपथग्रहण समारोह में शामिल होने के लिए ट्रांसजेंडर समुदाय के लोगों और नए संसद भवन के निर्माण से जुड़े मजदूरों तथा सफाई आमंत्रण पर शामिल हुए।

समारोह से पहले, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सांसद और पूर्व सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री वीरेंद्र कुमार ने अपने आवास पर ट्रांसजेंडर समुदाय के सदस्यों को सम्मानित किया। वहीं, भाजपा सांसद एवं पूर्व जलशक्ति मंत्री गजेन्द्र शेखावत ने सफाईकर्मियों को सम्मानित किया। कुमार ने मीडिया से कहा, यह प्रधानमंत्री मोदी के सबका साथ, सबका विश्वास और सबका प्रयास के आह्वान का एक हिस्सा है। समारोह में ट्रांसजेंडर लोगों को शामिल करना प्रधानमंत्री के समावेशिता के संदेश को मजबूत करने के लिए है। उन्होंने कहा कि यह पहली बार है कि ट्रांसजेंडर समुदाय के लोगों को शपथग्रहण समारोह के लिए औपचारिक रूप से आमंत्रित किया गया है। कुमार ने कहा कि समारोह में शामिल होने जा रहे संबंधित लोगों ने ट्रांसजेंडर समुदाय के सशक्तीकरण में योगदान दिया है। पूर्व केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मांडविया ने नए संसद भवन के निर्माण में शामिल 90 मजदूरों और 30 सफाई कर्मचारियों को सम्मानित किया। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की उत्तर प्रदेश इकाई से जुड़ीं सोनम किन्नर ने कहा कि वह समुदाय के 50 सदस्यों के साथ नई सरकार को आशीर्वाद देने के लिए यहां आई हैं। उन्होंने कहा, हमें इस बात का दुख है कि जाति-आधारित राजनीति के कारण प्रधानमंत्री मोदी को उम्मीद के मुताबिक सीट नहीं मिलीं, लेकिन हमें अपने प्रधानमंत्री पर पूरा भरोसा है और स्थिति में सुधार होगा। इस समारोह में मुकेश अंबानी, अनंत अंबानी, आनंद पीरामल, गौतम अडाणी के साथ उनकी पत्नी प्रीति अडाणी और भाई राजेश अडाणी समेत कारोबार जगत के लोग भी शामिल हुए।

नीट यूजी रिजल्ट विवाद

परिणामों को लेकर युवा कांग्रेस का हल्ला बोल, एबीवीपी का आज प्रदर्शन

फोटो: रंजन डिमरी

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

नीट यूजी रिजल्ट में हुई कथित धांधली को लेकर बवाल मचा हुआ है। इसको लेकर छात्र लगातार विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। इस बीच भारतीय युवा कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने परीक्षा परिणामों में कथित धांधली का आरोप लगाते हुए रायसीना रोड पर प्रदर्शन किया।

वहां मौजूद सुरक्षाकर्मियों ने प्रदर्शन कर रहे कई लोगों को हिरासत में लिया। बाद में उन्हें छोड़ दिया। इस बीच वामपंथी छात्र संगठन ऑल इंडिया स्टूडेंट एसोसिएशन आइसा और अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने भी विरोध प्रदर्शन का ऐलान किया है।

भारतीय युवा कांग्रेस के अध्यक्ष श्रीनिवास बीवी ने कहा कि इस धांधली ने 24 लाख युवा छात्रों के भविष्य को अंधेरे की तरफ धकेल दिया है। नीट परीक्षा में हुई कथित धांधली लाखों छात्रों के साथ ही देश की स्वस्थ व्यवस्था और भविष्य के साथ धोखा है।

आज देश में ऐसी कोई परीक्षा नहीं है, जिसमें धांधली नहीं हो रही है। यह सरकार पेपर लीक और धांधली पर कोई बात नहीं करती है। उन्होंने कहा कि नीट परीक्षा पेपर लीक और परिणाम धांधली पर केंद्र सरकार चुप है। परीक्षा कराने वाली संस्था एनटीए शक के घेरे में है, क्योंकि पेपर लीक होने की बात भी सामने आ रही है। श्रीनिवास के अनुसार, नीट का रिजल्ट जल्दबाजी में पहले ही जारी कर दिया गया। ये बातें एनटीए पर सवाल खड़ी करती है। उन्होंने कहा कि मामले में कड़ी कार्रवाई करने की आवश्यकता है, क्योंकि पेपर लीक माफिया छात्रों के भविष्य से खिलवाड़ कर रहे हैं।

मानकों के अनुरूप नंबर प्लेट नहीं होने पर 16,800 केस दर्ज

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दिल्ली यातायात पुलिस ने इस साल अब तक निर्धारित मानकों के अनुरूप नंबर प्लेट नहीं होने पर 16,800 से अधिक लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। यह आंकड़ा पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 286 प्रतिशत अधिक है। आधिकारिक आंकड़ों में यह जानकारी दी गई।

दिल्ली यातायात पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार, इस साल एक जनवरी से पांच जून तक निर्धारित मानकों के अनुरूप नंबर प्लेट नहीं होने पर 16,859 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। अधिकारी ने बताया कि पिछले साल इसी अवधि के दौरान यह आंकड़ा 4,363 था। उन्होंने बताया कि यह आंकड़ा पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में दर्ज हुए मामलों में 286 प्रतिशत अधिक है।

यह आंकड़ा सड़क सुरक्षा को बढ़ाने और यातायात नियमों के अनुपालन को लागू करने के व्यापक प्रयास को दर्शाता है। यातायात पुलिस विभाग ने बताया कि उन्होंने निर्धारित मानकों के अनुरूप नंबर प्लेट नहीं होने पर वाहनों के खिलाफ कार्वाई तेज कर दी है और इस कदम के कारण लगाए गए जुर्माने की संख्या में वृद्धि हुई है। अधिकारी ने बताया कि अपठनीय, अनुचित तरीके से बनाई गईं और निर्धारित मानकों के अनुरूप न होने वाली नंबर प्लेट के वाहन चालकों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है।

पीएम के नेतृत्व में भारत के स्वर्णिम भविष्य का निर्माण होगा: प्रवीन खंडेलवाल

नई दिल्ली। चांदनी चौक से बीजेपी सांसद प्रवीन खंडेलवाल ने कहा कि एनडीए सरकार का तीसरा कार्यकाल विशिष्ट उपलब्धियों से भरा होगा।

उन्होंने ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा पद की शपथ लिए जाने को बेहद ऐतिहासिक और भारत के स्वर्णिम भविष्य के लिए एक महत्वपूर्ण दिन बताया। खंडेलवाल ने कहा नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में एक राष्ट्रवादी एवं मजबूत सरकार का कार्यकाल शुरू हो चुका है जो भारत को विश्व गुरु बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ेंगी। खंडेलवाल ने देश भर के 9 करोड़ से अधिक व्यापारियों की ओर से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को तीसरे कार्यकाल की अनंत शुभकामनाएं भी दी।

साधु के वेश में मंदिर में करते थे जेबतराशी, दो पकड़े गए

नई दिल्ली। आंध्र प्रदेश से दो बच्चों के साथ आकर मन्दिर में श्रद्धालु के भेष में बच्चों के साथ आकर श्रद्धालुओं को टारगेट करने वाले गुंटूर, आंध्र प्रदेश के रहने वाले आरोपी चंदला कृष्णा और उनकी पत्नी चेडाला वेंकटरमन को मन्दिर मार्ग पुलिस ने गिरफ्तार किया है। दोनों आरोपियों ने बीते शनिवार सुबह मंदिर मार्ग स्थित बिरला मंदिर में एक श्रद्धालु की जेब से पचास हजार रुपये और आधार कार्ड चोरी किया था। पुलिस आरोपियों का पिछला रिकॉर्ड खंगालने की कोशिश कर रही है।

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि बीते शनिवार सुबह दस बजे सूर्यकांत ने पीसीआर कॉल करके बताया कि वह अपने रिश्तेदारों के साथ बिरला मंदिर जा रहे थे। मंदिर काउंटर पर सामान जमा करने के लिए लाइन में खड़े होने के दौरान किसी ने उनकी जेब से पचास हजार रुपये और उनका आधार कार्ड चुरा लिया। पुलिस ने मामला दर्ज किया। एसीपी अनित समोता की देखरेख में एसएचओ अमित कुमार के निर्देशन में एसआई केवेंद्र, एएसआई चंद्रहास, हेड कांस्टेबल माखन,परीक्षित और रहीश को आरोपियों को पकडने का जिम्मा सौंपा गया। पुलिस टीम ने मन्दिर परिसर और आसपास लगे दर्जनों सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली।

42.5 डिग्री सेल्सियस तक चढ़ा दिल्ली का पारा

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में रविवार को अधिकतम तापमान 42.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो मौसम के औसत से 2.5 डिग्री अधिक है।

यह जानकारी भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने दी। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अनुसार, राष्ट्रीय राजधानी का वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) शाम छह बजे 181 के साथ मध्यम श्रेणी में दर्ज किया गया। शून्य से 50 के बीच एक्यूआई को अच्छा , 51 से 100 के बीच को संतोषजनक , 101 से 200 के बीच को मध्यम , 201 से 300 के बीच को खराब , 301 से 400 के बीच को बहुत खराब और 401 से 500 के बीच को गंभीर माना जाता है।

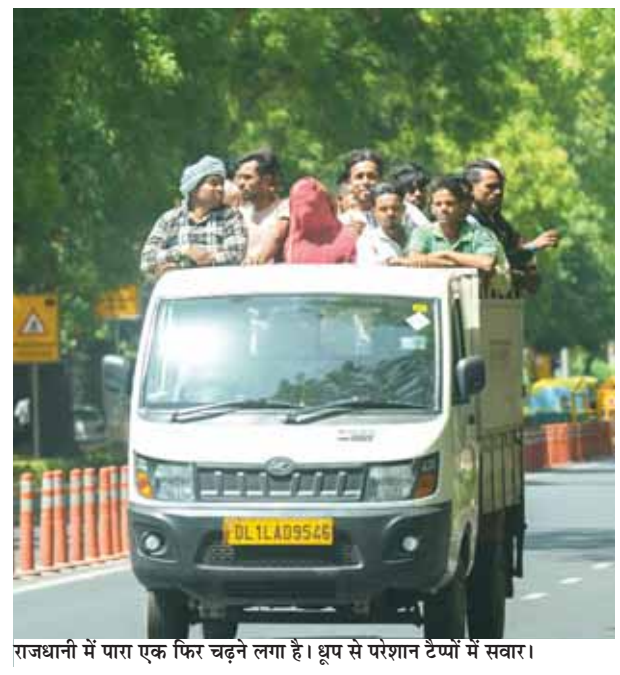
राजधानी में पारा एक फिर चढ़ने लगा है। धूप से परेशान टैप्पों में सवार।

संक्षिप्त समाचार

कनॉट प्लेस में गेम आर्केड में लगी आग

नई दिल्ली। दिल्ली। कनॉट पैलेस के आउटर सर्किल स्थित एम-ब्लॉक में रविवार शाम को एक इमारत में आग लग गई। थीम आधारित एडवेंचर गेम क्षेत्र में आग लगने से किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है लेकिन कुछ लोग अंदर फंस गए थे। जिन्हें समय रहते दमकलर्मियों की मुस्तैदी से उनको बचा लिया। तेज पलटों से अंदाजा लगाया जा सकता है कि कितनी तेजी से आग फैली थी जो किसी बड़ी जनहानि की वजह भी बन सकती थी।

पूर्वोत्तर सीमा रेलवे बल ने 45 नाबालिगों को बचाया

नई दिल्ली/मालीगांव। पूर्वोत्तर सीमा रेलवे की रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) ने नियमित तलाशी एवं अभियान के दौरान 45 नाबालिगों और 3 महिलाओं को मानव तस्करी से बचाने के साथ रेल यात्रियों के सामान की चोरी में लिप्त 32 व्यक्तियों को हिरासत नें लिया है। यह अभियान 17 से 31 मई, 2024 के बीच जोन में चलाया गया। पूर्वोत्तर सीमा रेलवे की रेलवे सुरक्षा बल ने नाबलिगों और महिलाओं को बचाने के साथ 03 मानव तस्करों को हिरासत में लिया। इसी तरह, टीमों ने यात्रियों के चोरी हुए लगभग 4,95,000 रुपये के बहुमूल्य सामान बरामद किए। टीमों ने मोबाइल फोन, लैपटॉप, बैग, नकदी आदि जैसे कीमती सामान बरामद करने के साथ 29 लोगों को हिरासत में लिया।

एथलीट, उद्योग विशेषज्ञों ने खेल महोत्सव में लिया भाग

नई दिल्ली। दिल्ली में तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय स्वास्थ्य, खेल और फिटनेस महोत्सव में उद्योग विशेषज्ञों के अलावा लगभग 500 घरेलू और अंतरराष्ट्रीय एथलीट ने भाग लिया। इस कार्यक्रम का आयोजन शुक्रवार से प्रगति मैदान में हो रहा है। कार्यक्रम के आयोजकों ने कहा कि मुख्य आकर्षण दो बॉडीबिल्डिंग प्रतिस्पर्धा रहे। एक बयान के अनुसार, अंतरराष्ट्रीय स्वास्थ्य, खेल और फिटनेस महोत्सव (आईएचएफएफ), 2024 को तीन दिनों में 1.5 लाख दर्शकों ने देखा।

कमल किशोर बने ईएसआईसी महानिदेशक

नई दिल्ली। केंद्रीय श्रम मंत्रालय में अतिरिक्त सचिव और श्रम कल्याण महानिदेशक, झारखंड कैडर (1998 बैच के) के वरिष्ठ आईएएस अधिकारी कमल किशोर सोन को कर्मचारी राज्य बीमा निगम (ईएसआईसी) के महानिदेशक का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है। झारखंड राज्य में कई विभागों में अपने व्यापक अनुभव के साथ, वह अपने नए पद पर शासन और प्रबंधन को और मजबूत करेंगे। यहां एक बयान के अनुसार, भूमि राजस्व प्रबंधन, जिला प्रशासन, कृषि, स्वास्थ्य, वित्त और सामाजिक न्याय जैसे क्षेत्रों में उनकी पृष्ठभूमि उनकी बहुमुखी प्रतिभा और विविध क्षेत्रों में प्रभावी ढंग से नेतृत्व करने की क्षमता को रेखांकित करती है।

साइबर ठगी से बचने को लोगों को किया जागरूक

● द्वारका में दिल्ली पुलिस की साइबर सेल चला रही अभियान

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

जागरूकता अभियान के दौरान दिल्ली पुलिस की साइबर टीम।

साइबर ठगी से लोगों को बचाने के लिए दिल्ली पुलिस की साइबर टीम जागरूकता अभियान चला रही है। इसी क्रम में साइबर सेल ने द्वारका में साइबर सुरक्षा अभियान चला रही है। इस अभियान की अध्यक्षता दिल्ली पुलिस उपायुक्त द्वारका एवं एसएचओ साइबर सेल द्वारका सेक्टर 17 द्वारा किया जा रहा है। रविवार द्वारका स्थित बड़ौदा हाउस अपार्टमेंट में साइबर सेल द्वारका सेक्टर 17 के एसएचओ जगदीश कुमार द्वारा लोगों को जानकारी दी।

एसएचओ जगदीश द्वारा बताया कि साइबर ठग का मुख्य टारगेट 40 वर्ष के ऊपर, घर से काम करने वाले व्यक्ति तथा मल्टीनेशनल कंपनी में काम करने वाले व्यक्ति होते है। उन्होंने कहा की सब से ज्यादा फेडेक्स फ्रॉड चल रहा है, जिसमें व्यक्ति को टारगेट बनाकर पैसे की ठगी करते है। उसके अलावा फोटो को लाइक एवं शेयर, पार्ट टाइम जॉब, शेयर बाजार और वीडियो चैट आदि भी ठगी का कारण बन रही है।

उन्होंने बताया कि केवल द्वारका जोन से पिछले साल लगभग 54 करोड़ रूपये का साइबर क्राइम द्वारा ठगी हुई है और अभी तक लगभग 50 करोड़ से ज्यादा की ठगी हो चुकी है। टेलीग्राम और इंस्टाग्राम के माध्यम से सब से ज्यादा ठगी के मामले आ रहे है। सोसायटी के अध्यक्ष रवींद्र मालिक ने कहा की दिल्ली पुलिस द्वारा साइबर जानकारी उनके द्वारा दिया जाना बहुत ही सहारनीय कार्य है जिससे हम साइबर क्राइम से होने वाली ठगी से बच सकते है।

बिहार से 12 साल बाद पकड़ा गया अंतरराज्यीय ड्रग माफिया

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

● पुलिस से बचने के लिए वह अपना हुलिया और नंबर बदलता रहा

दिल्ली पुलिस की अपराध शाखा ने एनडीपीएस एक्ट मामले में घोषित अपराधी अंतरराज्यीय ड्रग माफिया रविंदर कुमार चौधरी को 12 साल बाद गिरफ्तार किया है।

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि 23 दिसंबर 2012 को अपराध शाखा ने बिहार के रहने वाले शंकर साहनी को 84 किलो 800 ग्राम गांजा के साथ पकड़ा था। उसकी निशानदेही पर दिलीप साहनी को भी गिरफ्तार किया था। दोनों से पूछताछ करने पर रविंद्र कुमार चौधरी नाम सामने आया था। रविंद्र कुमार से दोनों ने गांजा लिया था। आरोपी को पकड़ने के लिये कई शहरों में छापेमारी की गई। लेकिन उसका कुछ पता नहीं चल पाया था। हेड कांस्टेबल गौरव चौधरी की एक जानकारी पर आरोपी को एनएच 22 हाजीपुर, बिहार से पकड़ा। वह पुलिस से बचने के लिये अपना हुलिया, पता और मोबाइल नंबर बदलता रहता था। वह कई शहरों में गांजा सप्लाई कर रहा था। वह अपने सहयोगियों के माध्यम से दिल्ली में गांजा की आपूर्ति कर रहा था और दिल्ली में उनकी गिरफ्तारी के बाद वह भूमिगत हो गया था। वह खुद को मोबाइल फोन सप्लायर बताता है।

गुड़गांव से तीसरी बार जीतकर मंत्री बने राव

सत्ता के गलियारों में अहीरवाल के नेता राव इंद्रजीत की कभी नहीं होती अनदेखी, कांग्रेस में रहते हुए भी रहे मंत्री

संजय कुमार मेहरा। गुरुग्राम

रविवार को मंत्री पद (स्वतंत्र प्रभार) की शपथ लेते राव इंद्रजीत सिंह।

अहीरवाल की राजनीति से कद्दावर नेता राव इंद्रजीत सिंह का सत्ता के गलियारों में कोई राजनीतिक दल अनदेखी नहीं करता। चाहे वे कांग्रेस में रहे हों या अब भाजपा में हों, गुड़गांव लोकसभा से पार्टियों ने उन पर ही दांव खेला है। उन्होंने पार्टियों के विश्वास को यहां से चुनाव जीतकर सदा मजबूत किया है। इसी मजबूती ने उन्हें तीसरी बार केंद्र में मंत्री के पद तक पहुंचाया है। रविवार को उन्होंने नरेंद्र मोदी सरकार में तीसरी बार मंत्री पद की शपथ ली। इसी के साथ फरीदाबाद से भाजपा के टिकट पर चुनाव जीते कृष्णपाल गुर्जर को भी शपथ दिलाई गई।

राव इंद्रजीत सिंह के राजनीतिक सफर की बात करें तो वे वर्ष 1977 में जाटूसाना से अपने पिता की विशाल हरियाणा पार्टी (वीएचपी) से हरियाणा विधानसभा का पहला चुनाव जीता और विधायक बनें। उन्होंने जेएनपी के राय सिंह को 5299 मतों से हराया था। इसके बाद 1982 उन्होंने कांग्रेस प्रत्याशी के रूप में जाटूसाना से ही विधानसभा का दूसरा चुनाव लड़ा। इस चुनाव में वे 11,082 वोटों से जीते। 1986 में उन्हें हरियाणा सरकार में खाद्य और नागरिक आपूर्ति राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) बनाया गया। राव इंद्रजीत सिंह ने 1991 का विधानसभा चुनाव भी जीता। चौधरी बंसीलाल की हरियाणा विकास पार्टी से उम्मीदवार जगदीश याव को उन्होंने 15,223 वोटों से हराया। इस दौरान उन्हें हरियाणा सरकार में पर्यावरण, वन एवं चिकित्सा और तकनीकी शिक्षा मंत्री बनाया गया।

1998 से हुई लोकसभा चुनाव की शुरुआत: राव इंद्रजीत सिंह वर्ष 1998 में विधानसभा छोड़कर लोकसभा के क्षेत्र में आ गए। वे महेंद्रगढ़ लोकसभा सीट से 12वीं लोकसभा के चुनाव में सांसद चुने गए। उन्होंने भाजपा के राम सिंह को 68,139 मतों के अंतर से हराया। कारगिल युद्ध के दौरान भाजपा की लहर में 1999 में वे 13वां लोकसभा चुनाव वे भाजपा की प्रत्याशी सुधा यादव से हार गए। 2004 में महेंद्रगढ़ से ही उन्होंने 14वीं लोकसभा का चुनाव अपनी प्रतिद्वंद्वी भाजपा प्रत्याशी सुधा यादव को 210,341 मतों के अंतर से हराकर जीता। इसी तरह से 2009 में महेंद्र लोकसभा से गुड़गांव लोकसभा सीट बनीं। उन्होंने गुड़गांव से 15वीं लोकसभा का चुनाव लड़ा और बसपा के जाकिर हुसैन को हराकर जीत हासिल की। अप्रैल 2014 में राव इंद्रजीत सिंह कांग्रेस को अलविदा कहकर भारतीय जनता पार्टी में शामिल हो गए।

उस समय गुजरात के मुख्यमंत्री के बाद नरेंद्र मोदी प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार के रूप में केंद्र में आए। 16वीं लोकसभा के चुनाव में मोदी लहर में राव इंद्रजीत सिंह की जीत हुई। इस दौरान 27 मई 2014 से 8 नवंबर 2014 तक केंद्रीय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) योजना मंत्रालय, केंद्रीय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय और केंद्रीय राज्य मंत्री रक्षा मंत्रालय बनें।

फिर 9 नवंबर 2014 से 4 जुलाई 2016 तक केंद्रीय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) योजना मंत्रालय और रक्षा मंत्रालय केंद्रीय राज्य मंत्री में रहे। इसके बाद 5 जुलाई 2016 से 2 सितम्बर 2017 तक वे केंद्रीय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) योजना मंत्रालय, केंद्रीय राज्य मंत्री, शहरी विकास मंत्रालय और आवास और शहरी गरीबी उन्मूलन मंत्रालय रहे। तीन सितम्बर 2017 से मइ 2019 तक वे केंद्रीय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) योजना मंत्रालय और केंद्रीय राज्य मंत्री रसायन और उर्वरक मंत्रालय में रहे।

मई 2019 में 17वीं लोकसभा के चुनाव में वे दोबारा से भाजपा की टिकट पर चुनाव जीते। 31 मई 2019 से 6 जुलाई 2021 तक वे वे केंद्रीय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय और केंद्रीय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) योजना मंत्रालय रहे। 7 जुलाई 2021 से 2024 तक वे केंद्रीय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय, केंद्रीय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) योजना मंत्रालय और कॉर्पोरेट मामलों के मंत्रालय में केंद्रीय राज्य मंत्री रहे। राव इंद्रजीत सिंह 1990 से 2003 तक भारतीय शूटिंग टीम के सदस्य रहे। कॉमनवेल्थ शूटिंग चैम्पियनशिप में कांस्य पदक जीता।

पति से परेशान पल्लवी को दोस्त ने भी दी दगा, मौत के मुंह में धकेला

ब्यूटीशियन को गोली मारने के चारों आरोपी अदालत में पेश, पुलिस ने एक दिन के रिमांड पर लिया

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

ब्यूटीशियन को गोली मारने के आरोपी पुलिस गिरफ्त में।

द्वारका एक्सप्रेस-वे पर सेक्टर-102 में पेट्रोल पंप के पास स्कूटी पर जा रही ब्यूटीशियन को गोली मारने के दो आरोपियों सहित पुलिस ने चार लोगों को काबू करने के बाद रविवार को उन्हें अदालत में पेश किया। आरोपियों को पुलिस ने अदालत से एक दिन के रिमांड पर लिया है।

शुक्रवार की रात करीब 9 बजे सेक्टर-102 में रिद्धि-सिद्धि सोसायटी में रहने वाली ब्यूटीशियन पल्लवी शर्मा द्वारका एक्सप्रेस-वे से जा रही थी। तभी उसकी पीठ में गोली मारी गई। राजेंद्रा पार्क थाना में केस दर्ज होने के बाद अपराध शाखा पालम विहार के इंचार्ज निरीक्षक मनोज के नेतृत्व में आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए टीम बनाई गई। पुलिस ने 4 आरोपियों को घटना के 20 घण्टे के अंदर सेक्टर-14 से गिरफ्तार कर लिया। आरोपियों में एक वकील भी शामिल है। आरोपियों की पहचान नीतीश भारद्वाज निवासी विष्णु गार्डन गुरुग्राम, गुलशन ठाकुर निवासी गांव रत्नपुर जिला दरबंगा (बिहार) वर्तमान निवासी ज्योति पार्क गुरुग्राम, राजा निवासी छतरपुर मध्य-प्रदेश वर्तमान निवासी सरस्वती एनक्लेव गुरुग्राम व बंटी निवासी गांव चिल्ला, जिला नूंह वर्तमान निवासी नजदीक कुटिया मंदिर पटौदी चौक झुग्गी के रूप में हुई।

एक्सीडेंट करने की भी की कोशिश

नीतीश भारद्वाज ने पल्लवी शर्मा का एक्सीडेंट करने की भी कोशिश की, पर कामयाबी नहीं मिली। फिर नीतीश भारद्वाज की मुलाकात अपने एक अन्य साथी के माध्यम से आरोपी गुलशन से हुई। आरोपी गुलशन ने नीतीश भारद्वाज के कहने पर आरोपी राजा व बंटी को पल्लवी शर्मा की हत्या करने के लिए तैयार किया। हत्या करने के लिए आरोपी गुलशन में आरोपी राजा व बंटी को मोटरसाईकिल व हथियार उपलब्ध कराया। योजना के अनुसार 7 जून 2024 को आरोपी गुलशन एक गाड़ी (ईको) में तथा आरोपी राजा व बंटी एक मोटरसाईकिल पर सवार होकर आए।

इलाज के लिए आर्थिक सहायता लेने की प्रक्रिया हुई सरलः डीसी

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

आर्थिक सहायता के रूप में इलाज खर्च का 25 फीसद या एक लाख तक का मिलेगा लाभ

डीसी विक्रम सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री राहत कोष से इलाज के लिए आर्थिक सहायता लेने की प्रक्रिया सरल हो रही है। डीसी ने कहा कि जरूरतमंदों को आवेदन के 15 दिन में आर्थिक सहायता मिलेगी। आर्थिक सहायता के रूप में इलाज खर्च का 25 प्रतिशत अधिकतम एक लाख रुपये तक लाभ मिलेगा। इसके लिए आवेदक साल में केवल एक बार ही आर्थिक सहायता ले सकेंगे।

विक्रम सिंह ने बताया कि हरियाणा सरकार ने लोगों को बेहतरीन स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध करवाने की कड़ी में एक और कदम बढ़ाते हुए मुख्यमंत्री राहत कोष के तहत चिकित्सा आधार पर वित्तीय सहायता प्राप्त करने वालों को सरल पोर्टल पर सुविधा प्रदान की है। इससे यह प्रक्रिया और अधिक सरल एवं आसान हो गई है। उन्होंने आगे बताया कि अब आर्थिक सहायता के लिए प्रार्थी आवेदक सरल पोर्टल के माध्यम से सुविधा का लाभ प्राप्त कर सकते हैं। मुख्यमंत्री राहत कोष से मिलने वाली आर्थिक सहायता की राशि सीधे आवेदक या लाभार्थी के बैंक खाते में ट्रांसफर की जाएगी। डीसी ने बताया कि आवेदक अपनी पीपीपी यानी परिवार पहचान पत्र आईडी के माध्यम से सरल पोर्टल पर आवेदन कर सकते हैं। इस प्रक्रिया को पूर्ण करने के लिए आवेदकों को अपने चिकित्सा बिल, ओपीडी बिल अन्य संबंधित दस्तावेजों को अपलोड कर मुख्यमंत्री राहत कोष से चिकित्सा आधार पर वित्तीय सहायता के लिए आवेदन कर सकते हैं। डीसी विक्रम सिंह ने कहा कि योजना में किए गए बदलावों के तहत यदि कोई बीमारी आयुष्मान भारत, जन आरोग्य योजना में कवर नहीं हो रही है, तो आयुष्मान योजना के लाभार्थियों को भी इस योजना के तहत लाभ मिलेगा।

डीसी ने बताया कि आर्थिक सहायता के लिए जिला स्तरीय कमेटी का गठन किया गया है, जिसमें संबंधित एमपी, संबंधित एमएलए, उपायुक्त, सिविल सर्जन, नगर निगम, नगर परिषद व नगर पालिकाओं के अध्यक्ष, जिला परिषद के चेयरमैन, पंचायत समिति के चेयरमैन को सदस्य और नगराधीश को नोडल अधिकारी बनाया गया है। डीसी विक्रम सिंह ने आवेदन मंजूरी की पूरी प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि जैसे ही आवेदक आर्थिक सहायता प्राप्त करने के लिए पोर्टल पर अपना आवेदन डालेगा तुरंत आवेदन को संबंधित क्षेत्र के सांसद, विधायक, अध्यक्ष जिला परिषद, अध्यक्ष ब्लॉक समिति, मेयर/एमसी के अध्यक्ष के पास भेजा जाएगा।

क्षेत्र की जनता का सदैव आभारी रहूंगाः महेंद्र प्रताप

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

धन्यवाद जनसभा में लोगों को संबोधित करते कांग्रेस प्रत्याशी चौ महेन्द्र सिंह।

लोकसभा चुनावों में फरीदाबाद से भाजपा को चुनाव में कड़ी टक्कर देने वाले कांग्रेस प्रत्याशी चौ महेन्द्र प्रताप सिंह द्वारा गदपुरी में विशाल धन्यवाद जनसभा का आयोजन किया गया। इस मौके पर फरीदाबाद लोकसभा से कांग्रेस के लगभग सभी दिग्गज नेता शामिल हुये। कार्यक्रम का आयोजन कांग्रेस के नेता विजय प्रताप द्वारा किया गया।

धन्यवाद सभा में मुख्य रूप से पृथला विधानसभा से पूर्व विधायक चौधरी रघुवीर सिंह तेवतिया, पूर्व मंत्री चौधरी हर्ष कुमार,बल्लभगढ़ से पूर्व विधायक शारदा राठौर,एनआईटी से विधायक नीरज शर्मा ,पूर्व विधायक सुभाष चौधरी,हथीन से कांग्रेस नेता इज़राईल , वरिष्ठ कांग्रेसी नेता लखन सिंगला सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं कार्यकर्ताओं सहित काफी संख्या में लोग मौजूद रहे।

कार्यक्रम में मौजूद लोगों को सभी नेताओं ने संबोधित करते हुए कहा कि चौधरी महेंद्र प्रताप एक साफ़ छवि के निष्पक्ष और ईमानदार नेता है ।, इस चुनाव को जीतने वाले गुर्जर पर उन्होंने कटाक्ष करते हुए कहा कि इस चुनाव में भाजपा नेताओं ने धनबल, भय , सहित सारे हथकंडे अपनाये लेकिन जनता ने चौ महेंद्र प्रताप का चुनाव एक आंदोलन की तरह लड़ा । उन्होंने कहा कि चौधरी महेंद्र प्रताप की टिकट की घोषणा देर से होने के चलते केवल पंद्रह-बीस दिन ही मिलने के बाद भी सभी कार्यकर्ता और नेता एकजुट चुनाव लड़े और चौधरी महेंद्र प्रताप का मजबूती से साथ दिया।

धन्यवाद जनसभा को संबोधित करते हुए पलवल से विधायक रहे सुभाष चौधरी ने कहा कि इन चुनावों में सामने वाले प्रतिद्वंदी को पसीने आ गए।

संक्षिप्त समाचार

टेकचंद नन्द्राजोग का स्वागत करते कृष्णदत्त शर्मा व अन्य सदस्यगण।

टेकचंद बने श्री महावीर मंदिर सेवा समिति ट्रस्ट के प्रधान

फरीदाबाद। श्री महावीर मंदिर सेवा समिति ट्रस्ट महावीर नगर, ओल्ड फरीदाबाद की मासिक बैठक रविवार को आयोजित की गई, जिसमें ट्रस्ट के सभी सदस्यों अनिल गुप्ता महासचिव, सतपाल चौधरी, चरण सिंह सैनी - प्रधान आरडब्ल्यूए महावीर नगर ओल्ड फरीदाबाद, योगेश चावला जनरल सेक्रेटरी आरडब्ल्यूए, कृष्णदत्त शर्मा, अनिल वर्मा, किशन शर्मा, सोनू शर्मा, धर्मवीर चौधरी, कमल नन्द्राजोग, राजेश तनेजा, पं. शिवराम शर्मा, प्रेमवीर, पिंटू सैनी, धीरज वधवा, बोधराज, विक्की मल्होत्रा, पं. राजीव शास्त्री, प्रेमवीर सिंह व राजेश तनेजा आदि ने भाग लिया। इस दौरान मंदिर के निर्माण कार्यों की समीक्षा की। मंदिर के प्रधान मूलराज नन्द्राजोग का गत 19 मार्च को स्वर्गवास हो जाने से यह पद खाली था। इस पद को भरने के लिए मीटिंग में सदस्यों द्वारा मंदिर ट्रस्ट के नए प्रधान का सर्वसम्मति से चयन करते हुए टेकचंद नन्द्राजोग उर्फ टोनी पहलवान को श्री महावीर मंदिर सेवा समिति ट्रस्ट का नया प्रधान नियुक्त किया गया।

सुएं से डराकर लूट करने के 3 आरोपी गिरफ्तार

गुरुग्राम। बर्फ तोड़ने वाले सुए को दिखाकर लूट की वारदात को अंजाम देने के तीन आरोपी पुलिस के हत्थे चढ़े है। पुलिस ने उनके पास से वारदात को अंजाम देने में प्रयोग की गई एक स्कूटी, एक बर्फ तोडने का सुआ व लूटे गए 1700 रुपये बरामद किए हैं। पुलिस प्रवक्ता ने रविवार को बताया कि आरोपियों से पूछताछ की जा रही है, ताकि और भी वारदातों का खुलासा हो सके। पुलिस के अनुसार 7 जून को एक व्यक्ति ने थाना डीएलएफ फेज-5 में शिकायत दी। शिकायत में कहा कि 7 जून को वह अपनी मोटरसाईकिल पर अपने साथी के साथ सवार होकर दिल्ली से आया नगर पहाड़ी वाले रास्ते फरीदाबाद रोड से होते हुए गुरुग्राम आ रहा था। रात करीब साढ़े 12 बजे जब वे फेस-5 रेड लाईट के नजदीक पहुंचे तो वहां पर 3 युवक एक स्कूटी के साथ खड़े थे। उन्होंने रुकने का इशारा किया। तीनों उनकी बाईक के सामने आकर खड़े हो गए। उन व्यक्तियों में से एक व्यक्ति ने बाईक चला रहे दोस्त के पेट में बर्फ तोडने वाला सुआ लगा दिया और बाकी 2 ने उन्हें घेर लिया। फिर उन्होंने थप्पड़-घूंसे मारे और कहा तुम्हारे पास जितने रुपए हैं निकालकर दे दो। जब रुपए नहीं दिये तो उन्होंने उसके साथी व उसकी जेब से रुपए निकाल लिए और स्कूटी पर फरार हो गए।

डीसीपी ने यातायात नियमों के प्रति किया जागरूक

फरीदाबाद। पुलिस उपायुक्त यातायात ऊषा के नेतृत्व में रविवार को ट्रैफिक थाने में ऑटो चालकों के साथ मीटिंग की गई। जिसमें उन्हें यातायात पुलिस की ओर से निर्धारित वर्दी, यूनिक नंबर प्लेट लगाकर ऑटो चलाने व नशे का सेवन ना करके सुरक्षित ड्राइविंग करने के बारे में जागरूक किया है। इस मौके पर ट्रैफिक एसएचओ के साथ जॉन के सभी टी आई मौजूद रहे। डीसीपी ट्रैफिक ने बताया कि ट्रैफिक पुलिस थाने में यूनिकोड के लिए रजिस्ट्रेशन कराया गया है। यूनिकोड में ऑटो चालक मलिक के ऑटो का नंबर, ऑटो चालक का नाम, मोबाइल नंबर इत्यादि का डाटा इकट्ठा कर जारी किया जाएगा। यूनिक कोड की एक प्रति ऑटो के फ्रंट, बैक और ऑटो के अंदर लगी होगी। साथी फोटो के पीछे पुलिस हेल्पलाइन नंबर डायल 112 लिखा होगा। नियमों का उल्लंघन करने वाले ऑटो चालकों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि महिला यात्री अगर अपने आप को अनसेफ महसूस करती है तो ऑटो के यूनिकोड का फोटो डायल 112 की ऐप पर डाल सकती है।

'सरकार निराश्रित बच्चों को दे रही प्रति माह 1850 की मदद'

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

डीसी विक्रम सिंह ने कहा कि हरियाणा सरकार निराश्रित बच्चों प्रति माह 1850 की वित्तीय सहायता प्रदान कर रही है। डीसी ने कहा कि ऐसे लाभार्थी बच्चों की वित्तीय सहायता राशि के लिए सरकार द्वारा पैरामीटर निर्धारित किए गए हैं।

डीसी ने बताया कि जिला में 21 वर्ष तक की आयु के ऐसे बच्चे जो अपने माता-पिता की सहायता अथवा देखभाल से उनकी मृत्यु होने के कारण, अपने माता-पिता के घर से पिछले 2 वर्ष से अनुपस्थित होने के कारण अथवा माता-पिता के लम्बी सजा, जोकि एक वर्ष से कम न हो या मानसिक व शारीरिक अक्षमता के कारण वंचित हो जाते हैं और जिनके माता-पिता, अभिभावक की वार्षिक आय दो लाख से अधिक नहीं है। ऐसे बच्चे सामाजिक न्याय एवं सहकारिता विभाग द्वारा दी जा रही वित्तीय सहायता के पात्र हैं। उन्होंने बताया आगे कि सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग द्वारा एक परिवार में दो बच्चों तक 1850 प्रति माह प्रति बच्चा पेंशन प्रदान की जा रही है।

'पर्यावरण की स्वच्छता के लिए अधिक से अधिक पेड़ लगाएं'

रन फॉर ग्रीन मैराथन में निगमायुक्त ने ग्रीन, स्वच्छ एवं बेहतर गुरुग्राम बनाने का किया आह्वान

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

रन फॉर ग्रीन मैराथन के विजेताओं को सम्मानित करते नगर निगम आयुक्त।

नगर निगम आयुक्त डा. नरहरि सिंह बांगड़ ने नागरिकों से ग्रीन, स्वच्छ एवं बेहतर गुरुग्राम बनाने में सहयोग का आह्वान किया। प्रत्येक नागरिक मानसून के दौरान अधिक से अधिक पौधे लगाएं तथा उनका पालन-पोषण करें। यह ना केवल महत्वपूर्ण है, बल्कि समय की मांग भी है। वे रविवार को सेक्टर-102 में ज्ञानप्रभा फाउंडेशन द्वारा आयोजित रन फॉर ग्रीन मैराथन में बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि इस मैराथन के आयोजन के माध्यम से जागरूकता बढ़ाना ज्ञानप्रभा फाउंडेशन की सराहनीय पहल है। सुबह के समय इतनी बड़ी भीड़ देखकर वे वास्तविक में प्रभावित हुए हैं। उन्होंने कहा कि नगर निगम गुरुग्राम शहर में ऐसी पहल को बढ़ावा देने और समर्थन देने में अग्रणी रहेगा, जिसमें समाज को शामिल करने के लिए पर्यावरण उन्मुख गतिविधियों की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि अब समय आ गया है कि हम अधिक से अधिक पेड़ लगाएं, ताकि हमारा पर्यावरण स्वच्छ बने और हम अपनी आने वाली पीढ़ी के लिए एक बेहतर शहर का निर्माण करें। गुरुग्राम महानगर विकास प्राधिकरण के अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी सुभाष यादव ने सभी प्रतिभागियों की सराहना की।

स्वास्थ्य योजनाओं का लाभ आमजन तक पहुंचाना विभाग का उद्देश्यः यादव

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

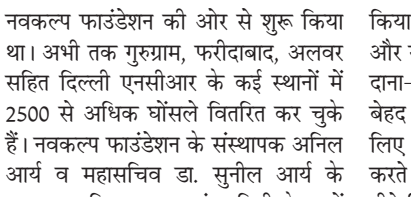
डेरावाल भवन में आयोजित स्वास्थ्य जांच शिविर का शुभारंभ करते अतिथि।

भारतीय पंजाबी युवा एकता मंच द्वारा आर्टेमिस अस्पताल के सहयोग से प्रताप नगर स्थित डेरावाल भवन परिसर में निशुल्क मल्टी स्पेशियलिटी विशाल स्वास्थ्य जांच शिविर लगाया गया, जिसमें 200 से अधिक लोगों ने स्वास्थ्य लाभ उठाया। शिविर का शुभारंभ जिले के मुख्य अतिथि मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा. वीरेन्द्र यादव व भारतीय पंजाबी युवा एकता मंच के चेयरमैन बोधराज सीकरी ने संयुक्त रुप से किया किया। उन्होंने शिविर का निरीक्षण भी किया। इस मौके पर डिप्टी सिविल सर्जन डा. अनुज गर्ग मौजूद रहे।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा. वीरेन्द्र यादव ने कहा कि स्वास्थ्य विभाग का उद्देश्य सरकार की अपेक्षाओं के अनुरुप स्वास्थ्य के क्षेत्र में आमजन तक योजनाओं का लाभ पहुंचाकर लोगों को लाभान्वित करना है। स्वास्थ्य सुविधाओं में किसी प्रकार की समस्याएं उत्पन्न होती हैं तो उनके समाधान के लिए स्वास्थ्य विभाग प्रयासरत है।

क्षेत्र में न हो बिजली की किल्लतः राजेश नागर

तिगांव के विधायक ने बिजली अधिकारियों को बैठक में दिए कड़े निर्देश

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

बिजली निगम के अधिकारियों के साथ बैठक करते तिगांव विधायक राजेश नागर।

गर्मियों में बिजली की बढ़ी मांग को देखते हुए तिगांव क्षेत्र के विधायक राजेश नागर ने अपने निवास पर बिजली अधिकारियों के साथ बैठक की। उन्होंने अधिकारियों से स्पष्ट कहा कि वह सतर्क रहें और बिजली की किसी भी प्रकार की किल्लत लोगों को न हो।

उन्होंने कहा कि गर्मी अभी चरम पर हैं। इस सप्ताह में और भी भीषण गर्मी होने की आशंका देखी जा रही है। इससे बिजली की मांग में और भी इजाफा होने की उम्मीद है। इससे बिजली संसाधन पर लोड बढने पर दिल्लतें आएंगी। ऐसे में होने वाले फॉल्ट तुरंत प्रभाव से सही किए जाएं, ताकि लोगों को बिजली की किसी तरह की कोई परेशानी न रहे। इसमें किसी प्रकार की कोई ढिलाई न दी जाए। नागर ने कहा कि हमारे पास बिजली की भरपूर उपलब्धता है। बिजली सरप्लस है।

अब तक 2500 घोंसले लगा चुकी है 'नवकल्प'

संस्था के प्रयासों से नारियल, जूट, बांस, मिट्टी के दाना-पानी घोंसलों में पछियों का जीवन हो रहा सुरक्षित

संजय कुमार मेहरा। गुरुग्राम

गुरुग्राम में अलग-अलग स्थानों पर पक्षियों के लिए घोंसले लगाती नवकल्प की टीम।

पछियों, वन्य प्राणियों के बिना हम प्राणियों का जीवन संकट में आ सकता है। ऐसे में इनका संरक्षण भी बहुत जरूरी है। इसके लिए वर्ष 2020 से संकल्प लेकर काम कर रही नवकल्प फाउंडेशन ने अब तक 2500 से अधिक दाना-पानी घोंसले पेड़-पौधों, पार्कों, बालकॉनी में लगाकर पछियों का जीवन सुरक्षित किया है।

वर्ष 2020 से पंछियों के लिए दाना-पानी नेस्ट लगाने/वितरण करने का अभियान नवकल्प फाउंडेशन की ओर से शुरू किया था। अभी तक गुरुग्राम, फरीदाबाद, अलवर सहित दिल्ली एनसीआर के कई स्थानों में 2500 से अधिक घोंसले वितरित कर चुके हैं। नवकल्प फाउंडेशन के संस्थापक अनिल आर्य व महासचिव डा. सुनील आर्य के अनुसार नारियल, जूट, बांस, मिट्टी के पात्रों से बने इन घोंसलों को इस तरह से डिजायन किया गया है कि पंछियों को पानी, दाना और रहने में आसानी हो और एक साथ उन्हें दाना-पानी मिल जाए। उन्होंने कहा कि हमें बेहद संतोष है कि इस अभियान से जुड़ने के लिए हर साल अनेक प्रकृति प्रेमी संपर्क करते हैं। इन घोंसलों में दाना चुगने, पानी पीने गिलहरी, कबूतर, चिड़िया व अन्य पंछी भी आते हैं।

भगवान जगन्नाथ की धरती से मिलती है एकता, अखंडता की प्रेरणाः डा. गोयल

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

कलिंग महोत्सव की तैयारियों को लेकर श्री माधव सेवा केंद्र में बैठक में बोलते डा. डी.पी. गोयल।

उड़ीसा के लोगों की कलिंगा भारती फाउंडेशन के बैनर तले होने जा रहे छठे रज महोत्सव एवं राष्ट्रीय लोक नृत्य महोत्सव को लेकर रविवार को बैठक आयोजित की गई। श्री माधव सेवा केंद्र में हुई बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में रेलवे सलाहकार समिति सदस्य एवं कैनविन फाउंडेशन के संस्थापक डा. डीपी गोयल ने शिरकत की।

यहां पहुंचे ओड़िसा के लोगों का स्वागत करते हुए डा. डी.पी. गोयल ने कहा कि भगवान जगन्नाथ की धरती के सभी ओड़िसा वासियों का मां शीतला की धरती पर स्वागत है। हम सब एकता में अनेकता के परिचायक हैं। हम संस्कृतियों को परस्पर परिचित कराने वाले हैं। उन्होंने 15 व 16 जून को होने वाले उड़ीसा के प्रसिद्ध पर्व रज महोत्सव एवं राष्ट्रीय लोक नृत्य महोत्सव की सभी को शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर कलिंग भारती फाउंडेशन की ओर से प्रमुख सदस्य संजय दास, सुधांशु पाढ़ी, सलिल दाश, संतोष राउत, अनिल जेना, रबी नारायण साहू, निरंजन त्रिपाठी, संग्राम पाणिग्रही, जजाति पाल, बिष्णुप्रिया साहू, तनुश्री परिदा, जयश्री दाश, मोनालिशा पाढ़ी, निरुपमा पाल, श्रीमंत बिस्वाल, देवप्रिय, देबाशीष, निरज साहू समेत अनेक लोग मौजूद रहे।

हरियाणा में बिजली-पानी संकट गहराया

● लोगों की मांग पर टैंकरों से मुफ्त पानी सप्लाई करेगी सरकार

● बिजली खरीद के लिए कई राज्यों से की बातचीत

शिखा शर्मा। चंडीगढ़

चिलचिलाती धूप में अपने बच्चे के साथ पानी के लिए लाइन में लगी महिला।

हरियाणा में हीट वेव के कारण बिजली व पानी का संकट गहरा गया है। पिछले दस दिनों से प्रदेश में बिजली व पानी की मांग में भारी वृद्धि हुई है। यही नहीं हीट वेव के कारण बिजली व पानी आपूर्ति सिस्टम में भी दिक्कतें बढ़ रही हैं। जिसके चलते सरकार ने अतिरिक्त बिजली खरीद करने तथा लोगों को मांग अनुसार टैंकरों से पानी सप्लाई करना शुरू कर दिया है।

हरियाणा के मुख्य सचिव टीवीएसएन प्रसाद ने रविवार को प्रदेश भर के जिला उपायुक्तों के साथ आपात बैठक करने के बाद चंडीगढ़ में पत्रकारों से बातचीत में बताया कि हीट वेव के कारण पानी व बिजली की समस्या आ रही है। उन्होंने बताया कि पानी की समस्या का समाधान करने के लिए सभी जिलों में टैंकर चालकों को इंपैनल कर दिया गया है। जिसके चलते जनस्वास्थ्य विभाग के माध्यम से टैंकरों से मुफ्त पानी सप्लाई शुरू कर दी गई है। उन्होंने बताया कि प्रदेश के सभी जिला उपायुक्तों को निर्देश दिए गए हैं कि लोगों की मांग के अनुसार क्षेत्र वार टैंकरों से सप्लाई की जाए। जिन जिलों में टैंकरों की कमी है वहां दूसरे जिलों से टैंकर भेजे जा रहे हैं। इसके लिए जनस्वास्थ्य विभाग की पोर्टल पर खोल दी गई है। लोग अपनी मांग यहां पर दर्ज करवा सकते हैं। बिजली के मुद्दे पर प्रसाद ने बताया कि हीट वेव के कारण बिजली की प्रदेश में 1500 मैगावाट अतिरिक्त खप्त हो रही है। उन्होंने बताया कि इस समय औसतन 14 से 15 हजार मैगावाट बिजली की सप्लाई की जा रही है।

कुरुक्षेत्र का तापमान 45 डिग्री के पार जाने का अनुमान

कुरुक्षेत्र। गर्मी के चलते तापमान कुछ कम होने के बाद फिर से बढ़ने लगा है। मौसम विशेषज्ञों के अनुसार पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होने के कारण कुछ दिनों की राहत के बाद एक बार फिर से हरियाणा में भीषण गर्मी की शुरूआत हो गई है। कृषि वैज्ञानिक डा. सीबी सिंह ने बताया कि मौसम विभाग से मिली जानकारी के अनुसार कुरुक्षेत्र तथा आसपास के क्षेत्रों का तापमान आने वाले सप्ताह में 45 से 46 डिग्री के पार जा सकता है। हरियाणा के अन्य क्षेत्रों में भी तापमान 45 डिग्री के पार पहुंचने का अनुमान लगाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि हरियाणा में गर्मी 20 साल से भी ज्यादा का रिकॉर्ड तोड़ चुकी है।

हिमाचल के सप्लाई प्वांइट पर तैनात होंगे प्रदेश के कर्मचारी

पायनियर समाचार सेवा। चंडीगढ़

● दोनों राज्यों के मुख्य सचिवों ने बनाई संयुक्त रणनीति

सुप्रीम कोर्ट द्वारा दिल्ली में जलापूर्ति के मामले में हरियाणा व हिमाचल को निर्देश जारी किए जाने के बाद हरियाणा व हिमाचल के मुख्य सचिवों ने बैठक के बाद संयुक्त रणनीति बनाई है। जिसके तहत हिमाचल से जलापूर्ति किए जाने वाले सभी प्वाइंटों पर हरियाणा के कर्मचारियों को तैनात किया जाएगा।

दिल्ली में पिछले दिनों से चल रहे जल विवाद पर सुप्रीम कोर्ट ने हिमाचल सरकार को यह निर्देश दिए हैं कि हिमाचल सरकार दिल्ली को 137 क्यूसेक अतिरिक्त पानी दे। सुप्रीम कोर्ट ने हरियाणा को यह निर्देश दिए हैं कि हरियाणा यह सुनिश्चित करेगा कि हिमाचल की तरफ से छोड़ा गया पानी दिल्ली को सुचारू रूप से मिले। हरियाणा के मुख्य सचिव टीवीएसएन प्रसाद ने रविवार को चंडीगढ़ में पत्रकारों से बातचीत में बताया कि हिमाचल के मुख्य सचिव के साथ वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से बैठक हो गई है। जिसमें यह फैसला लिया गया है कि दोनों विभागों के सिंचाई विभाग के आला अधिकारियों की संयुक्त कमेटी बनाई जाए। हिमाचल की तरफ से हरियाणा को लिखित में यह जानकारी दी जाएगी कि हिमाचल की तरफ से किस-किस प्वांइट पर पानी छोड़ा जाएगा। हिमाचल की तरफ से जहां पानी छोड़ा जाएगा वहां पर हिमाचल व हरियाणा के कर्मचारी तैनात होंगे। हरियाणा के कर्मचारी हिमाचल की तरफ से आने वाले पानी को मापेंगे। इसके बाद दिल्ली में पानी के एंट्री प्वांइट पर भी दिल्ली सरकार के कर्मचारी रहेंगे जो पानी के दबाव की जांच करके अपनी स्वीकृति देंगे। हरियाणा के जिन-जिन रास्तों से होकर पानी दिल्ली में जाएगा वहां पर एसडीओ स्तर के अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि वह नियमित गश्त करें ताकि दिल्ली को जल आपूर्ति में बाधा न आए। यह सारी जानकारी अगली सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट में दी जाएगी। राजस्थान को दिए जाने वाले पानी के मुद्दे पर मुख्य सचिव ने कहा कि राजस्थान के साथ जो एमओयू हुआ है उसमें साफ है कि हरियाणा केवल अपना सरप्लस पानी ही राजस्थान को देगा।

गरीबों को प्लॉट देगी सरकार: सैनी

● आज सोनीपत से शुरू होगी योजना

● सात हजार आवेदकों को मिलेंगे पजेशन लेटर व रजिस्ट्री

पायनियर समाचार सेवा। चंडीगढ़

चंडीगढ़ में संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी।

हरियाणा सरकार मुख्यमंत्री आवास योजना के तहत प्रदेश में बीपीएल श्रेणी के बीस हजार परिवारों को सौ-सौ गज के प्लाट देने जा रही है। सोमवार को हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी सोनीपत से लाभार्थियों को सौ-सौ गज जमीन के पोजेशन लैटर तथा रजिस्ट्री देकर योजना की शुरूआत करेंगे। सोमवार को प्रदेश भर में आयोजित होने वाले कार्यक्रमों के तहत सात हजार से अधिक आवेदकों को एक ही दिन में इन प्लाटों के मालिकाना हक दिए जाएंगे।

रविवार को चंडीगढ़ में पत्रकारों से बातचीत में मुख्यमंत्री नायब सैनी ने कहा कि कांग्रेस के समय में महात्मा गांधी ग्रामीण बस्ती योजना के तहत दलितों, पिछड़ो व गरीबों को सौ-सौ गज के प्लाट देने के नाम पर गुमराह किया गया था।

आज तक आवेदकों को न तो जमीनों की रजिस्ट्री मिली है न ही उनके पास पोजेशन लैटर हैं। सैनी ने कहा कि मुख्यमंत्री आवास योजना के तहत पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने जरूरतमंदों को प्लाट देने का ऐलान किया था। इसके लिए बजट में भी प्रावधान किया गया है।

उन्होंने कहा कि दस जून को प्रदेश के 7500 से अधिक बीपीएल लाभार्थियों को 100- 100 गज के प्लाटों का कब्जा प्रमाण पत्र प्रदान करेगी। कब्जा देकर इन प्लाटों की रजिस्ट्री भी मौके पर ही करवाई जाएगी। साथ ही, प्रदेशभर में जिला स्तरीय कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे, जहां मंत्रीगण और विधायकगण पात्र लोगों को प्लॉट का कब्जा प्रमाण पत्र देंगे।

सैनी ने बताया कि मुख्यमंत्री ग्रामीण आवास योजना के तहत ऐसे लगभग 20,000 से अधिक लाभार्थियों को भूखंडों का कब्जा दिया जाएगा। इसके अलावा, शेष 12500 लाभार्थियों को सरकार मुख्यमंत्री ग्रामीण आवास योजना के अन्तर्गत परिवार को भूखंड खरीदने के लिए एक-एक लाख रुपये तक की राशि देगी।

उन्होंने बताया कि राज्य सरकार सर्वे के माध्यम से नए पात्र लोगों को चिन्हित कर रही है। ऐसे लाभार्थियों के लिए भी सरकार जल्द ही एक पोर्टल खोलेगी, जिस पर ये लोग मकान के लिए आवेदन कर सकेंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस ने महात्मा गांधी जी के नाम पर योजना तो चलाई लेकिन उसे अमलीजामा नहीं पहनाया। महात्मा गांधी की विरासत का ढिंढोरा पीटने वाली कांग्रेस सरकार ने योजना बनाकर गरीब लोगों को अधर में छोड़ दिया। नायब सिंह ने कहा कि पिछले 10 वर्षों के दौरान हरियाणा में प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत 14,939 मकान बनाकर गरीब लोगों को दिए गए हैं। योजना के तहत लगभग 552 करोड़ रुपए की राशि खर्च की गई है।

एमबीए प्रोग्राम में दाखिले के लिए 15 तक करें आवेदन

कुरुक्षेत्र। कुरुक्षेत्र विवि के यूनिवर्सिटी स्कूल ऑफ मैनेजमेंट में शैक्षणिक सत्र 2024-26 के लिए 180 सीटों (बजट के तहत 120 सीट और सेल्फ फाइनेंसिंग योजना के तहत 60 सीट) के साथ दो वर्षीय एमबीए प्रोग्राम में दाखिले के लिए ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया जारी है। एमबीए कार्यक्रम के महत्व के बारे में जानकारी देते हुए यूएसएम के कार्यवाहक अध्यक्ष प्रोफेसर सुशील शर्मा ने बताया कि इस अत्याधुनिक एमबीए प्रोग्राम के लिए आवेदन करने की अंतिम तिथि 15 जून, 2024 है। इच्छुक उम्मीदवार केयू के आईयूएमएस पोर्टल पर जाकर दाखिले के लिए ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं।

फर्जी सीआईए स्टाफ बताकर की मारपीट व लूटपाट के बाद किया अपहरण का प्रयास

पायनियर समाचार सेवा। पलवल

-नेशनल हाईवे-19 पर फर्जी सीआईए स्टाफ की टीम ने जबरन गाड़ी रुकवाने व विरोध करने पर अवैध हथियार के बल पर मारपीट की व लूटपाट के बाद पीड़ित का अपहरण करने का प्रयास किया। पीड़ित जब आरोपियों से छूटकर भागने लगा तो उसे जान से मारने की नियत से गोली चला दी। मुंडकटी थाना पुलिस ने शिकायत पर मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है।

मुंडकटी थाना प्रभारी सुंदरपाल के अनुसार, जिला मथुरा (यूपी) के हुसैनी गांव निवासी विश्रपेंद्र ने दी शिकायत में कहा है कि वह रात्रि करीब नौ बजे अपने गांव से अपनी रिस्तेदारी बहरौला गांव आ रहा था। इसी दौरान सामने से एक स्विफ्ट कार आई और उसकी गाड़ी के आगे लगाकर उसे रुकवा लिया। गाड़ी रुकते ही वहां मौके पर स्कूटी पर सवार होकर दो लड़के और आ गए। उन्होंने आते ही पीड़ित के ऊपर पिस्तौल तान दी और उसे कार से नीचे उतार लिया।

उन्होंने कहा कि हम सीआईए स्टाफ से हैं, तुम्हारी कार की तलाशी लेनी है। जिसके बाद उन्होंने तलाशी लेने के बहाने उसकी जेब से 70 हजार रुपए लूट लिये और मारपीट कर जबरन अपनी कार में डालकर ले जाने लगे। पीड़ित जब उनसे छूट कर भागने लगा तो उन्होंने गोली चला दी। पीड़ित का कहना है कि आरोपियों में मितरोल गांव निवासी नरेश, भगतू, महेश, हर्ष व सागर, छन्जूनगर गांव निवासी बिल्लू व पालेंद्र शामिल थे।

प्रॉपर्टी आईडी का विवाद सुलझाएगी नायब सरकार

● पांच विवादों के समाधान को आज से प्रदेश भर में लगेंगे कैंप

● जिलों में उपायुक्त व तहसीलों में एसडीएम करेंगे निगरानी

इन समस्याओं का होगा समाधान
- प्रापर्टी आईडी की खामियां
- परिवार पहचान पत्र की खामियां
- पेंशन संबंधी त्रुटियां
- राशन कार्ड की खामियां
- संपत्ति रजिस्ट्री की खामियां

पायनियर समाचार सेवा। चंडीगढ़

लोकसभा चुनाव के दौरान हार का कारण बने मुद्दों को सुलझाने के लिए सरकार आगे आ गई है। अब प्रदेश के सभी जिलों में रोजाना दो घंटे के लिए प्रापर्टी आईडी व परिवार पहचान पत्रों की खामियों को दूर करने के लिए शिविर लगाए जाएंगे। जिसकी निगरानी खुद मुख्यमंत्री नायब सैनी करेंगे। यह शिविर प्रदेश के सभी जिलों तथा सभी उपमंडलों में लगाए जाएंगे।

हरियाणा में लोकसभा चुनाव के दौरान भाजपा को पांच सीटों पर हार का सामना करना पड़ा है। हार के कारणों का मंथन करते हुए जो निकल कर आई है उसमें प्रापर्टी आईडी बहुत बड़ा विषय रहा है। शहरी क्षेत्र के मतदाता चुनाव के दौरान प्रापर्टी आईडी की खामियों को दूर करवाने के लिए सरकारी दफ्तरों में परेशान होते रहे किसी ने उनकी सुनवाई नहीं की। जनता ने कर्मचारियों व अधिकारियों की गलती का गुस्सा भाजपा पर उतारा और शहरी मतदाता भाजपा से दूर हो गया। छह जून से मुख्यमंत्री नायब सैनी तथा पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल लगातार इसका रिव्यू कर रहे हैं। रिव्यू के दौरान यह बात सामने आई है कि शहरों में भाजपा की हार का सबसे बड़ा कारण प्रापर्टी आईडी, पीपीपी की खामियां बना है।

अब मुख्यमंत्री नायब सैनी ने रविवार को प्रदेश के सभी जिला उपायुक्तों को निर्देश जारी किए हैं कि वह सोमवार से जिला सचिवालय में रोजाना दो घंटे इस काम के लिए दें। जिला स्तर पर उपायुक्त इस कार्य की निगरानी करेंगे। चंडीगढ़ सचिवालय में मुख्य सचिव की निगरानी में समाधान प्रकोष्ठ बनाया गया है। जिसकी निगरानी आईएएस प्रियंका सोनी करेंगी।

जहां रोजाना शाम पांच बजे प्रत्येक जिले की रिपोर्ट आएगी। जिसमें उपायुक्त द्वारा यह बताया जाएगा कि आज उसके जिले में कितने शिकायतें आई और कितनी का समाधान किया गया तथा जो पेंडिंग हैं उनका क्या कारण है। इसके बाद मुख्य सचिव रोजाना मुख्यमंत्री को जिला वार अपडेट देंगे।

कार्यकर्ताओं की मेहनत की बदौलत मिली जीत: नवीन जिन्दल

● भाजपा सांसद बोले, पिछले कार्यकाल के मुकाबले इस बार 10 गुना काम करके दिखाएंगे

सौरभ चौधरी। पिहोवा/कुरुक्षेत्र

सीता धर्मशाला में आयोजित एक कार्यक्रम में जनता का आभार जताते नवनिर्वाचित भाजपा सांसद नवीन जिन्दल।

कुरुक्षेत्र संसदीय क्षेत्र से तीसरी बार सांसद बने भाजपा के वरिष्ठ नेता नवीन जिन्दल ने रविवार को कहा कि वे लोगों की सेवा के उद्देश्य से राजनीति में आए हैं। उन्होंने कहा पिहोवा के लोगों का जोश सबसे अलग है। वे जिस तरह से स्वागत करते हैं, उससे जनसेवा का उत्साह और बढ़ जाता है। लोकसभा चुनाव में कार्यकर्ताओं की मेहनत के कारण ही उन्हें जीत मिली। भाजपा के शीर्ष नेतृत्व और कार्यकर्ताओं का दिल की गहराइयों से धन्यवाद करते हुए उन्होंने कहा कि वे पिछले कार्यकाल के मुकाबले 10 गुना अधिक काम करके दिखाएंगे।

यहां सीता धर्मशाला में आयोजित एक कार्यक्रम में नवीन जिन्दल ने कहा कि उन्हें पिहोवा के लोगों ने बहुत समर्थन दिया। कुरुक्षेत्र संसदीय क्षेत्र की सेवा का एक बार फिर जो मौका मिला है, उसके लिए वे जनता जनार्दन के बहुत आभारी हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, भाजपा अध्यक्ष जे.पी. नड्डा, मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल समेत भाजपा के शीर्ष नेतृत्व का आभार जताया, जिनके आशीर्वाद से उन्हें कुरुक्षेत्र की जनता की एक बार फिर सेवा करने का अवसर मिला। जिन्दल ने राज्यमंत्री सुभाष सुधा और पूर्व मंत्री सरदार संदीप सिंह समेत सभी भाजपा नेता और कार्यकर्ताओं का भी आभार जताया। उन्होंने कहा कि भाजपा कार्यकर्ताओं ने दिन-रात एक करके हमें कामयाब किया, हम उनके आभारी हैं। वस्तुत: यह जीत देवतुल्य कार्यकर्ताओं की मेहनत के कारण संभव हुई। उन्होंने कहा कि हमें चार महीने बाद विधानसभा चुनाव भी जीतना है। जहां हम हारे, वहां जाकर पूछेंगे कि क्या कमियां रहीं, उनके लिए काम करेंगे। उनका दिल जीतेंगे। हम काम में कोई भेदभाव नहीं करेंगे। जिन्होंने वोट नहीं दिया, उनके लिए भी काम करेंगे ताकि उन्हें महसूस हो कि हमने फर्क नहीं किया।

जिन्दल ने कहा कि हम सभी सरकारी स्कीमों को धरातल तक पहुंचाएंगे और अपने गांवों को विकसित बनाएंगे। हमारी सरकार मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में बहुत बढ़िया काम कर रही है। 1 लाख से कम वार्षिक आमदनी वाले लोगों को हैप्पी कार्ड बांटे जा रहे हैं।

नवजात को ज्वार के खेत में छोड़कर महिला फरार

पलवल। कलयुगी मां ने अपने बच्चे को पैदा करके अपनी नाजायज हरकत को छुपाने के लिए बच्चे को गुप्त तौर पर मृत अवस्था में ज्वार के खेत में डाल दिया। बहीन थाना पुलिस ने नवजात को बरामद कर अज्ञात महिला के खिलाफ विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज कर तलाश शुरू कर दी है। बहीन थाना प्रभारी रेणु शेखावत के अनुसार, नांगलजाट गांव निवासी सतपाल ने दिए बयान में कहा है कि वह खेती बाडी का काम करता है। वह सुबह करीब आठ बजे अपने खेतों पर घुमने के लिए जा रहा था। उसी दौरान रास्ते में शेर सिंह के ज्वार के खेत के पास किसी अज्ञात औरत ने अपने बच्चे को पैदा करके अपनी नाजायज को छुपाने के लिए बच्चे को गुप्त तोर पर मृत अवस्था में डालकर गई है। अज्ञात और का पता लगाकर उसके खिलाफ उचित कार्रवाई की जाए। पुलिस ने सतपाल की शिकायत पर अज्ञात औरत के खिलाफ विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज कर बच्चे के शव को कब्जे में ले लिया। पुलिस का कहना है कि बच्चे को जन्म देकर इस तरह फैंकने वाली अज्ञात मां की तलाश की जा रही है।

पानी का दुरुपयोग किया तो घर होगा सील

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

पीने के पानी का दुरुपयोग करने वालों पर जुर्माना लगाती नगर निगम की टीम।

अगर आप भी पीने के पानी से अपनी गाड़ी या आंगन धोते हैं, तो सावधान हो जाएं। नगर निगम गुरुग्राम ऐसा करने वालों पर जुर्माना लगा रहा है। बार-बार पानी का दुरुपयोग करते पाए जाने पर आपका पानी कनेक्शन काटने के साथ ही भवन को सील करने की भी कार्रवाई की जा सकती है। रविवार को ऐसे लोगों पर जुर्माना लगाने का काम किया गया।

निगम की टीमों ने सुबह के समय एक साथ कई क्षेत्रों का निरीक्षण किया। पीने के पानी का दुरुपयोग करने वाले एक दर्जन से अधिक उल्लंघनकर्ताओं के चालान करते हुए उन पर 2000 रुपये तक का जुर्माना लगाया। पानी का दुरुपयोग करने वालों के विरुद्ध आगे भी अभियान जारी रहेगा। कुछ लोगों द्वारा पानी का दुरुपयोग करने के कारण सभी लोगों तक पानी नहीं पहुंच पाता, जिससे उन्हें परेशानी का सामना करना पड़ता है। नगर निगम गुरुग्राम अंतिम छोर तक पानी पहुंचाने की दिशा में गंभीरता से कार्य कर रहा है तथा जिन स्थानों पर पेयजल आपूर्ति किसी कारणवश बाधित होती है, वहां टैंकरों के माध्यम से पानी पहुंचाया जा रहा है। इसके लिए वार्ड वाईज कनिष्ठ अभियंताओं व सुपरवाईजरों को जिम्मेदारियां सौंपी हुई हैं तथा उनके मोबाइल नंबर आमजन को विभिन्न माध्यमों से उपलब्ध करवाए हुए हैं।

नगर निगम गुरुग्राम के आयुक्त डा. नरहरि सिंह बांगड़ ने कहा कि कोई भी नागरिक पेयजल का दुरुपयोग ना करे, बल्कि पानी बचाव के उपाय अपनाए।

वाट्सएप के माध्यम से भेजें शिकायत

निगमायुक्त ने कहा कि नागरिक पेयजल व सीवरेज से संबंधित शिकायत के लिए वाट्सएप हेल्पलाईन नंबर 7840001817 पर शिकायत भेजें। भेजी गई शिकायत का त्वरित समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश अधिकारियों को दिए गए हैं। इसके साथ ही इस हेल्पलाईन नंबर पर पेयजल का दुरुपयोग करने वालों की सूचना भी फोटोग्राम, पते तथा लोकेशन सहित भेजें, ताकि ऐसा करने वालों के विरुद्ध कार्रवाई की जा सके। उन्होंने नागरिकों से आह्वान किया कि वे पानी को व्यर्थ ना करें, बल्कि इसका बचाव करें।

महाराष्ट्र की सारा हाशमी को मिला बेस्ट 'सेल्फी विद डॉटर' पुरस्कार

● छत्तीसगढ़ की अनुकृति दूसरे व दिल्ली की शिवालिका तीसरे स्थान पर रही

पायनियर समाचार सेवा। चंडीगढ़

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा अपने नौ साल के कार्यकाल के दौरान राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय मंचों पर नौ बार प्रचारित किए जा चुके सेल्फी विद डॉटर अभियान के उपलक्ष्य में आयोजित नौवें सेल्फी विद डॉटर दिवस पर नागपुर महाराष्ट्र की सारा हाशमी को बेस्ट सेल्फी अवार्ड दिया गया।

ऑनलाइन कार्यक्रम में भारत, कनाडा व नेपाल से जुड़े प्रतिभागियों का फाउंडेशन के संस्थापक सुनील जागलान ने स्वागत किया।

यूनाइटेड नेशन की इंडिया कंट्री हेड कांता सिंह ने कहा कि सेल्फी विद डॉटर अभियान से भारत की लडकीयों के सम्मान व पहचान में बहुत बड़ा बदलाव आया है क्वॉलिटी काउंसिल ऑफ़ इंडिया के चेयरमैन अक्षय शाह हने कहा कि सेल्फी विद डॉटर अभियान से पूरे देश में बेटियों के प्रति जागरूकता आई है। क्वालिटी काउंसिल ऑफ इंडिया की तरफ से जक्षय शाह ने प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान की सेल्फ़ी विद डॉटर को 31000, 21000, 11000 रुपए पुरस्कार के रूप में दिए तथा पंचायत को भी 21000 रूपए ईनामी राशि दी। कार्यक्रम के दौरान नेपाल से जुडे सेल्फी विद डॉटर टीम के सदस्य बिक्म श्रेष्ठा व कल्पना श्रेष्ठा ने कहा कि नेपाल का सबसे पंसदीदा अभियान बना है सेल्फी विद डॉटर और इससे यहाँ लोगों की सोच में बेटियों के लिए सकारात्मक बदलाव आए हैं । इस अवसर कनाडा से भारतीय मूल की लीला अहीर ने सेल्फी विद डॉटर को बहुत प्यारा अभियान बताया जिसे लोग आसानी से अपना लेते हैं ।

ननासा को पंचायत अवार्ड: मध्यप्रदेश की ननासा पंचायत को इस साल का बेस्ट सेल्फी विद डॉटर पंचायत अवार्ड दिया गया है। जिसके तहत पंचायत को 21 हजार रुपये नगद तथा प्रशस्ति पत्र दिया गया है। सुनील जागलान ने बताया कि देश के प्रसिद्ध बीबीपुर मॉडल ऑफ वीमेन इंपावरमेंट एंड विलेज डिवेल्पमेंट को ग्राम पंचायत में लागू किया गया है। इस पंचायत ने हर घर से सेल्फी अपलोड करवाने के लिए हर महीने की पांच तारीख को महिला सभा का आयोजन करने तथा पंचायत का 50 प्रतिशत बजट महिला सभा द्वारा लिए गए निर्णयों पर खर्च करने, महिला सुरक्षा हेतु पूरे गांव में सीसीटीवी कैमरे लगाने की एवज में यह सम्मान दिया गया है।

छत्तीसगढ़ की अनुकृति सेल्फी विद डॉटर अभियान को रायपुर जिले के उन दुर्गम क्षेत्रों तक पहुंचाते हुए लोगों की सोच में बेटियों के प्रति बदलाव पैदा किया है। अनुकृति इस अभियान के माध्यम से छत्तीसगढ़ राज्य में लोगों को इस बात के लिए प्रेरित कर रही हैं कि वह घरों में मां व बहन की गाली न दें। सेल्फी विद डॉटर फाउंडेशन ने अनुकृति को 21 हजार रुपये नगद तथा प्रशस्ति पत्र देते हुए सम्मानित किया है।

तीसरा पुरस्कार दिल्ली की शिवालिका पांडेय को दिया गया। शिवालिका ने लड़कियों की शादी की उम्र 18 साल से बढ़ाकर 21 साल करने के लिए जागरूकता अभियान चलाया, लाडो पंचायत का आयोजन किया। सेल्फी विद डॉटर फाउंडेशन ने इस अभियान के अंतर्गत शिवालिका को 11 हजार रुपये नगद तथा एक प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया है।

सारा ने लड़ी लड़कियों के सम्मान की लड़ाई

इस साल की प्रथम विजेता महाराष्ट्र के नागपुर की सारा हाश्मी ने लड़कियों के सम्मान में यह अभियान चलाते हुए 1200 सेल्फी अपलोड करवाई। इसके अलावा लाडो पंचायत का आयोजन करके लड़कियों को मासिक धर्म के बारे में जागरूक किया। सेल्फी विद डॉटर फाउंडेशन ने नागपुर की सारा को 31 हजार रुपये तथा सम्मान पत्र देकर सम्मानित किया है।

नेशनल टोंग इल मू दो प्रतियोगिता में जीते तीन गोल्ड

पायनियर समाचार सेवा। पलवल

उत्तराखंड के काशीपुर में आयोजित हुई 13वीं जूनियर नैशनल टोंग इल मू दो प्रतियोगिताओं में जिले के चार बच्चों ने मैडल हासिल जीत कर जिले का ही नहीं अपितु हरियाणा का नाम रोशन किया। प्रतियोगिता में 14 राज्यों के सैकड़ों बच्चों ने हिस्सा लिया।

प्रतियोगिता का आयोजन आठ व नौ जून को हुआ। अर्जुन स्पोटर्स अकादमी के डॉयरेक्टर नरसिंह चौहान ने बताया कि 13वीं जूनियर नैशनल इल मू दो प्रतियोगिता में जिला पलवल की ओर से चार बच्चों ने हिस्सा लिया। जिनमें तीन लड़कियां व एक लड़के शामिल थे। प्रतियोगिता का आयोजन उत्तराखंड के काशीपुर में आठ व नौ जून को किया गया। उन्होंने बताया कि प्रतियोगिता में हिस्सा लेने वाले खिलाड़ियों में चाहत ने गोल्ड मेडल, राधिका ने गोल्ड मेडल, चांदनी ने सिल्वर मेडल व योगेश ने गोल्ड मेजल जीतकर अपने माता-पिता व अकादमी के साथ-साथ जिले व प्रदेश का नाम रोशन किया है। उन्होंने बताया कि इस नैशनल प्रतियोगिता में देश के 14 राज्यों के सैकडों खिलाडियों ने हिस्सा लिया। बच्चों की इस सफलता पर अकादमी के अध्यक्ष अर्जुन सिंह चौहान ने सभी बच्चों को आर्शिवाद देते हुए कहा कि बच्चे जीवन में आगे बढ़ें।

भाजपा नीत सरकार

नेता नरेन्द्र मोदी

भाजपा नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन-राजग अपने संख्याबल के आधार पर नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में अगली सरकार बना चुका है। लोकसभा चुनाव में हालांकि, भाजपा को स्वयं पूर्ण बहुमत नहीं मिला है, लेकिन चुनाव-पूर्व गठबंधन राजग को बहुमत से अधिक सीटें मिली हैं। इस गठबंधन में अनेक क्षेत्रीय पार्टियां शामिल हैं। कहा जाता है कि इन सहयोगियों ने कड़ा लेनदेन किया है, लेकिन नरेन्द्र मोदी ने राजग सांसदों को संबोधित करते हुए इसका खंडन किया। उन्होंने सांसदों को सतर्क किया था कि वे संभावित मंत्रिमंडल के बारे में किसी प्रकार की अफवाहों का शिकार न बनें। राजग गठबंधन में चंद्रबाबू नायडू की तेलगूदेशम पार्टी-तेदेपा तथा नीतीश कुमार की जनता दल युनाईटेड-जदयू व अन्य दल शामिल हैं। क्षेत्रीय पार्टियां स्वाभाविक रूप से अपने राज्य-विशिष्ट हितों को प्राथमिकता देती हैं, लेकिन इससे राजग में शामिल पार्टियों में किसी मतभेद या गठबंधन के स्थायित्व पर संदेह की आशंका नहीं है। नीतीश कुमार ने उम्मीद जताई है कि मोदी के नेतृत्व में देश तेजी से प्रगति करेगा और इसका लाभ बिहार को भी मिलेगा। मोदी ने कहा कि वह अपनी सरकार के सभी फैसलों से सर्वसम्मति सुनिश्चित करने का प्रयास करेंगे। उन्होंने राजग को एक 'जैविक संगठन' बताते हुए कहा कि यह गठबंधन 'सर्व पंथ समभाव' के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि एनडीए का अर्थ 'नया भारत, विकसित भारत और आंकाक्षी भारत' है। मोदी ने यह भी याद दिलाया है कि वे किसी प्रकार के दबाव में आने वाले नहीं हैं। मोदी की आत्मविश्वास से भरी इन घोषणाओं से स्पष्ट है कि भाजपा अपने राजग सहयोगियों के साथ मिल कर राष्ट्रीय स्तर पर स्वीकार्य नीतियां

अपनाएगी और उनको तेजी से लागू करेगी। नायडू ने भी आशा प्रकट की कि नई सरकार जल्दी से और तेजी से काम करना शुरू करेगी।

गठबंधन सरकारों की कुछ अंतर्निहित समस्याओं के बावजूद उन्होंने खासकर 1990 के दशक में सुशासन देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। एक सर्वाधिक उल्लेखनीय गठबंधन सरकार का नेतृत्व अटल बिहारी वाजपेयी ने किया था। उसने न केवल अनेक चुनौतियों का सामना किया, बल्कि भारत में भावी गठबंधन राजनीति के लिए उदाहरण भी स्थापित किया। अटल बिहारी वाजपेयी के समय राजग में 20 से अधिक पार्टियां शामिल थीं जिनके अपने-अपने एजेंडे थे। इसके बावजूद वाजपेयी सरकार ने नाभिकीय आयुधों के परीक्षण किए तथा भारत का विश्व स्तर पर सम्मान बढ़ाया। सरकार ने नाभिकीय परीक्षणों पर लगे प्रतिबंधों का सामना करते हुए भी देश की अर्थव्यवस्था की प्रगति सुनिश्चित की। वाजपेयी सरकार की सफल राजनय ने धीरे-धीरे दुनिया के सभी देशों को भारत की उन स्थितियों के बारे में समझाया जिसके कारण उसे नाभिकीय आयुध बनाने का निर्णय करना पड़ा था। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने राजग के नव-निर्वाचित सांसदों को संबोधित करते हुए कहा कि यह राजग देश में 15 साल सरकार चला चुका है। इस प्रकार उन्होंने अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व में चली राजग सरकार की उपलब्धियों को भी रेखांकित किया। अटल सरकार ने देश में जिस व्यापक आधार पर ढांचागत निर्माण को गति दी थी, मोदी के नेतृत्व में पिछली दो राजग सरकारों ने उसे अभूतपूर्व गति दी है। मोदी के नेतृत्व में सरकार बनने की घोषणा के बाद शेयर बाजार ने भारी छलांग लगाकर सर्वोच्च स्तर प्राप्त किया। यह इस बात के प्रति विश्वास है कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था और विकसित राष्ट्र बनने की ओर तेजी से अग्रसर होगा।

भारत में नई राजनीति का युग

भारतीय मतदाताओं ने लोकसभा चुनाव में भाजपा को पूर्ण बहुमत न देकर गठबंधन राजनीति का नया युग शुरू किया है। हालांकि, भाजपा नीत राजग सरकार बनाने में सफल हुआ है।

नीलांत इलांगमुवा
(लेखक, वरिष्ठ पत्रकार हैं)

भारत में लोकसभा चुनाव ने क्षेत्र में नई राजनीति के संकेत दिए हैं। इससे देशों को अपने राजनीतिक लोकतांत्रिक ढांचों को मजबूत करने का संकेत मिला है। लोकतांत्रिक दृढ़ता का परिचय देते हुए भारतीय मतदाताओं ने भाजपा के वर्चस्व को थोड़ा झटका जरूर दिया है, पर अंततः भाजपा नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन-राजग सरकार बनाने में सफल हुआ है। यह एक राष्ट्र की सामूहिक भावना को स्वर देता है जिसने स्पष्ट रूप से 'शक्ति संतुलन' का पक्ष लिया है। जनता की राय प्रभावित करने के व्यापक चुनाव प्रचार अभियान के बावजूद मतदाताओं ने मोदी के वर्चस्व पर सवाल उठाए हैं। इससे मोदी के जादू और करिश्माई व्यक्तित्व पर थोड़ा प्रभाव जरूर पड़ा है, पर देश की भावी आर्थिक प्रगति को देखते हुए दुनिया में भारत के कद पर कोई फर्क पड़ने की आशंका नहीं है। भाजपा को इस चुनाव में सीटों का नुकसान उठाना पड़ा है और उसकी संख्या पिछले चुनाव में मिली 303 सीटों से 92 कम हो गई हैं।

भाजपा के गढ़ समझे जाने वाले उन क्षेत्रों में भी सीटें कुछ कम हुई हैं जहां उसने पिछले दो चुनावों में पूर्ण वर्चस्व प्राप्त किया था। हालिया लोकसभा चुनाव प्रचार में सोशल मीडिया पर भारी खर्च हुआ है। निर्वाचन आयोग ने भी अधिकाधिक मतदाताओं को वोट देने के लिए प्रेरित करने हेतु गूगल समेत सोशल मीडिया पर काफी खर्च किया। राजनीतिक दलों में सोशल मीडिया पर भाजपा ने सबसे ज्यादा खर्च किया। मीडिया और सोशल मीडिया पर राजनीतिक दलों द्वारा भारी खर्च से स्पष्ट होता है कि लोकतांत्रिक मानकों को प्रभावित करने में विज्ञापनों की कितनी बड़ी भूमिका होती है। इससे लोकतंत्र को अपनी इच्छानुसार परिवर्तित करने की संभावनायें व जोखिम भी स्पष्ट होते हैं।

लेकिन इसके बावजूद अंततः लोकतंत्र की विजय हुई है। लोगों ने अपनी बातें पूरी प्रतिबद्धता और दृढ़ता के साथ प्रकट की हैं तथा अनेक लोगों ने धार्मिक विचारधाराओं या व्यक्तिवाद से अलग हट कर अपनी राय प्रकट की है। इससे लोकतंत्र तथा पंथनिरपेक्ष प्रशासन को बल मिला है। यह चुनावी उथलपुथल इस बात का भी संकेत देती है कि अब लोकतांत्रिक देशों में जनता केवल राजनेताओं के खोखले वादों पर विश्वास करने को तैयार नहीं है और वह वास्तविक जमीनी बदलाव देखना चाहती है। भारतीय राजनीति में भाजपा द्वारा अपनी विजय तथा दुनिया भर में भारत के बढ़े कद के आधार पर विमर्श तैयार किया गया था, पर इसके बावजूद उनके चुनावी प्रदर्शन को धक्का लगा है। भाजपा को विपक्षी दलों द्वारा तैयार जातीय गणित तथा सामाजिक समीकरणों के कारण नुकसान उठाना पड़ा है और सत्ता पर उसकी पकड़ थोड़ी ढीली पड़ी है।

भाजपा का आरोप है कि विपक्षी दलों ने मतदाताओं में अनेक मुद्दों पर भ्रम पैदा करने का प्रयास किया और वे इसमें एक सीमा तक सफल भी हुए। हालांकि, भाजपा 2019 में प्राप्त अपनी पकड़ का काफी हिस्सा बनाए रखने में सफल हुई, पर उसे 92 सीटों का नुकसान हुआ जिसके कारण वह प्रचंड विजय नहीं प्राप्त कर सकी। इससे उसकी रणनीतियों में कमी तथा उसके दावों में जमीनी कमियां उजागर होती हैं। मोदी के प्रचार अभियान में विदेशी मामलों तथा राजनय को काफी स्थान मिला। उसमें दुनिया में भारत के बढ़े कद तथा भारत की बढ़ती आर्थिक शक्ति पर खासतौर से ध्यान दिया गया। विपक्ष का आरोप है कि मोदी ने यह काम घरेलू समस्याओं, जैसे बेरोजगारी, आर्थिक असमानता व देश के कुछ हिस्सों में सामाजिक उथलपुथल से ध्यान हटाने के लिए किया।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भारत की अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उपलब्धियों का खासतौर से चुनाव प्रचार में उल्लेख किया जिसमें वैश्विक सम्मेलनों का आयोजन और भारतीय अर्थव्यवस्था की तेज प्रगति शामिल है। लेकिन इसके बावजूद भारत के बहुत से नागरिकों के दिन-प्रतिदिन के संघर्षों में कोई कमी नहीं आई थी और इस प्रकार राजनीतिक विमर्शों तथा जमीनी अनुभवों में विरोधाभासी स्थितियां पैदा हो रही थीं।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के पिछले दस साल के कार्यकाल में तकनीक का प्रयोग कर भ्रष्टाचार दूर करने तथा लोगों का जीवन सहज बनाने के अनेक प्रयास किए गए, लेकिन इसके बावजूद जमीनी स्तर पर जनसंख्या और मतदाताओं की इच्छानुसार समुचित परिवर्तन नहीं दिखाई पड़े। अब हालिया चुनाव में सीटें कम हो जाने पर भाजपा तथा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को जनता की ओर से जवाबदेही तथा परिवर्तन की तेज होती मांगों का सामना करना पड़ सकता है। मोदी की नई सरकार के समक्ष प्रशासन को और ज्यादा पारदर्शी बनाने तथा जन-केन्द्रित करने की चुनौती बनी रहेगी। इसके कारण अब सरकार को जनता के प्रति ज्यादा जवाबदेही का दृष्टिकोण अपनाना पड़ेगा। मोदी की विदेश नीति और घरेलू एजेंडे में एक प्रकार की संगति है जिसके चलते 'हम बनाम वे' का विमर्श तैयार हुआ है। मोदी सरकार ने पाकिस्तान और चीन का मुकाबला करने की अपनी प्रतिबद्धता बार-बार दुहराई जिसमें खासकर आतंकवाद से मुकाबला करना शामिल है। पाकिस्तान और चीन के साथ 2020 में टकरावों के बावजूद भारत द्वारा मुकाबले को राष्ट्रीय शक्ति के प्रतीक के रूप में प्रदर्शित किया गया। इसके उलट मोदी के आलोचकों का कहना था कि चीनी आक्रामकता के प्रति सरकार की नीति एकदम सटीक नहीं थी। हालांकि, इस विरोधाभास के पीछे भू-राजनीतिक जटिलताओं तथा राजनयिक बाधाओं की प्रमुख भूमिका है।

भारत ने विभिन्न विश्व शक्तियों के साथ संबंधों में अपने राष्ट्रीय हितों को वरीयता दी और वह अंतरराष्ट्रीय जगत में उथलपुथल के बावजूद अपनी 'रणनीतिक स्वायत्ता' के रास्ते पर चलता रहा। भाजपा पर विपक्ष का यह आरोप भी है कि उसने घरेलू मामलों पर विदेशनीति मामलों को वरीयता दी। इस प्रकार विपक्ष दुनिया में भारत का कद बढ़ने के बावजूद मोदी के 'राष्ट्रवादी विमर्श' को चुनौती देता है। विपक्ष ने भले ही भाजपा द्वारा लोकतांत्रिक मानक तोड़ने के आरोप लगाए हों, पर अधिकांश मतदाताओं ने मोदी के दृढ़ दृष्टिकोण को पसंद किया। इससे जनता के मन में मजबूत अंतरराष्ट्रीय उपस्थिति की इच्छा प्रकट होती है। लेकिन इसके बावजूद भाजपा देश में मुद्रास्फीति व बेरोजगारी के मुद्दों से ठीक से नहीं निपट सकी और संभवतः इसी कारण उसे उत्तर प्रदेश समेत अन्य राज्यों में नुकसान उठाना पड़ा। विपक्ष ने भाजपा पर आरोप लगाया कि वह संवैधानिक अधिकारों के लिए खतरा पैदा कर रही है जिससे उसके आलोचकों तथा पूर्व-समर्थकों में निराशा की भावना पैदा हुई।

1992 में बाबरी मस्जिद विध्वंस से लेकर 2021 में सर्वोच्च न्यायालय के निर्णय के बाद अयोध्या में भव्य राम मंदिर का निर्माण भाजपा की सत्ता तक यात्रा और चुनौतियों का इतिहास है। हालांकि, मोदी की वाराणसी पर छाप से इनकार नहीं किया जा सकता है। उनके प्रयासों से वाराणसी में तेजी से ढांचागत विकास हुआ है और शहर की तस्वीर बदल गई है, लेकिन अनेक स्थानीय लोगों के विचार से इससे वाराणसी की 'परंपरागत' छवि तथा 'जीवनशैली' भी टूटी है जिसका बहुत से लोगों को दुःख है। उत्तर प्रदेश के चुनावी नतीजे एक जटिल परिदृश्य का संकेत देते हैं जहां कुछ परिवारों के प्रति सहानुभूति के साथ दलितों के एक हिस्से में संकट की भावना बनी हुई है।

मोदी की लोकप्रियता के बावजूद वाराणसी में उनकी जीत का अंतर घटा है। भाजपा के अबकी बार 400 पार के नारे ने दलितों के एक हिस्से में संविधान में संशोधन कर आरक्षण को चोट पहुंचाने की भावना पैदा हुई जिसका विपक्ष ने खूब लाभ उठाया और उसे भड़काया। भाजपा के आक्रामक चुनाव प्रचार ने मुसलमानों को विपक्ष के साथ ज्यादा मजबूती से जोड़ दिया। लेकिन चुनावी नुकसान के बावजूद भाजपा अभी देश की सर्वाधिक मजबूत शक्ति है और सहयोगियों के साथ मिल कर बनी उसकी सरकार इन कमियों को दूर करने का प्रयास करेगी। देखना होगा कि इससे आने वाले वर्षों में भारतीय राजनीति में कितने परिवर्तन आते हैं। अगले पांच साल में मोदी सरकार ने देश को विकसित राष्ट्र बनाने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ने का वादा किया है। ऐसे में देखना होगा कि दुनिया की सर्वाधिक जनसंख्या वाले देश में जनता की सोच कैसे परिवर्तित होती है।

गठबंधन की सरकार में राजनय

> **"मतदाता के फैसले का भारत की विदेश नीति और कूटनीतिक प्रक्षेपवक्र पर आने वाले लंबे समय तक दूरगामी प्रभाव पड़ेगा।"**

कुमारदीप बनर्जी
(लेखक, नीति विश्लेषक हैं)

भारत ने मतदान कर दिया है और फैसला आ गया है। इसने गठबंधन सरकारों के युग को वापस ला दिया है, गठबंधन सहयोगियों के दबावों को प्रमुख नीतिगत मामलों पर एक दशक के बाद भारत की राजनीति में वापस लाया है। मजबूत, एकल-स्रोत निर्णयों का युग सबसे अधिक संभावना है कि खत्म हो गया है और एक दशक तक वापस नहीं आ सकता है। मतदाता के फैसले का भारत की विदेश नीति और कूटनीतिक प्रक्षेपवक्र पर आने वाले लंबे समय तक दूरगामी प्रभाव पड़ेगा।

पिछले दशक में मोदी सरकार द्वारा पोषित और एक निश्चित स्थिर मंच पर पहुँचे अमेरिका के साथ संबंधों में खलल पड़ने की संभावना नहीं है। मौजूदा व्यापार साझेदारी में जोड़ी गई प्रौद्योगिकी साझेदारी को वाशिंगटन में द्विदलीय समर्थन प्राप्त है। इसका मतलब यह है कि वर्ष के अंत में ट्रम्प के अमेरिका लौटने की संभावना में, यह भारत-अमेरिका द्विपक्षीय संबंधों में कोई खलल नहीं डालेगा। भारत और अमेरिका ने अतीत में, बंद दरवाजों के पीछे भारत द्वारा नामित आतंकवादी जी एस पन्नून पर कथित हिट प्लान जैसे संवेदनशील मुद्दों पर चर्चा करने में पर्याप्त परिपक्वता दिखाई है। भारत में काम करने वाले ज़्यादातर अमेरिकी व्यवसाय गठबंधन के फ़ैसले से राहत महसूस कर सकते हैं(

क्योंकि यह एक ऐसे प्रधानमंत्री की अतिशयता के बारे में कई चिंताओं (बंद दरवाजों के पीछे उनके अमेरिकी सहयोगियों द्वारा व्यक्त) को दूर कर सकता है, जिसके पास बहुत ज़्यादा बहुमत है। सरकार में ज़्यादा गठबंधन साझेदारों के आने से, महत्वपूर्ण नीतिगत फ़ैसलों पर असर पड़ने से, उन्हें कई प्रभाव क्षेत्र मिलने से राहत मिल सकती

है। अमेरिका और वैश्विक पूंजी भारत में एक बाज़ार के रूप में सुरक्षित महसूस करेंगे, जब तक कि यह हमेशा की तरह कारोबार हो, कोई आश्चर्यजनक संरक्षणवादी विनियमन न हो और विकास बाज़ार हो। गठबंधन सरकार में, कई जाँच और संतुलन के साथ, एकतरफा फ़ैसलों की गुंजाइश कम होती है। साथ ही, जैसा कि कई विशेषज्ञों ने इस लेखक को बताया, अमेरिका को एशिया में एक शांतिपूर्ण लोकतांत्रिक सहयोगी पाकर खुशी होगी, ताकि इंडो-पैसिफिक में आक्रामक चीन का मुक़ाबला किया जा सके। भारतीय रक्षा बलों के साथ संयुक्त अभ्यास, रणनीतिक महत्व की महत्वपूर्ण खुफिया जानकारी साझा करना (भले ही भारत पाँच आँखों के नेटवर्क का हिस्सा न हो), सेमीकंडक्टर पर भारत को साझा करना और सशक्त बनाना, ,द्ध जैसी महत्वपूर्ण और उभरती हुई तकनीकों पर मानकों और विनियमों का घनिष्ठ सह-निर्माण प्रभावित होने की संभावना नहीं है। क्वाड, आई2यू2 और व्यापक यूएन आदि जैसे बहुपक्षीय मंचों पर भारत और अमेरिका पर इसका कोई असर नहीं होगा। हालांकि, दिखावटी, राजकीय यात्राएं और एक-दूसरे के नेताओं की बड़े पैमाने पर मेजबानी (2019 में ट्रंप का संदर्भ और 2023 में भारतीय प्रधानमंत्री की अमेरिका की राजकीय यात्रा) कैमरे से दूर, अधिक शांत, कूटनीतिक बातचीत की ओर बढ़ सकती है। मुख्य रूप से मानवाधिकारों, ध्रुवीकरण वाले भाषणों, भारत में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और धर्म आदि पर मुख्य रूप से अमेरिकी थिंक टैंक और नीति विशेषज्ञों द्वारा भारत की कभी-कभार आलोचना के बावजूद, भारत के लिए द्विदलीय समर्थन है और दोनों देशों के बीच गहरे संबंध हैं और इसमें बदलाव की संभावना नहीं है।

यदि भारत-अमेरिका असैन्य परमाणु समझौता एक कमजोर गठबंधन सरकार (यूपीए सरकार 1.0 से एक महत्वपूर्ण सहयोगी द्वारा समर्थन वापस लेने के कारण) का कारण साबित हुआ, तो वर्तमान में द्विपक्षीय संबंधों के लिए ऐसा कोई खतरा नहीं है। केंद्र में एक गठबंधन भारतीय सरकार होने के बावजूद। वाशिंगटन और नई दिल्ली ने अपने वरिष्ठ सांसदों/राजनेताओं/थिंक टैंकों/विशेषज्ञों को रिश्ते के रणनीतिक महत्व के बारे में शिक्षित करने में सफलता प्राप्त की है। राष्ट्रपति बिडेन को भले ही अपने पार्टी सहयोगियों या दबाव समूहों से कई मुद्दों पर भारत के प्रति थोड़ा बहुत उदार दृष्टिकोण रखने के लिए कभी-कभी आलोचना का सामना करना पड़ता है, लेकिन वे वर्तमान संदर्भ में इस रिश्ते की प्रासंगिकता को समझते हैं।

अगले कुछ महीनों में अमेरिका में एक नए भारतीय राजदूत (पूर्व राजदूत ने सेवानिवृत्ति के बाद 2024 में असफल चुनाव लड़ा था) की संभावना है। अमेरिका में भारतीय राजदूत कई आपसी द्विपक्षीय मुद्दों पर गलियारे में आम सहमति बनाने का सबसे बड़ा काम करते हैं। अगले राजदूत का चयन एक ऐसा क्षेत्र होगा जिस पर नज़र रखनी होगी।

आप की बात

नेताओं को सबक

चुनाव परिणामों ने नेताओं को अनेक सबक दिए हैं। कांग्रेस की सीटें बढ़कर 99 हो जाना उसके लिए जश्न मनाने जैसा है। लेकिन इसके पीछे गरीबों को ललचाने व भ्रमित करने के दांव हैं जिनका अब खुलासा हो रहा है। इस बार चुनाव में कुछ दलों ने जम कर घटिया हथकंडे अपनाए। बीजेपी राजस्थान और यूपी मैं अति आत्मविश्वास और भीतराघात के चलते अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाई। इन चुनाव के बाद उसे आत्म मंथन करना होगा। अपने निजी फायदे के लिए पार्टी को चोट पहुंचने वाली कई काली भेड़ों को पार्टी से बाहर करना होगा। नतीजों से कांग्रेस का कॉन्फिडेंस हाई हो गया है। मगर उसे भी मध्य प्रदेश सहित जिन राज्यों में एक भी सीट नहीं मिली है वहां आत्ममंथन करना होगा। सभी पार्टियों के चुनावी गणित गड़बड़ाने की प्रमुख वजह कार्यकर्ताओं की अपेक्षा है। कुछ स्थानों पर थोपे गए बाहरी उम्मीदवारों ने भी खेल बिगड़ है। मोदी के तीसरी बार शपथ लेने के बाद अब अनेक निर्दलीय एनडीए में शामिल हो सकते हैं। हो सकता है कि भाजपा दूसरे दलों को तोड़ कर भी अपनी संख्या बढ़ाने का प्रयास करे। लेकिन राजनेताओं को चुनाव ने सबक दिया है कि जनता हमेशा दलबदलुओं को स्वीकार नहीं करती है और पुराने कार्यकर्ता इस अवसरवाद के कारण निष्क्रिय हो जाते हैं।

-सुभाष बुडावन वाला, रतलाम

शेयर बाजार की छलांग

4 जून को लोकसभा चुनाव परिणामों से महागठबंधन की संभावना और मोदी सरकार की कमजोर संभावना के चलते शेयर बाजार का अंक 76468 से लुढ़क कर 72079 हो गया था, किन्तु जैसे ही मोदी सरकार बनने की संभावना प्रबल हुई, शेयर मार्केट ने आसमान छूना आरम्भ कर दिया और बढ़ते.बढ़ते 7 जून को पूरे समय उच्च स्तर पर बने रहकर 76,795 तक गया। यह अब तक की उसकी सबसे ऊंची छलांग है। महागठबंधन की खिचड़ी सरकार की संभावना शेयर बाजार को भी स्वाभाविक रूप से पसंद नहीं आई और वो धड़ाम हो गया। जैसे ही मोदी सरकार की सम्भावना बढ़ी और उसने लम्बी-लम्बी छलांग लगना शुरू कर दी। मोदी के प्रधानमंत्री पद की शपथ लेने के बाद इसके और ऊपर जाने की उम्मीद है। इस प्रकार शेयर बाजार ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी को आईना दिखा दिया है। जनता को खैरातें बांटने या सरकारी खजाना लुटाने का वादा कर सत्ता तक पहुंचने का प्रयास करने वालों को यह कड़ा सबक है। देश के शेयर बाजार तथा व्यापार जगत को नरेन्द्र मोदी की नीतियों पर विश्वास है जो देश की अर्थव्यवस्था को ग्यारहवें स्थान से पांचवें स्थान पर लाए हैं और अब उसे तीसरे स्थान पर ले जाएंगे।

- पूजा नेनावा साहू, पुणे

अविस्मरणीय चुनाव

2024 के लोकसभा चुनाव को लंबे समय तक याद किया जाता रहेगा। ऐसा पहली बार हो रहा है कि सत्ता पक्ष भी खुश, विपक्ष भी खुश और जनता भी खुश। एनडीए की सीटें कम होने में कई कारकों के साथ-साथ अधिकांश राज्यों में बहुत कम मतदान होना भी है। मोदी द्वारा 400 सीटों के दावे से भी स्थिति खराब हुई। लोगों ने सोचा कि भाजपा को पूर्ण बहुमत तो आ ही जाएगा फिर क्यों हम वोट देने की जहमत उठाएं? हमेशा की तरह पढ़े-लिखे शहरी मतदाताओं के मुकाबले ग्रामीण मतदाताओं ने अधिक संख्या में वोट डालें। इस स्थिति में मतदान बढ़ाने तथा उसे शत प्रतिशत बनाने के प्रयास करने होंगे। अपने मतदान केंद्र से दूर प्रवास करने वालों के लिए ऑनलाइन मतदान करने का कोई पारदर्शी तरीका खोजा जाना चाहिए। साथ ही किसी भी कारण से जेल में बंद व्यक्तियों के चुनाव लड़ने पर पाबंदी लगाई जाना चाहिए। अन्यथा भविष्य में जेल में बंद आतंकी भी अल्पमत सरकारों को टेका लगाने के लिए सत्ता में आकर देश की संप्रभुता पर चोट पहुंचा सकते हैं। इस बार जेल से चुनाव लड़ने वाले दो अतिवादी माननीय सांसद की शपथ लेने आने के लिए अदालत का दरवाजा खटखटा रहे हैं। इन पर आतंकी फंडिंग तथा खालिस्तान समर्थन के आरोप हैं।

-विभूति बुपक्या, खाचरोद

जातिवाद का असर

लोकसभा के चुनाव परिणामों में ऐसा प्रतीत हुआ कि देश की राजनीति में जातिवाद का असर अभी काफी है। यह स्थिति बेहद चिंताजनक है। स्पष्ट बहुमत की सरकार और गठबंधन की सरकार का आंकलन तो विगत बीस वर्षों में देश की जनता ने कर लिया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की प्रचंड बहुमत वाली सरकारों में सभी संप्रदाय के लोगों का विकास किया गया, करोड़ों लोगों को गरीबी रेखा से ऊपर लाया गया, देशहित में भी कोई कसर नहीं छोड़ी गई, विदेश नीति भी अपने चरम पर रही तथा विदेश में रहने वाले भारतीय लोगों ने दस सालों में अकल्पनीय अनुभव किया। इसके बावजूद जनता के बड़े हिस्से ने इन सारी चीजों को अनदेखा कर आंखें बंद कर जाति के नाम पर वोट दिया है। मजेदार बात है कि जातियों तो मुसलमानों में भी हैं, लेकिन वे सब एकजुट होकर भाजपा को हराने वाली पार्टी को वोट देते हैं। देश पर सबसे लंबे समय तक राज करने वाली कांग्रेस ने जातीय जनगणना तथा आरक्षण सीमा बढ़ाने की बात कर जातिवाद का असर बढ़ाने में कोई कसर नहीं छोड़ी। जातिवाद विकसित भारत के निर्माण में सबसे बड़ी बाधा है।

- अंकित सोनी, मनावर

पाठक अपनी प्रतिक्रिया ई-मेल से **responsemail.hindipioneer@gmail.com** पर भी भेज सकते हैं।

यूपी में 6 हजार से अधिक युवाओं को योगी सरकार ने बनाया आत्मनिर्भर

● प्रदेश में अब तक 6259 युवाओं के उद्यम हुए स्वीकृत 7500 का है लक्ष्य

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

प्रदेश के युवाओं को स्वरोजगार से जोड़ने के लिए शुरू की गई सीएम योगी आदित्यनाथ की फ्लैगशिप स्कीम मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना (एमवाईएसवाई) और मुख्यमंत्री ग्रामोद्योग रोजगार योजना (एमएमजीआरवाई) ने शानदार प्रदर्शन किया है। प्रदेश में अब तक 6 हजार से अधिक युवाओं के छोटे बड़े उद्यमों को मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना के अंतर्गत स्वीकृत किया जा चुका है। वहीं मुख्यमंत्री ग्रामोद्योग रोजगार योजना के अंतर्गत स्वीकृत हुए 723 इकाइयों में से 605 को धनराशि प्रदान की जा चुकी है।

हाल ही में प्रदेश के मुख्य सचिव दुर्गा शंकर मिश्र के सामने प्रस्तुत की गई राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति की त्रैमासिक रिपोर्ट में इस बात की जानकारी दी गई है। उत्तर प्रदेश राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति के संयोजक और बैंक ऑफ बड़ौदा के महाप्रबंधक समीर रंजन पांडा के अनुसार योजना का उद्देश्य प्रदेश के युवाओ को उद्यम शीलता के लिए प्रोत्साहित करने और अन्य युवाओं के लिए रोजगार का अवसर प्रदान करना है। इसके अंतर्गत राज्य सरकार युवाओ को वित्तीय सहायता उपलब्ध करा रही है, ताकि वे आत्मनिर्भर बन सके और अपने व्यवसाय का सफलतापूर्वक संचालन कर सकें। रिपोर्ट के अनुसार प्रदेश में मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना के अंतर्गत 7500 यूनिट्स को धनराशि प्रदान करने का लक्ष्य रखा गया था, जिसके सापेक्ष अबतक 6259 इकाइयों को सरकार की ओर से स्वीकृति मिल चुकी है। वहीं अबतक 5648 इकाइयों को धनराशि वितरित की जा चुकी है। इसमें शुरुआत में कुल मार्जिन मनी 14550 लाख रुपए तय की गई थी, जिससे अधिक अबतक 16360 लाख रुपए को स्वीकृति मिल चुकी है, जबकि 14821 लाख रुपए युवाओं को वितरित भी किये जा चुके हैं। बात करें मुख्यमंत्री ग्रामोद्योग रोजगार योजना की तो इसमें भी 800 इकाइयों को लाभान्वित करने का लक्ष्य रखा गया था, जिसमें से 90 प्रतिशत से अधिक यानी 723 इकाइयों को स्वीकृति मिल चुकी है और लक्ष्य का 76 प्रतिशन यानी 605 यूनिट्स को लाभान्वित किया जा चुका है।

युवाओं के उद्यम के सपने को साकार कर रही योजना

उत्तर प्रदेश मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना, प्रदेश के युवाओं को स्वरोजगार के लिए प्रोत्साहित करने के लिए प्रदेश सरकार द्वारा प्रारंभ की गई एक फ्लैगशिप योजना है। इस योजना को सितंबर 2018 में शुरू किया गया था। योजना का उद्देश्य प्रदेश के बेरोजगार युवाओ को उनके उद्यम के सपने को साकार करने के लिए वित्तीय सहायता और अन्य सहयोग प्रदान करना है। इसके अंतर्गत राज्य सरकार पात्र आवेदकों को इंडस्ट्री लगाने के लिए रु. 25लाख तक और सेवा क्षेत्र के लिए रु. 10 लाख तक का ऋण उपलब्ध कराती है। इस योजना की नोडल एजेंसी डीआईसी, कानपुर है।

पात्रता के लिए 18 साल से ऊपर होनी चाहिए उम्र

मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना के अंतर्गत पात्र लाभार्थी को उत्तर प्रदेश का निवासी होना चाहिए, जिसकी उम्र 18 से 40 वर्ष के बीच होनी चाहिए। न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता न्यूतम हाई स्कूल होना चाहिए और वह किसी भी राष्ट्रीयकृत बैंक का डिफॉल्टर नहीं होना चाहिए। सभी स्रोतों से उसकी (ओबीसी, अल्पसंख्यक और सामान्य वर्ग) वार्षिक आय 2 लाख रुपए से अधिक नहीं होनी चाहिए वहीं एससी-एसटी श्रेणी के लिए ये लिमिट ढाई लाख रुपए से अधिक नहीं होनी चाहिए।

नए माफियाओं को चिन्हित कर करें प्रभावी कार्रवाई : प्रशांत कुमार

● क्षेत्र में पुलिस विजिविलिटी बनाये रखने के लिए नियमित रूप से पैदल गश्त सुनिश्चित करने के निर्देश

लखनऊ। लोकसभा चुनाव के सम्पन्न होने के बाद रविवार को पहली बार डीजीपी प्रशांत कुमार ने फील्ड में तैनात सभी वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों को निर्देश दिये हैं कि नये माफियाओं को चिन्हित कर उनके खिलाफ प्रभावी कार्रवाई की जाए। साथ ही तथा पूर्व में पंजीकृत माफिया गैंग के सभी सदस्यों के विरूद्ध सफल अभियोजन, सम्पत्ति जब्तीकरण व अन्य विधिक कार्यवाही की जाए। डीजीपी ने लोकसभा निर्वाचन निर्बाध व सकुशल सम्पन कराने में अधिकारियों द्वारा की गयी कार्यवाही की प्रशंसा की तथा भविष्य के लिए विस्तृत दिशा निर्देश दिए। रविवार को पुलिस मुख्यालय से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए कानून-व्यवस्था, अपराध नियन्त्रण व यातायात प्रबन्धन आदि के सम्बन्ध समीक्षा की गई। इस दौरान डीजीपी ने आवाहन किया कि नियमित पुलिसिंग के कार्यो यथा विवेचना, अपराध नियन्त्रण, अभियोजन, जन सुनवाई, बीट पुलसिंग प्रणाली, आपरेशन कन्विक्शन, आपरेशन त्रिनेत्र, मिशन शक्ति आदि पर और अधिक ध्यान दिया जाये तथा लम्बित छूटे मामलों को संज्ञान लेकर त्वरित निस्तारण कराया जाए।

भारत सरकार की अधिसूचना के अनुसार 1 जुलाई से लागू होने वाली नयी भारतीय न्याय सहिंता, भारतीय नागरिक सुरक्षा सहिंता तथा भारतीय साक्ष्य अधिनियम को लागू करने हेतु प्रशिक्षण, आवश्यक उपकरणो की खरीदरी तथा व्यापक प्रचार-प्रसार पर ध्यान दिया जाए। इस सम्बन्ध में मुख्यालय स्तर से निर्गत सभी कार्य योजनाओं का अनुपालन सुनिश्चित किया जाए। डीजीपी ने कहा कि महिलाओं एवं बच्चों से सम्बन्धी अपराधों को अत्यधिक गम्भीरता से लेते हुए संलिप्त अभियुक्तों के विरूद्ध त्वरित वैधानिक कार्यवाही सुनिश्चित की जाए तथा मुख्यालय स्तर से निर्गत निर्देशो का कड़ाई से अनुपालन कराते हुए निर्धारित समयावधि में विवेचनाओ का गुणवत्तापूर्ण निस्तारण कराया जाये। इसके साथ ही अभियुक्तों को सजा दिलाने के लिए न्यायालय में प्रभावी पैरवी की जाए। महिला सुरक्षा हेतु महिला बीट / महिला हेल्प डेस्क आदि के कार्यों की समीक्षा कर पुलिस बीट प्रणाली को और अधिक सुदृढ़ बनाने की कार्यवाही सुनिश्चित की जाए। आगामी त्यौहारों / धार्मिक आयोजनों के दृष्टिगत पीस कमेटी की गोष्ठी कर ली जाये तथा धर्मगुरूओं, आयोजको, शान्ति समितियों, सभ्रान्त नागरिकों, डिजिटल वालेन्टियर्स एवं सिविल डिफेन्स का सक्रिय सहयोग लिया जाय। क्षेत्र में पुलिस विजविलिटी बनाये रखने तथा कम्युनिटी पुलिसिंग की संकल्पना को साकार करने हेतु नियमित रूप से पैदल गश्त की प्रभावी कार्यवाही सुनिश्चित की जाए।

कान्फ्रेंसिंग के दौरान डीजीपी ने कहा कि एसटीएफ द्वारा विकसित त्रिनेत्र ऐप 2.0 लागू हो चुका है, जनपदीय पुलिस के सभी अधिकारी टूल्स की जानकारी रखें तथा उसका आवश्यक्तानुसार उपयोग करें साथ ही त्रिनेत्र टूल्स पर समय-समय पर डाटा अपलोड करें। यह ऐप फेस रिकॉग्निशन तकनीक तथा वॉयस रिकॉग्निशन तकनीक से युक्त है अत: इसमे अधिक से अधिक गिरफ्तार अपराधियों, संदिग्ध व्यक्तियों का आडियों, वीडियों, फोटो अपलोड किया जाए। उन्होंने कहा कि गोवध / गो-तस्करी की रोकथाम हेतु कार्य योजना बनाकर कार्यवाही सुनिश्चित की जाये तथा गोवध के प्रकरणो में गम्भीरता से विवेचनात्मक कार्यवाही सुनिश्चित की जाय। संलिप्त अपराधियों के विरूद्ध प्रभावी निरोधात्मक कार्यवाही की जाए। गम्भीर प्रवृत्ति के अपराधों में संलिप्त फरार अपराधियों की गिरफ्तारी हेतु अधिक से अधिक पुरस्कार घोषित कर अविलम्ब गिरफ्तारी सुनिश्चित करें। गम्भीर प्रवृत्ति के अभियोग की विवेचना के दौरान फारेन्सिक साक्ष्य संग्रह कराते हुए निर्धारित समयावधि में विवेचना का गुणवत्तापूर्ण निस्तारण कराया जाये तथा न्यायालय में अभियुक्तों को दण्डित कराने हेतु प्रभावी पैरवी की जाए।

महाराणा प्रताप के जीवन से प्रेरणा लेने की आवश्यकता: जयवीर

लखनऊ। प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने कहा कि महाराणा प्रताप के जीवन से हम लोगों को प्रेरणा लेनी चाहिए। वह रविवार को महाराणा प्रताप की जयंती पर हुसैनगंज स्थित महाराणा प्रताप मूर्ति स्थल पर मुख्य अतिथि के रूप में बोल रहे थे। लोक अधिकार मंच की ओर से आयोजित जयंती समारोह में उन्होंने कहा कि मुगलिया शासन के अत्याचार से भला कौन नहीं परिचित है। महाराणा प्रताप ने घास की रोटी खाकर अत्याचारियों के छक्के छुड़ा दिए। आज बच्चे—बच्चे की जुबान पर उनकी वीरता की कहानी है। ऐसे महान वीर पुरुष के जीवन से हम सभी लोगों को प्रेरणा लेनी चाहिए। लोक अधिकार मंच और क्षत्रीय समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल सिंह ने कहा कि मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम और महाराण प्रताप की जीवन के आदर्श पर चलकर क्षत्रिय समाज अपनी शक्ति अर्जित कर सकता है।

एलयू ने शुरू किया रिसर्चर-इन-रेजिडेंस कार्यक्रम

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

लखनऊ विश्वविद्यालय ने रिसर्चर-इन-रेजिडेंस कार्यक्रम शुरू किया है, जिसे अंतरराष्ट्रीय सहयोग को बढ़ावा देने और अपने शैक्षणिक समुदाय की बौद्धिक जीवंतता को बढ़ाने के लिए डिज़ाइन किया गया है। यह पहल दुनिया भर के विभिन्न विषयों और संस्थानों के प्रतिष्ठित विद्वानों का स्वागत करती है ताकि वे अत्याधुनिक शोध में शामिल हो सकें, अपनी विशेषज्ञता साझा कर सकें और विश्वविद्यालय में गतिशील शैक्षणिक वातावरण में योगदान दे सकें।

रिसर्चर-इन-रेजिडेंस कार्यक्रम अंतरराष्ट्रीय संकाय, वैज्ञानिकों और उद्योग विशेषज्ञों के लिए पीएचडी या समकक्ष शोध अनुभव के साथ लखनऊ विश्वविद्यालय के शैक्षणिक जीवन में कम से कम तीन महीने की अवधि के लिए शामिल होने का एक अनूठा अवसर प्रदान करता है। इस पहल का उद्देश्य एक सहयोगी वातावरण बनाना है जहाँ आने वाले शोधकर्ता स्थानीय संकाय और छात्रों के साथ मिलकर काम कर सकें, सेमिनार और कार्यशालाओं में भाग ले सकें और विश्वविद्यालय के शोध लक्ष्यों में योगदान दे सकें। आवेदकों के पास पीएचडी या समकक्ष शोध अनुभव होना चाहिए और उन्हें भारत के बाहर मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालयों, कॉलेजों, संस्थानों या उद्योगों से संबद्ध होना चाहिए। इसके लिए प्रस्तावित परियोजना के उद्देश्यों, कार्यप्रणाली और अपेक्षित परिणामों को रेखांकित करते हुए एक सुपरिभाषित शोध प्रस्ताव प्रस्तुत करना होगा। इसके अतिरिक्त, आवेदकों को अपने प्रवास के दौरान लखनऊ विश्वविद्यालय में अध्यापन और मार्गदर्शन में संलग्न होना होगा। आगंतुक शोधकर्ताओं को अत्याधुनिक प्रयोगशालाओं, पुस्तकालयों और अन्य आवश्यक शोध सुविधाओं तक पहुंच प्राप्त होगी। विवि आने वाले शोधकर्ता को आवास और आकस्मिक अनुदान प्रदान करेगा। शोधकर्ताओं से अपेक्षा की जाएगी कि वे ठोस शोध आउटपुट तैयार करें।

पूरे वर्ष होंगे आवेदन स्वीकार

आवेदन पूरे वर्ष स्वीकार किए जाएंगे और प्रस्तावित निवास अवधि से कम से कम छह महीने पहले जमा किए जाने चाहिए। मजबूत शैक्षणिक पृष्ठभूमि, शोध उत्कृष्टता का सिद्ध रिकॉर्ड और लखनऊ विश्वविद्यालय की शोध प्राथमिकताओं के साथ सरेखित प्रस्तावों वाले आवेदकों को वरीयता दी जाएगी। यह पहल अकादमिक उत्कृष्टता के प्रति विश्वविद्यालय की प्रतिबद्धता और बौद्धिक आदान-प्रदान के केंद्र के रूप में इसकी भूमिका को रेखांकित करती है। लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने कहा कि यह कार्यक्रम विश्वविद्यालय की जीवंतता को बढ़ाने और हमारे अंतरराष्ट्रीय शोध नेटवर्क को बढ़ाने और हमारे छात्रों को अंतरराष्ट्रीय संकाय के संपर्क में लाने में मदद करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। यह हमारे अकादमिक मूल्य को मजबूत करने में मदद करेगा और अंतरराष्ट्रीयकरण के साथ-साथ अकादमिक प्रतिष्ठा के मामले में रैंकिंग में बेहतर प्रदर्शन करने में भी हमारी मदद करेगा।

करहल में उपचुनाव को लेकर गर्माहट बढ़ी, अखिलेश के इस्तीफे के बाद होंगे चुनाव

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

एक दिन पूर्व नवनिर्वाचित सांसदों के साथ बैठक में सपा मुखिया अखिलेश यादव के संसदीय दल के नेता चुने जाने के बाद उनकी विधानसभा सीट करहल में उपचुनाव को लेकर गर्माहट बढ़ गयी है। ऐसा माना जा रहा है कि यहां पर होने वाले उपचुनाव में सपा परिवार से कोई सदस्य उम्मीदवार हो सकता है। फिलहाल पूर्व सांसद तेज प्रताप यादव का नाम चर्चा में बना हुआ है। लोकसभा चुनाव में भाजपा से अधिक 37 सीट लाने वाली सपा के मुखिया अखिलेश यादव का उत्साह चरम पर है। लोकसभा चुनाव के दौरान अखिलेश यादव ने तेजप्रताप को कन्नौज सीट से प्रत्याशी घोषित किया था, बाद में कार्यकर्ताओं की मांग पर उन्होंने खुद चुनाव लड़ा और जीत दर्ज की। एक दिन पूर्व हुई बैठक में संसदीय दल का नेता चुने जाने के बाद अखिलेश का ध्यान दिल्ली की राजनीति की तरफ है। क्योंकि लोकसभा चुनाव में सपा सबसे अधिक सीट लाने वाली तीसरी पार्टी बन गयी है।

तीसरी बार प्रधानमंत्री बनने पर सीएम ने दी मोदी को बधाई

लखनऊ। प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने देश के तीसरी बार प्रधानमंत्री बनने पर नरेन्द्र मोदी को बधाई दी है। अपने सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर सीएम योगी ने पोस्ट कर लिखा कि 140 करोड़ भारतीयों की आशाओं, आकांक्षाओं की पूर्ति हेतु प्रतिबद्ध प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री पद की शपथ लेने पर हार्दिक बधाई। आगे मुख्यमंत्री ने कहा कि आपकी अविराम साधना का ही प्रतिफल है कि पिछले 10 वर्षों में राष्ट्र का नव उत्थान हुआ है। गरीब, महिला, युवाओं के साथ ही देश के वंचित वर्ग का जीवन आसान हुआ है। विरासत, विकास व विश्वास को संजोए यह अविस्मरणीय एवं ऐतिहासिक उपलब्धि देश और ह्ष्ट परिवार को गौरवभूषित तथा हर्षित करने वाली है। मुख्यमंत्री ने कहा कि 140 करोड़ भारतवासियों की सुख, शांति और समृद्धि के लिए साधनारत प्रधानमंत्री का यह कार्यकाल नि:संदेह आत्मनिर्भर भारत-विकसित भारत की संकल्पना को साकार करते हुए भारत को विश्व में महाशक्ति के रूप में स्थापित करने वाला सिद्ध होगा।

परिषदीय विद्यालयों में स्काउट एवं गाइडिंग को प्रभावी ढंग से लागू करेगी योगी सरकार

● कक्षा एक से 5 तक के विद्यालयों में स्थापित प्रत्येक यूनिट में 24-24 तो कक्षा 6 से 8 तक के विद्यालयों में प्रत्येक यूनिट में होंगे 32-32 सदस्य

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

परिषदीय विद्यालयों में छात्रों की शारीरिक एवं मानसिक योग्यताओं का पूर्ण विकास करने के लिए योगी सरकार कक्षा एक से कक्षा 8 तक के प्राथमिक विद्यालयों में स्काउट एवं गाइडिंग को प्रभावी ढंग से संचालित करने जा रही है। इसी क्रम में पूरे प्रदेश के परिषदीय विद्यालयों में स्काउट एंड गाइड की यूनिटें स्थापित की जाएंगी। नए सत्र से पहले इन यूनिटों की स्थापना करने के निर्देश दिए गए हैं।

कब/बुलबुल तथा स्काउट/गाइड कार्यक्रमों द्वारा बच्चों में उच्च कोटि की नैतिकता, अनुशासन, राष्ट्रीय एकता की भावना तथा चरित्र निर्माण आदि गुणो का विकास होता है। अभी अधिकतर जगह पर कक्षा छह से आठ के विद्यालयों में यह यूनिटें स्थापित हैं। अब कक्षा एक से पांच के विद्यालयों में भी इस यूनिट की स्थापना की जाएगी। इस बावत शिक्षा निदेशक (बेसिक) प्रताप सिंह बघेल द्वारा सभी मंडलीय सहायक शिक्षा निदेशक (बेसिक) एवं जिला बेसिक शिक्षा अधिकारियों को इस संबंध में निर्देशित किया गया है। कक्षा एक से पांच तक के हर परिषदीय विद्यालयों में कम से कम एक यूनिट का पंजीकरण अवश्य होगा। प्रत्येक दल में 24-24 सदस्य होंगे। इसी प्रकार कक्षा 6 से कक्षा 8 तक संचालित प्रत्येक परिषदीय विद्यालय में भी कम से कम एक यूनिट स्थापित की जाए, जिसमें 32-32 सदस्य होंगे। विद्यालयों में छात्र-छात्राओं की संख्या के आधार पर दलों की संख्या उसी अनुपात में बढ़ाई जा सकती है।

यूनिट लीडर के रूप में शिक्षकों का होगा प्रशिक्षण

उन्होंने कहा है कि ऐसे परिषदीय विद्यालय जहां यूनिट लीडर के रूप में शिक्षक प्रशिक्षित नहीं हैं, उनका भारत स्काउट और गाइड उत्तर प्रदेश संस्था के माध्यम से प्रशिक्षण कराया जाए। 7 दिवसीय यह प्रशिक्षण आवासीय होगा। शुरुआत में इसके लिए हर जिले से 50-50 शिक्षकों को नामित किया जाए। इसके साथ ही डीबीटी की राशि से छात्र-छात्राओं के लिए एक सेट स्कूली ड्रेस और एक सेट स्काउट गाइड ड्रेस अभिभावकों से तैयार करवाने के भी निर्देश दिए गए हैं। स्काउट गाइड का कम से कम एक बैंड प्रत्येक जनपद ब्लॉक स्तर पर तैयार किया जाए तथा इस बैंड की प्रतियोगिता भी जनपदीय तथा अंतर्जनपदीय स्तर पर आयोजित की जाए। यही नहीं भारत स्काउट गाइड संस्था द्वारा जिले एवं प्रदेश स्तर पर आयोजित की जाने वाली बीएसजी ज्ञान प्रतियोगिता (2024-25) एवं जनपद/प्रादेशिक स्तर पर सर्वोत्तम कैडेट प्रतियोगिता में अधिक से अधिक छात्र-छात्राओं को प्रतिभाग कराया जाए। साथ ही कक्षा छह से आठ तक स्काउट गाइड का निर्धारित पाठ्यक्रम समय सारिणी के अनुसार चलाया जाए।

तीसरी बार पीएम बनने पर इंजीनियर्स फेडरेशन ने दी बधाई

लखनऊ। नरेंद्र मोदी द्वारा तीसरी बार देश के प्रधानमंत्री का पद ग्रहण करने पर ऑल इंडिया पावर इंजीनियर्स फेडरेशन ने देशभर के बिजली इंजीनियरों की ओर से हार्दिक बधाई दी है। फेडरेशन के चेयरमैन शैलेंद्र दुबे ने कहा है कि विश्व के सबसे बड़े गणतंत्र का लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री पद ग्रहण करना बहुत गौरव की बात है। आशा व्यक्त की है कि मोदी के नेतृत्व में देश में सार्वजनिक क्षेत्र में पावर सेक्टर और सशक्त बनेगा।

बांग्ला भाषा प्रशिक्षण कार्यशाला आज से

लखनऊ। एपी सेन मेमोरियल गर्ल्स डिग्री कॉलेज में बांग्ला भाषा प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन 10 जून से शुरू हो रहा है। प्राचार्या प्रो. रचना श्रीवास्तव ने बताया कि बांग्ला भाषा को बढ़ावा देने के उद्देश्य से इस कार्यशाला में न केवल महाविद्यालय बल्कि बाहर से भी छात्र छात्राएं कार्यशाला में भाग ले सकते है।

एलयू में योगाभ्यास शिविर का आयोजन

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

लविवि के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय के निर्देश एवं मार्गदर्शन में फैकल्टी ऑफ योग एंड अल्टरनेटिव मेडिसिन एवं इंटर यूनिवर्सिटी सेंटर फॉर योग साइंसेज के तत्वाधान में फैकल्टी के योग हाल में रविवार को योगाभ्यास शिविर का आयोजन प्रात: 6 बजे से किया गया। दमा से बचाव के लिए कौन से आसन और प्राणायाम लाभदायक हैं, इनका अभ्यास प्रतिभागियों को कराया गया। को-ऑर्डिनेटर डॉ अमरजीत यादव ने बताया कि दमा के लिए हस्तउत्तानासन, अर्धकटिचक्रासन, गोमुखआसन, भुजंगासन, सर्पासन उपयोगी हैं। तथा भ्रामरी प्राणायाम, उद्गीथ प्राणायाम, अनुलोम- विलोम प्राणायाम लाभकारी हैं। शिविर का संचालन डॉक्टर रामकिशोर के द्वारा किया गया। प्रात: 9 बजे से योग से संबंधित निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया। जिसमें फैकल्टी के सीमा यादव, वसुधा तिवारी, कुमार अजय, आयुष शर्मा, श्वेता श्रीवास्तव, सपना कश्यप, श्वेतालिका, सुखेंद्र सिंह, ममता मिश्रा, अर्चना वर्मा, प्रिया मिश्रा आदि छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया।

पीडीए की कुशल रणनीति के चलते एनडीए गठबंधन को शिकस्त मिली: अखिलेश यादव

● कार्यकर्ताओं को जनता के बीच जाने के निर्देश

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

लोकसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी की ऐतिहासिक जीत के बाद समाजवादी पार्टी राज्य मुख्यालय में राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव से देश भर से लोगों के मिलने और बधाई देने वालों का सिलसिला जारी है। रविवार को भी अखिलेश यादव से बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ताओं, नेताओं, समर्थकों, विभिन्न वर्गों के लोगों ने मिलकर जीत की बधाई दी।

अखिलेश यादव से जहां नवनिर्वाचित सांसदों के अतिरिक्त विधायकों सहित अधिवक्ताओं, शिक्षकों, युवाओं, किसानों, महिलाओं और अल्पसंख्यकों ने बड़ी संख्या में आकर भेंट किया और उन्हें बधाई दी। अखिलेश यादव ने कहा जो जीते हैं वे तो बधाई के पात्र है पर ऐसे सांसद प्रत्याशी भी है जो हारे नहीं हराए गए हैं। उनकी भी सक्रिय भूमिका रहेगी। उत्तर प्रदेश की राजनीति में जो सार्थक और सकारात्मक परिवर्तन आया है, उससे देश की राजनीति भी बिना प्रभावित हुए नहीं रहेगी। पीडीए की कुशल रणनीति के चलते एनडीए गठबंधन को शिकस्त मिली। पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक वर्ग के सभी समाज के लोग एकजुट होकर समाजवादी पार्टी कांग्रेस इंडिया गठबंधन को विजयी बनाने में लगे रहे। भाजपा की समाज को बांटने की राजनीति को जनता ने पूरी तरह नकार दिया। अखिलेश यादव ने कहा कि लोकसभा चुनाव की यह जीत समाजवादियों के संघर्ष की जीत है। संविधान और लोकतंत्र की जीत है। यादव ने कहा कि समाजवादियों को अपनी इस संघर्ष यात्रा को बहुत आगे तक ले जाना है। जनता ने समाजवादियों पर भरोसा जताया है। इस भरोसे को और मजबूत करना है। ईमानदारी से जनता की सेवा करनी है। किसानों, नौजवानों, महिलाओं, पिछड़ों, दलितों, अल्पसंख्यकों के खिलाफ होने वाले हर अन्याय अत्याचार के खिलाफ लड़ाई लड़नी है। यादव ने कहा कि भाजपा सरकार जनता का भरोसा खो चुकी है। इनका झूठ और लूट जनता के सामने बेनकाब हो चुका है। 2024 के लोकसभा चुनाव का परिणाम बहुत लम्बे समय तक याद किया जायेगा। इस चुनाव में जनता ने अहंकार, अन्याय, अत्याचार और भाजपा सरकार के अलोकतांत्रिक क्रियाकलापों को हराकर बाबा साहब के बनाए संविधान को बचाने का काम किया। अखिलेश यादव ने नेताओं कार्यकर्ताओं से कहा कि वे सभी जनता के साथ रहें। विधानसभा चुनाव की तैयारियों में जुटें। जनता के मुद्दों को उठाये। उनके सुख दुख में भागीदारी बने।

नगर निगम ने खाली कराई जमीन

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

नगर निगम की टीम ने रविवार को ग्राम जेहटा में जमीन पर हुए अवैध कब्जे को ध्वस्त करा कर अपने कब्जे में ले लिया। कार्रवाई के दौरान इसका विरोध हुआ लेकिन टीम की मुस्तैदी के चलते किसी की नहीं चल सकी। नगर निगम के दस्ते ने 2 करोड़ 65 लाख की जमीन खाली कराई।

जेहटा के खसरा संख्या 1892, 1894 की जमीन परती के रूप में दर्ज है और यह नगर निगम में निहित सम्पत्ति है। नगर आयुक्त डॉ. इंद्रजीत सिंह के निर्देश पर अपर नगर आयुक्त पंकज श्रीवास्तव के नेतृत्व में प्रभारी अधिकारी संपत्ति ने टीम गठित कर यहां अवैध प्लाटिंग ध्वस्त कराई। अवैध कब्जे से 33153 वर्ग फुट भूमि खाली कराई गई है, जिसकी बाजार कीमत करीब 2.65 करोड़ रुपये है।

जेईई एडवांस में चमके शहर के मेधावी, बनाई जगह

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

देश की प्रतिष्ठित जेईई एडवांस परीक्षा में शहर के मेधावियों ने जगह बनाते हुए राजधानी का नाम रौशन किया है। 26 मई को हुई जेईई एडवांस की परीक्षा का परिणाम रविवार की दोपहर को आया। परिणाम में लखनऊ के मेधावियों ने उम्दा प्रदर्शन करते हुए परचम फहराया है। शहर के ईशान कृष्ण अग्रवाल को 346 वीं रैंक मिली है। अंशुमान मिश्रा को एआईआर 371, युग शर्मा को एआईआर 606 मिली है। ईशान के पिता एमपी अग्रवाल आईएएस हैं और प्रमुख सचिव उच्च शिक्षा के पद पर कार्यरत हैं। जेईई एडवांस में लखनऊ के बडी संख्या में बेहतरीन प्रदर्शन किया है। जेईई एडवांस 2024 के पेपर एम और पेपर दो में कुल एक लाख 80 हजार 200 अभ्यर्थी शामिल हुए थे। जिसमें से 48248 अभ्यर्थियों ने जेईई एडवांस क्रैक की। इनमें 7964 लड़कियां शामिल हैं। लखनऊ में ईशान कृष्ण अग्रवाल, अंशुमान मिश्रा और युग शर्मा के साथ ही दो दर्जन से अधिक अभ्यर्थियों ने अच्छी रैंक अर्जित की है। आरोह राय को 868 वीं रैंक, ऋषिता राय को 925 वीं रैंक, श्रेयांश चतुर्वेदी को 1103 वीं रैंक, अतुल देव को 1249 वीं रैंक, सानवी पुरवार को 1605 वीं रैंक, शाश्वत बाजपेई को 1879 वीं रैंक, समर सिंह यादव को 1881 वीं रैंक और अग्रिम सिंह को 1985 वीं रैंक मिली है।

काउंसलिंग आज से

जेईई एडवांस 2024 के परिणाम के एक दिन बाद 10 जून से आईआईटी और एनआईटी में प्रवेश के लिए ज्वाइंट सीट अलॉक्शन अथॉरिटी काउंसलिंग (जोसा) 2024 शुरू होगी। 10 जून से 26 जुलाई के मध्य काउंसलिंग पांच चरणों में होगी। काउंसलिंग में 114 इंजीनियरिंग संस्थान शामिल हैं। जिसमें 23 आईआईटी, 31 एनआईटी, 26 भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान और 34 अन्य तकनीकी संस्थान शामिल हैं। पंजीकरण और विकल्प भरने की अन्तिम तिथि 18 जून हे। सीट आवंटन का पहला चरण 20 जून को होगा।

निरंतर अभ्यास से सफलता मिली

जेईई एडवांस में 346 वीं रैंक अर्जित करे वाले ईशान कृष्ण अग्रवाल ने कहा कि निरंतर अभ्यास से सफलता मिलती है। ईशान के भाई ने 2020 में जेईई एडवांस क्रैक किया था। जिससे उन्हे प्रेरणा मिली। समय प्रबंधन, मेहनत और अपने माता-पिता को सफलता श्रेय देते हैं। ईशान के पिता एमपी अग्रवाल आईएएस हैं और प्रमुख सचिव उच्च शिक्षा के पद पर कार्यरत हैं।

ईशान अग्रवाल

कमियों को दूर करना जरूरी

जेईई एडवांस में युग शर्मा को 606 ऑल इंडिया रैंक मिली है। युग ने कहा कि सफलता के लिए कोर्स का अच्छा रिवीजन और मॉक टेस्ट देना जरूरी है। तभी हम अपनी कमियों को दूर कर सकते हैं। इससे परीक्षा के दौरान टाइमिंग सुधरेगी और आप जल्दी सवालों को हल कर पाएंगे। आईआईटी कानपुर से इंजीनियरिंग करने का लक्ष्य है।

आरएसएस का 15 दिवसीय संघ शिक्षा वर्ग प्रशिक्षण शिविर संपन्न

संवाददाता। फतेहपुर

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का संघ शिक्षा वर्ग (सामान्य) के चल रहे प्रशिक्षण शिविर के आज देर शाम 15वें दिन प्रशिक्षित स्वयंसेवकों का विधिवत समापन स्थानीय सरस्वती विद्या मन्दिर इंटर कॉलेज में संपन्न हुआ। बताया गया कि 1925 में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का कार्य प्रारंभ हुआ तथा आज भारतवर्ष के प्रत्येक राज्य एवं प्रत्येक जिले में संघ अपनी 6000 से अधिक शाखों के माध्यम से सामाजिक कार्य कर रहा है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ एक देशव्यापी सामाजिक सांस्कृतिक संगठन है। हर समाज में देशभक्ति अनुशासित चरित्रवान और निस्वार्थ भाव से काम करने वाले लोगों की आवश्यकता रहती है। संघ ऐसे लोगों को तैयार करने का उनको संगठित करने का काम करता है। संघ समाज में एक संगठन ना बनाकर संपूर्ण समाज को ही संगठित करने का प्रयास करता है। संघ के कार्य को बढ़ाने व सुचारू रूप से चलने हेतु राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ कानपुर प्रांत के द्वारा विगत 23 मई से 10 जून तक संपन्न होने वाले 15 दिवसीय संघ शिक्षा वर्ग सामान्य में 21 जिलों से 343 शिक्षार्थी शम्मिलित हुए।

उक्त कार्यक्रम में मंचसीन अधिकारी सर्वाधिकारी राजेंद्र सिंह, पूर्व प्रधानाध्यापक परिषद में जिला संघ चालक इटावा, वर्ग में सर्वाधिक अधिकारी अनंत विभूषित संत शिरोमणि वैष्णव कुलभूषण श्री श्री 1008, राम नारायण दास, त्यागी जी महाराज महंत श्री द्वारिकापुरी हनुमान मंदिर पक्का तालाब, जिला संघ चालक राम प्रकाश चौहान, पूर्व प्रधानाचार्य सर्वोदय इंटर कॉलेज वर्तमान में जिला संघ चालक मुख्य वक्ता वीरेंद्र जायसवाल, काशी हिंदू विश्वविद्यालय से एलएलएम हैं और काशी विद्यापीठ में अध्यापन कार्य किया। संघ के विभिन्न दायित्वों का निर्वहन करते हुए वर्तमान में पूर्वी उत्तर प्रदेश क्षेत्र के क्षेत्र कार्यवाह का दायित्व है।

जिले के ठगी पीड़ित निवेशक एकजुट होकर करेंगे सत्याग्रह

फतेहपुर। ठगी पीड़ित जमाकर्ता परिवार की बैठक आयोजित हुई। जिसमें चिटफंड कंपनियों में डूबे निवेशकों के पैसों को लेकर चर्चा की गई। निर्णय लिया गया कि यदि पीड़ितों का पैसा वापस न कराया गया तो जिले के सभी निवेशक मिलकर सत्यागृह करने के लिए विवश हो जाएंगे। बैठक की अध्यक्षता सूरजदीप विश्वकर्मा ने करते हुए कहा कि चिटफंड कंपनियों सहारा, पीएसीएल, टोगो रिटेल मार्केटिंग लिमिटेड आदि कंपनियों में जिले के तमाम निवेशकों का रूपया फंसा हुआ है। जिसका भुगतान कराने के लिए योजना बनाई गई। जिसमें भारत सरकार ने बड्स एक्ट 2019 लागू किया गया।

अपर जिलाधिकारी के यहां निवेशकों के आवेदन भी जमा कराए गए। संगठन ने कई बार जिलाधिकारी को ज्ञापन भी दिया। प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री को भी सैकड़ों की तादाद में ज्ञापन भेजे गए। इसके बावजूद इस कानून के तहत किसी भी निवेशक का पैसा नहीं दिलवाया गया। यदि हालात यही रहे तो जिले का निवेशक एकजुट होकर सत्याग्रह व अनिश्चितकालीन प्रदर्शन के लिए विवश हो जाएंगे।

खनन माफ़िया के गुर्गों ने सिपाही को ट्रैक्टर से कुचलकर मौत के घाट उतारा

●डीएम की नाराज़गी के बावजूद खनन जारी रहने पर उठ रहे सवाल

संवाददाता। फर्रुखाबाद

बीती रात खनन के ट्रैक्टर को पकड़ने गये सिपाही पर माफिया के गुर्गों नें ट्रैक्टर चढ़ा दिया जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे उपचार के लिए लोहिया अस्पताल में भर्ती किया गया। हालत गंभीर होनें पर उसे निजी अस्पताल में भर्ती किया गया। जहाँ उसकी मौत हो गयी। जनपद बिजनौर के चाँदपुर दरबण निवासी 24 वर्षीय रोहित कुमार पुत्र जसबंत सिंह 2021 बैच का पुलिस कांस्टेबल था । भर्ती होनें के बाद उसने फ्तेहगढ़ में ही ट्रेनिग पूर्ण कर वर्तमान में उसकी तैनाती थाना नवाबगंज में थी। मिली जानकारी के अनुसार बीती रात थाना पुलिस को जानकारी मिली कि नगला चन्दन के निकट अबैध खनन हो रहा था।

जिस पर मौके पर सिपाही रोहित कुमार , दारोगा संतोष कुमार व सिपाही चमन मौके पर पंहुचे। गांव के निकट ही सिपाही नें ट्रैक्टर ट्राली को रोक लिया। चालक से अन्य पुलिस कर्मी जानकारी कर चालक से जानकारी कर रहे थे उसी दौरान सिपाही रोहित साहस दिखाते हुए ट्रैक्टर ट्राली और ट्रैक्टर के बीच में चढ़ गया।

पुलिस को ट्रैक्टर पर चढ़ देख चालक ने ट्रैक्टर बढ़ा दिया जिससे रोहित ट्रैक्टर से कुचल कर गंभीर रूप से घायल हो गया । उसे गंभीर हालत में रात 3.48 पर लोहिया अस्पताल में सिपाही आदेश नें भर्ती कराया। लेकिन हालत गंभीर होंने पर से आवास विकास के ही एक निजी नर्सिग होम में भर्ती किया गया। जहां सुबह लगभग 6 बजे रोहित ने दम तोड़ दिया। मृतक रोहित दो भाईयों में दूसरे नम्बर का था। उसका बड़ा भाई सचिन इटावा जिला जेल पर बंदी रक्षक के पद पर तैनात है।

सूचना मिलने पर एसपी विकास कुमार, एएसपी डा, संजय सिंह आदि निजी अस्पताल पंहुचे। अपर पुलिस अधीक्षक डा. संजय सिंह ने बताया कि आरोपियों की शिनाख्त कर ली गयी है। जल्द गिरफ्तारी की जायेगी।

छह माह पूर्व हुई मासूम की हत्या के आरोपी नहीं आए पुलिस के हत्थे

मौदहा, हमीरपुर। छह माह पहले पढ़ोरी गांव की डेढ़ वर्षीय मासूम श्रष्टि की रहस्यमय तरीके से गायब होने का मामला पुलिस के लिये एक पहेली बन चुकी है। भले ही पुलिस इस मामले को भुला चुकी हो मगर उसके माता पिता अभी भी मासूम वालिका को लौटने की रास्ता निहार रहे है। इसी प्रकार चौकीदार की मृत्यु का पुलिस अभी तक खुलासा नही कर पायी है। जानकारी के मुताबिक 20 दिसंबर 2023 का वह दिन जब क्षेत्र के पढ़ोरी गांव में डेढ़ वर्षीय मासूम श्रृष्टि पुत्री विपिन कुमार अपने घर के चबूतरे पर खेल रही थी तभी वह रहस्यमयी ढंग से गायब हो गई थी।

जिसकी तलाश करने में जनपद का खुफ्फिया तंत्र समेत सीओ सदर राजेश कमल अधिकांश थानों की फोर्स लेकर दिन रात एक किये हुए थे। लेकिन मासूम श्रृष्टि को तलाश करने में वह नाकाम रहे। हालांकि घटना के 24 दिन बीतने के बाद गांव के आवारा कुत्तों ने मासूम श्रृष्टि का धड़ अपने मुंह में दबाकर घर के इर्द-गिर्द घूमते हुए मौत की पुष्टि कर दी थी लेकिन अब 5 माह से ज्यादा का समय बीत जाने के बाद पुलिस के हांथ पैर थक चुके हैं और अब जांच की बात कहकर पुलिस भी अपना पल्ला झाड़ती हुई दिखाई दे रही है। हालाकि मासूम श्रष्टि के माता पिता की आखे रोरो कर पथरा गयी हैं। उनको अभी भी ऐसा लगता है कि उसकी मासूम की वापसी होगी। पुलिसिया कार्यशैली की तो शुरुआत में तीन दिनों तक पुलिस ने चप्पे-चप्पे की खाक तो छानी लेकिन जहां से कई बार गुजरते हुए मासूम श्रृष्टि की तलाश की तो वहीं से आवारा कुत्तों ने मासूम श्रृष्टि का धड़ बरामद कर पुलिसिया छानबीन तथा पुलिसिया डॉग स्क्वायड की भी पोल खोली थी।

लेकिन बावजूद इसके पुलिस हत्यारों तक नहीं पहुंच सकी लेकिन शक के आधार पर पुलिस ने मृतक श्रृष्टि के माता-पिता के जरूर सैंपल लेकर डीएनए परीक्षण के लिए प्रयोगशाला भेजा था।

सपा की मासिक बैठक में प्रशासन पर फोड़ा चुनाव में हार का ठीकरा

संवाददाता। फर्रुखाबाद

रविवार को जिला समाजवादी पार्टी की मासिक बैठक जिला अध्यक्ष चंद्रपाल सिंह यादव की अध्यक्षता में सपा मुख्यालय आवास विकास स्थित लोहियापुरम में संपन्न हुई। बैठक के दौरान कई मुद्दों पर विस्तार से चर्चा हुई व कुछ आरोप प्रत्यारोप भी हुए। जिला अध्यक्ष चंद्रपाल सिंह यादव ने कहा प्रत्याशी ने संगठन को भले ही कम तरजीह दी हो फिर भी हमारे समस्त संगठन के एक-एक कार्यकर्ता ने राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के आह्वान पर भरी धूप में जान लगाकर काम किया। साथ ही उन्होंने कहा की मतगणना के दौरान पुलिस के लाठी चार्ज पर जो भी कार्यकर्ता घायल हुए उनकी सूची बनाकर जिम्मेदार नेता उनके घर जाकर मदद करेंगे।

उन्होंने सपा के सभी कार्यकर्ताओं का धन्यवाद प्रेषित किया। मुन्ना यादव एडवोकेट ने तो जिला प्रभारी विनीत कुशवाहा पर गंभीर आरोप लगा दिए। उन्होंने कहा विनीत कुशवाहा ने प्रत्याशी और संगठन के बीच तालमेल नहीं होने दिया एवं अपने मनमाने फरमानों से चुनाव प्रभावित किया। मुन्ना यादव ने कहा आगे होने वाली खुली समीक्षा बैठक में प्रभारियों को अवश्य बुलाया जाना चाहिए।

कहा कि वीवी पैड पर बूथों की पुनर्मतगणना हेतु प्रत्याशी और संगठन को कानूनी कार्यवाही करनी चाहिए। सिराजुल अफाक मुन्ना और सौरभ कटियार ने प्रशासन पर चुनाव हरवाने का आरोप लगाया। यह भी आरोप लगाया कि बड़े नेताओं ने चुनाव में अपेक्षाकृत कम सहयोग किया। यह चुनाव जनता ने समाजवादी पार्टी के पीडीए फॉर्मूला पर लड़ाया। कुछ लोगों ने चुनाव के दिन बस्ता वितरण में धांधली का भी आरोप लगाया। पुष्पेंद्र यादव ने कहा हम हारे नहीं हमें हराया गया है। जिला महासचिव जहान सिंह लोधी ने कहा जिस प्रकार अखिलेश यादव ने घूम घूम कर चुनाव प्रचार किया उस प्रत्याशी को भी हर जगह पहुंचना चाहिए था और संगठन के जिम्मेदार लोगों को विश्वास में लेना चाहिए था। जिला उपाध्यक्ष सुभाष चंद्र शाक्य ने साफकहा यह चुनाव हम जीते हुए थे परंतु हमारे साथ बेईमानी हुई।

कलश यात्रा के साथ विष्णु महायज्ञ का हुआ शुभारंभ

राठ, हमीरपुर। क्षेत्र के चिल्ली गांव में विशाल कलश यात्रा के साथ श्री विष्णु महायज्ञ का शुभारंभ हुआ। ग्रामीणों ने पूरे गांव में स्वच्छता अभियान चलाया। वहीं यज्ञ के शुभारंभ पर 101 पौधे रोपित किए गए। कलश यात्रा में ग्राम पंचायत सहित आसपास के गांवों से करीब पांच हजार लोग शामिल हुए। बच्चों, बड़ों व बुजुर्गों में उत्साह देखा गया। महिलाओं ने सिर पर पवित्र कलश रखकर मंगल गीत गए। करीब आधा सैकड़ा घोड़े ढोल नगाड़ों की धुनों पर थिरकते हुए चल रहे थे। भ्रमण के बाद यज्ञ स्थल पहुंचने पर यात्रा का समापन हुआ। आयोजकों ने बताया सोमवार से सुबह 6 बजे यज्ञशाला पूजन व हवन, श्रीमद भागवत व पुराण वाचन, दोपहर 2 बजे से प्रवचन व रात 8 बजे से रामलीला का आयोजन किया जाएगा।

क्विक न्यूज

अवैध कटान की लकड़ियां ले जा रहा ट्रैक्टर पलटा

राठ, हमीरपुर। शनिवार की रात कुर्रा गांव के पास लकड़ियां लेकर जा रहे तेज रफ्तार ट्रैक्टर ट्राली एक मकान के सामने पलट गई। जिससे मकान के अंदर सो रहे लोगों में हड़कंप मच गया। छूट प्रजाति की लकड़ियों की आड़ में अन्य पेड़ों की कटान अंधाधुंध हो रही है। बीते दिनों टीम भी आई और जांच की। लेकिन औपचारिकता पूरी कर अधिकारी चले गए। शनिवार की रात नीम के पेड़ की कटी हुई लकड़ियों से भरी ट्रैक्टर ट्राली कुर्रा गांव पहुंचते ही हरि सिंह के मकान के सामने पलट गई। यह तो गनीमत रही हादसा रात के वक्त हुआ। तेज आवाज से घर के अंदर सो रहे लोगों में हड़कंप मच गया। आनन-फानन में घर से बाहर निकले तब तक ट्रैक्टर चालक मौके से फरार हो गया। 24 घंटा बीतने के बाद भी ट्राली व लड़कियां पड़ी हुई है।

ट्राली में डंपर की टक्कर से चालक की मौत

हमीरपुर। डंपर की टक्कर लगने के बाद ईंटें लादकर जा रहा ट्रैक्टर चालक उछलकर नीचे गिर गया। जिसके बाद ट्राली का पहिया उसके ऊपर चढ़ गया और उसकी मौत हो गई। इस दौरान ट्राली के पहिए में फंसा चालक करीब तीस मीटर तक घिसटता चला गया। इस घटना से परिजनों में कोहराम मचा हुआ है। पुलिस के मुताबिक थाना ललपुरा के मोराकांदर गांव निवासी 40 वर्षीय मनोज पुत्र केदार निषाद के पास खुद का ट्रैक्टर है। वह स्वयं ट्रैक्टर चलाकर अपने परिवार का भरण पोषण करता है। रविवार को वह गांव के ही एक युवक के ईंटें लेकर घाटमपुर से अपने गांव जा रहा था। जैसे ही मनोज ने थाना ललपुरा के आगे सड़क पर बनें ब्रेकर के पास गाड़ी धीमी की। तभी पीछे से आ रहे तेज रफ्तार डंपर ने ट्राली में जोरदार टक्कर मार दी। जिससे ट्रैक्टर चला रहा मनोज उछलकर गिर गया और ट्राली का पहिया उसके ऊपर चढ़ गया। जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

मौर्य कुशवाहा उत्थान समिति की बैठक में हुआ सम्मान

फतेहपुर। आज मौर्य कुशवाहा उत्थान समिति भवन में मासिक बैठक मे समिति में चल रहे कार्यो पर चर्चा की गई। साथ ही शांती नगर में विजय कुमार मौर्य द्वारा सभी समाज के जरूरतमंद बच्चो को निशुल्क कोचिंग चलाकर गरीब बच्चो की सहायता करने के लिए, मौर्य कुशवाहा उत्थान समिति ने विजय कुमार को सम्राट अशोक की प्रतिमा देकर सम्मानित किया। साथ ही सम्राट अशोक के विचार के अनुसार समाज हित में कार्य करने के लिए प्रेरित किया। इस मौके पर समिति अध्यक्ष विजय बहादुर मौर्य, महामंत्री ज्ञान सिंह मौर्य, मेवालाल मौर्य, श्याम लाल मौर्य, प्रेमचंद्र मौर्य, हरिमोहन मौर्य, मैयालाल, वीरेंद्र मणि शंकर, लालचंद्र मौर्य, विष्णु लाल मौर्य, सुशीला मौर्य, राम खेलावन, राजेश, रामानंद, बाबूलाल मौर्य मौजूद रहे।

वैश्य एकता परिषद का राष्ट्रीय स्तर पर होगा विस्तार

फतेहपुर। अखिल भारतीय वैश्य एकता परिषद का राष्ट्रीय स्तर पर विस्तार होगा। संगठन को गतिशील बनाये रखना ही समाज को एक दिशा देने का काम करता है। उक्त विचार प्रकट करते हुए परिषद के राष्ट्रीय महासचिव रवि प्रकाश अग्रवाल ने कहा कि राष्ट्रीय अध्यक्ष डा. सुमंत गुप्ता के निर्देशानुसार वह प्रदेश दौरे पर आज फतेहपुर आए हैं। महिला राष्ट्रीय अध्यक्ष कविता रस्तोगी के आवास पर उन्होंने पदाधिकारियों से मुलाकात की। महिला राष्ट्रीय अध्यक्ष ने उनका अंग वस्त्रम पहनाकर स्वागत किया। राष्ट्रीय महासचिव रवि प्रकाश अग्रवाल ने कहा कि चुनाव संपन्न हो गए हैं। अब हम सभी लोग अपने संगठन को गतिशील बनाने का कार्य प्रारंभ कर दें और जो निष्क्रिय पदाधिकारी हैं उनको निवेदित करके संगठन की मुख्य धारा से जोड कर संगठन को गतिशील बनाने का प्रयास करें। उन्होंने कहा कि आज देश में वैश्य समाज काफी संख्या में है। एकजुटता के अभाव में वह शक्ति समाज के सामने प्रदर्शित नहीं हो पा रही है जो संख्या बल के आधार पर होनी चाहिए।

बालक के रामगंगा में डूबने से हुई मौत

फर्रुखाबाद। बाबा के साथ मबेशी चराने गया बालक रामगंगा में डूब गया। उसे गंभीर हालत में सीएचसी में भर्ती किया गया । जहाँ चिकित्सक नें उसे मृत घोषित कर दिया। परिजनों में कोहराम मच गया। राजेपुर थाना क्षेत्र के ग्राम इमादपुर पमारन निवासी रमाकांत राजपूत रामगंगा के किनारे पशु चरानें गये थे। उनके पीछे उनका 10 वर्षीय पौत्र राघव पुत्र सर्वेन्द्र भी चला गया। रास्ते में रामगंगा के भरे पानी को रमाकांत पार करने के बाद देखा कि पौत्र राघव नहीं आ रहा है, जब उसकी खोजबीन की तो पानी में राघव उतराता मिला। परिजन उसे लेकर सीएचसी पंहुचे तो उसे चिकित्सक अमित वर्मा नें मृत घोषित कर दिया। राघव कक्षा चार का छात्र था।

सड़क दुर्घटना में दंपति घायल, पति की मौत

पुखरायां। कानपुर देहात। भोगनीपुर कोतवाली क्षेत्र में गौर फर्टिलाइजर के समीप मूसानगर रोड पर एक जेसीबी की टक्कर से स्कूटी सवार दंपति गंभीर रूप से घायल हो गए। जिसमें इलाज के दौरान पति की मौत हो गई है जबकि पत्नी का एक अस्पताल में इलाज किया जा रहा है। स्वास्थ्य विभाग से सेवा निवृत्त हेल्थ सुपरवाइजर मनोरमा सचान ने बताया कि वह अपने पति संतोष कुमार सचान के साथ स्कूटी से कानपुर नगर के कस्बा घाटमपुर रिश्तेदारों से मिलने जा रही थी। सबेरे करीब 10 बजे अपने पुखरायां स्थित निवास विवेकानंद नगर से घाटमपुर की ओर जा रहे थे तभी गौर फर्टिलाइजर के निकट एक तेज रफ्तार जेसीबी उनकी स्कूटी से टकरा गई। जिससे पति-पत्नी दोनों ही लोग सड़क किनारे गिर गए। राहगीरों ने उन्हें पुखरायां के श्यामा प्रसाद मुखर्जी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में इलाज के लिए भर्ती कराया। हालत नाजुक देखकर डाक्टरों ने कानपुर रेफर किया था। जहां पर उनके पति संतोष कुमार सचान 1/4621/2 की मौत हो गई है। कोतवाली भोगनीपुर में जेसीबी चालक के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज कराई गई है। कोतवाली प्रभारी का कहना है कि जांच की जा रही है।

इको चालक ने कई राहगीरों को कुचला, दो की मौत 5 घायल

लखीमपुर खीरी। कस्ता लखीमपुर मार्ग पर भीषण सड़क हादसे पांच लोग बुरी तरह घायल हो गये। दो लोगो की हादसे में घटना स्थल पर मौत हो गई। घटना की जानकारी होने पर सीओ0ओ व पुलिस अधीक्षक ने मौके पर पुहंच कर जायजा लिया। शनिवार की रात करीब 8 बजे कस्ता लखीमपुर मार्ग पर ईको कार चालक ने कई राहगीरों को कुचल दिया। कस्ता कब्रिस्तान से लेकर सरायन नदी के पुल के आगे लगभग एक किलोमीटर तक पांच लोग आए चपेट में आने से बुरी तरह घायल हो गये। दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। कार चालक समेत चार घायल हो गए। हादसा का कारण इको कार चालक शराब के नशे में बताया जा रहा है। दो अति गंभीर घायलों को लखीमपुर से लखनऊ रेफर किया गया। घटना स्थल पर सीडीओ अनिल सिंह, एसपी गणेश प्रसाद साहा, एएसपी नेपाल सिंह, उपजिलाधिकारी मितौली विनीत उपाध्याय, क्षेत्राधिकारी मितौली शमशेर बहादुर सिंह पुलिस बल के साथ घटना स्थल पहुंच गये। घायलो जिला अस्पताल भिजवाया है। इको चालक को मितौली पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है।

बंद मकान में लाखों की चोरी

गोला गोकर्णनाथ। कोतवाली क्षेत्र में नानक चैकी क्षेत्र में काशीराम आवास कॉलोनी के निकट बंद पड़े मकान में नगदी समेत लाखों के जेवर चुरा ले गए। शनिवार की रात सुनीता देवी के बंद पड़े मकान में चोर छत के सहारे घुस गए। कमरों के ताले तोड़कर 3000, एक जोड़ी सोने के झाले, सोने के टप्स, तीन जोड़ी पायल, सोने की झुलनिया, सोने के चार फूल, 10 चांदी के बिछिया सहित जेवर नगदी चुरा ले गए। सुनीता ने बताया कि वह घर में ताला डालकर अपने मायके महमदपुर गई थी। पीड़िता ने पड़ोसी पर चोरी का संदेश व्यक्त करते हुए पुलिस को तहरीर दे दी है।

भीषण गर्मी को लेकर जारी चेतावनी लू के प्रकोप से से लोग हो रहे बीमार

●लू से एहतियात बरतें गर्भवती महिलाएं और बच्चे

●अगले चार दिनों में तापमान व लू का प्रकोप बढ़ने की संभावना

संवाददाता। फतेहपुर

बढ़ रही गर्मी और लू चलने को लेकर जिला प्रशासन ने एडवाइजरी जारी की है। जिसमें लोगों को विशेष सावधानी बरतने के निर्देश दिए गए हैं। गर्भवती महिलाओं, बच्चों एवं बुजुर्गों को दोपहर में बाहर निकलने से परहेज करने की अपील की गई है। मौसम विभाग के अनुसार आने वाले चार दिनों तक तापमान बढ़ने के साथ गर्म हवा लू का प्रकोप बढ़ने की संभावना है। इसके असर को कम करने के लिए और लू से होने वाली किसी भी प्रकार की हानि की रोकथाम के लिए सावधानियां बरतने के लिए डीएम सी इंदुमती ने एडवाइजरी जारी की है। अपील की है कि गर्मी और लू के चलते गर्भवती महिलाएं, बुजुर्ग, बच्चे घर में ही रहें।

विशेष परिस्थितियों में ही घर के बाहर निकले, दोपहर 12 से 3 तक घर पर ही रहें, अति आवश्यक न होने पर निकलें। कहा सभी काम 6 से 11 बजे और शाम 4 से 7 बजे के बीच ही निपटा लें।

घर में व सफर के दौरान भी हल्के रंग के ढीले सूती कपड़े पहनें। धूप से बचने के लिए गमछा, टोपी, छाता, धूप का चश्मा, जूते और चप्पल का इस्तेमाल करें। सफर में अपने साथ पानी रखें। गीले कपड़े को अपने चेहरे सिर व गर्दन पर रखें। अगर तबीयत ठीक न लगे और चक्कर आएं तो तुरंत चिकित्सक से संपर्क करें। घर में बना पेय पदार्थ जैसे की लस्सी, नमक चीनी का घोल, नींबू पानी, छाछ, आम का पना इत्यादि का सेवन करें।

शराब व नशीले पदार्थों से बचने की सलाह: गर्मी और लू से बचाव के लिए एडवाइजरी जारी की गई है धूप में खड़े वाहनों में बच्चों एवं पालतू जानवरों को न छोड़ें। साथ ही खाना बनाते समय कमरे की खिड़की एवं दरवाजे बंद न रखें। नशीले पदार्थ शराब व अन्य के सेवन से बचें। उच्च प्रोटीन युक्त खाद्य पदार्थ का सेवन करने से बचें। बासी भोजन न करें।

लू से बचने के उपायों में घर से बाहर निकलते समय सिर को कैप से ढक कर रखें और एक छतरी अपने साथ रखें। हल्के नम कपड़े से अपने सिर, गर्दन, चेहरे को कवर करें। ठंडे पानी से नहाएं, हल्के नम कपड़े पहनें। डाइट में हाई प्रोटीन फूड को दूर रखें।

दो बाइकों के साथ दो चोर चढ़े पुलिस के हत्थे

फतेहपुर। हुसैनगंज थाना पुलिस ने चेकिंग के दौरान दो बाइक चोरों को चोरी की दो बाइकों के साथ गिरफ्तार कर लिया। उनके खिलाफ सुसंगत धाराओं के तहत कार्रवाई कर न्यायालय भेज दिया। जानकारी के अनुसार हुसैनगंज थाने के उपनिरीक्षक अवधेश सिंह व प्रशिक्षु उपनिरीक्षक सत्येन्द्र कुमार अपने हमराही सिपाहियों के साथ गश्त कर रहे थे। चेकिंग के दौरान पुलिस टीम ने दो बाइकों के साथ दो चोरों को पकड़ लिया। जिन्होने अपने नाम अर्जुन सोनकर पुत्र होरी लाल निवासी ग्राम बसोहनी थाना हुसैनगंज व शैलेन्द्र सोनकर उर्फ राहुल पुत्र रमेश सोनकर निवासी ग्राम कल्यानपुर बेती थाना डलमऊ जनपद रायबरेली बताया। बाइकों के कागजात मांगने पर दिखा न सके। जिस पर पुलिस बाइकों के साथ अभियुक्तों को थाने ले आई और गिरफ्तारी व बरामदगी के आधार पर दोनों को न्यायालय अभिरक्षा में भेज दिया।

युवक की हत्या से फैली सनसनी पुलिस ने शुरू की कार्रवाई

रसूलाबाद, कानपुर देहात। युवक की हत्या से इलाके में सनसनी फैल गई। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई शुरू की। मनावां निवासी बाएं हाथ से दिव्यांग मनोज तिवारी 43 मवेशी पालन करते थे। शनिवार को उनकी कुछ बकरियां पास के ही कैलाश मिश्रा के दरवाजे चली गई। इस पर वे इसका उलाहना उसे देने आए। इसको लेकर कैलाश मिश्रा और मनोज तिवारी में मामूली विवाद हुआ। इसी दौरान मृतक के चाचा व गांव के रिटेलर कृष्ण मोहन तिवारी और उनके पुत्र दीपक, बबलू ,छइया व सुंदर धारदार हथियारों से लैस होकर आ गए और मनोज से विवाद करने लगे। मनोज जब तक कुछ समझ पाता तब तक उसके चचेरे भाइयों ने उसके सिर पर फरसा मार दिया। जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। इसकी सूचना उसके भाई संजय की पत्नी महिमा ने यूपी 112 डायलकर पुलिस को दी। पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और उसे घायल अवस्था में तत्काल सीएचसी रसूलाबाद लाई जहां डॉ मो सादिक ने उसका उपचार किया और हैलट के लिए रिफर कर दिया। इसी दौरान उसकी मौत हो गई। उसकी मौत पर उसके पिता राम मोहन भाई संजय उसकी पत्नी महिमा,अजय व उसकी पत्नी कल्पना व भाई विपिन का रो रो कर बुरा हाल था। घटना की सूचना पाकर थाना प्रभारी मुकेश कुमार सोलंकी तत्काल मौके पर पहुंच गए हैं। सीएचसी में अपराध निरीक्षक श्याम व्रत सिंह पीड़ित जनों से बातचीत की। सीओ रसूलाबाद राजीव सिरोही ने बताया कि घटना की जानकारी मिली है।

स्वास्थ्य विभाग की टीम ने अवैध अस्पतालों पर मारा छापा

●बड़े पैमाने पर बगैर पंजीकरण चल रहे अस्पताल

●एक अस्पताल सील, कई संचालक भाग निकले

संवाददाता। गोला गोकर्णनाथ

नगर में बड़े पैमाने पर बिना पंजीकरण अस्पताल चल रहे हैं। जहां झोलाछाप बिना किसी डिग्री के मरीजों का इलाज कर उनकी जान जोखिम में डाल रहे हैं। इन पर अंकुश लगाने के लिए गुरूवार को स्वास्थ्य विभाग ने कई अस्पतालों में छापा मारा गया। जिससे नगर में अवैध संचालित हो रहे अस्पताल चलाने वालों में हड़कंप मच गया अवैध अस्पताल को सील कर दिया। जबकि कई अस्पताल संचालक बंद कर भाग निकले।

स्वास्थ्य विभाग के डॉ. एबी सिंह, डॉ एसडी गोस्वामी की टीमों ने गुरुवार को निजी अस्पतालों का निरीक्षण किया। डॉ. एबी सिंह, राजन, रूपेश मिश्रा, अभिषेक वर्मा ने जहां खुटार रोड स्थित नीरज पाली क्लीनिक एण्ड मेटरनिटी सेंटर को अवैध पाए जाने पर उन्हें सील कर दिया गया। इसके बाद उन्होंने धर्मकांटा के पास चल रहे सहारा हास्पिटल व एक बिना बोर्ड के चल रहे अस्पताल में जांच की यहां मरीज भर्ती पाये गये जहां न तो कोई प्रशिक्षित डाक्टर मिला न ही कोई दस्तावेज मिले। डाक्टरों ने भर्ती मरीजों को सीएचसी भिजवाकर जब तक सहारा हास्पिटल सीज किया तब तक दूसरा संचालक हास्पिटल में ताला लगाकर भाग गया।

वहीं अवैध अस्पतालों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत स्वास्थ्य विभाग की टीम में डॉ. एसडी गोस्वामी, वार्ड व्याय सचिन, मनु, पुष्पेन्द्र मिश्रा आदि ने सिनेमा रोड स्थित न्यू केयर हास्पिटल में छापा मारा यहां टीम को सबकुछ ठीकठाक मिला। इसके बाद स्वास्थ्य विभाग की टीम ने लखीमपुर रोड स्थित एक हास्पिटल में पहुंचकर जांच की।

अस्पताल संचालक कोई दस्तावेज नहीं दिखा सका और मरीज भी भारी संख्या में भर्ती मिले। टीम ने अस्पताल को सीज करने की कोशिश की लेकिन अस्पताल संचालक को सफेदपोश नेता का संरक्षण प्राप्त होने के कारण स्वास्थ्य विभाग की टीम से काफी देर तक नोकझोंक भी हुई।

सूचना पर पहुंची नानक चौकी की पुलिस भी अस्पताल को सीज नहीं करा सकी और टीम बैरंग वापस लौट आई और मामले की रिपोर्ट सीएमओ को भेज दी गई है।

नाम बदलकर धंधा चमका रहे मुन्ना भाई

नगर में अप्रशिक्षित स्टॉप व अस्पताल खोलकर मरीजों का उपचार करने वालों पर कई बार शिकंजा कसा जा चुका है। जहां अवैध अस्पतालों पर तेजी से कार्रवाई की जा रही है। वहीं दूसरी ओर मुन्ना भाई अस्पताल वाले नाम बदलकर अपना धंधा चमकाने में लगे हैं। बड़े-बड़े डॉक्टरों का नाम व डिग्री लिखकर लोगों को झांसा देकर रकम एठ रहे हैं। स्वास्थ्य विभाग एक तरफ कार्रवाई करता है तो दूसरी ओर अवैध अस्पताल खुलने लगते हैं।

बनास डेरी के बारे में विशेषज्ञों ने दी विस्तार से जानकारी

राठ, हमीरपुर। कस्बे के स्वामी ब्रह्मानंद महाविद्यालय के बीएड भवन में बनास कांठा जिला सहकारी दुग्ध उत्पादक संघ पालनपुर गुजरात अमूल डेरी की ओर से फील्ड सुपरवाइजर पद के लिए लिखित परीक्षा आयोजित की गई। कार्यक्रम का शुभारंभ प्राचार्य डॉ सुरेन्द्र सिंह ने स्वामी ब्रह्मानंद महाराज के चित्र पर माल्यार्पण कर किया गया। इस दौरान जनरल मैनेजर विक्रम भाई चौधरी ने बनास डेरी के बारे में छात्र-छात्राओं को विस्तार से जानकारी दी।

जोनल कानपुर जोन मानवेंद्र सिंह भदोरिया, एच आर अश्विन सिंह एवं एमपीओ धीरेंद सिंह लखनऊ ने कंपनी के बारे में सभी को विस्तार से बताया। डॉ एस बी सिंह ने बताया कि यह कंपनी पूरे भारत में प्रतिदिन एक करोड़ लीटर दुग्ध एकत्रित करती है। वहीं उत्तर प्रदेश में लगभग 20 लाख लीटर दूध का एकत्रीकरण करती है। यह कंपनी पूरे भारत में अपना विशेष स्थान रखती है। इस कार्यक्रम के संयोजक एवं प्रभारी (करियर काउंसलिंग एंड प्लेसमेंट सेल) डॉक्टर सरजू नारायण ने बताया कि इस परीक्षा में महाविद्यालय के विभिन्न संकायों के 90 छात्रों ने प्रतिभाग किया। जिसमें 45 का चयन मौखिक एवं ग्रुप डिसकशन के लिए किया गया।

जिसका परिणाम 7 दिन बाद घोषित किया जायेगा। चयनित छात्रों को प्रदेश के विभिन्न जिलों में ही सुपरवाइजर के पद पर नियुक्ति प्रदान की जाएगी। जिनको शुरुआत में 21 से 25 हजार रुपए प्रतिमाह वेतन के रूप में दिया जाएगा।

कनाडा के खुफिया प्रमुख ने इस वर्ष दो बार भारत की गोपनीय यात्रा की

निज्जर मामला

भाषा। नई दिल्ली

कनाडा की खुफिया एजेंसी के प्रमुख डेविड विग्नॉल्ट ने खालिस्तानी चरमपंथी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या से संबंधित मामले की जानकारी भारतीय अधिकारियों को देने के लिए फरवरी और मार्च में दो बार गुप्त रूप से भारत का दौरा किया था। घटनाक्रम से अवगत लोगों ने यह जानकारी दी। ऐसा माना जा रहा है कि कनाडाई सुरक्षा खुफिया सेवा (सीएसआईएस) के निदेशक विग्नॉल्ट ने हत्या के संबंध में ओटावा की जांच के दौरान सामने आई जानकारी साझा की है।

पिछले साल सितंबर में कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो द्वारा निज्जर की हत्या में भारतीय एजेंटों की संभावित संलिप्तता के आरोप लगाए जाने के बाद भारत और कनाडा के बीच संबंधों में गंभीर तनाव आ गया था। भारत ने ट्रूडो के आरोपों को बेतुका बताकर खारिज कर दिया था।

विग्नॉल्ट की अघोषित भारत यात्रा कनाडा द्वारा तीन भारतीय नागरिकों - करणप्रीत सिंह (28), कमलप्रीत सिंह (22) और करन बरार (22) को निज्जर की हत्या में कथित संलिप्तता के आरोप में गिरफ्तार किए जाने के कुछ सप्ताह पहले हुई थी।इसके बाद चौथे भारतीय अमनदीप सिंह को कनाडाई अधिकारियों ने गिरफ्तार किया था। भारत द्वारा आतंकवादी घोषित किए गए निज्जर की पिछले साल 18 जून को ब्रिटिश कोलंबिया के सरे में एक गुरुद्वारे के बाहर गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। इस हत्या की जांच रॉयल कैनेडियन माउंटेड पुलिस (आरसीएमपी) द्वारा की जा रही है।

कनाडा सरकार के एक अधिकारी ने कहा, हम पुष्टि कर सकते हैं कि सीएसआईएस के निदेशक डेविड विग्नॉल्ट ने भारत का दौरा किया, लेकिन हम बंद कमरे में हुई बैठकों की प्रकृति या विषय-वस्तु पर कोई टिप्पणी नहीं करते। उन्होंने कहा, जैसा कि मैंने कहा, जब से कनाडा को विश्वसनीय आरोपों के बारे में पता चला है, हमने निज्जर मामले पर भारत को विभिन्न माध्यमों से सभी सूचनाएं लगातार उपलब्ध कराई हैं। उन्होंने कहा, इस बात की तस्दीक प्रधानमंत्री ट्रूडो और कनाडा के लोक सुरक्षा मंत्री ने भी सार्वजनिक तौर पर की है।अधिकारी ने कहा, शुरू से ही कनाडा की प्राथमिकता सच्चाई और जवाबदेही सुनिश्चित करना रही है। यह हमारे दोनों देशों के हित में है। इस संबंध में, कनाडा आरसीएमपी के नेतृत्व में चल रही स्वतंत्र जांच के महत्व को रेखांकित करता रहा है। उन्होंने कहा, आरसीएमपी की एकीकृत हत्या जांच टीम द्वारा चल रही पुलिस जांच को देखते हुए, हम आपको हरदीप सिंह निज्जर मामले से संबंधित साक्ष्यों पर प्रश्नों के लिए आरसीएमपी को संदर्भित करते हैं।

विग्नॉल्ट की यात्रा के बारे में पूछे जाने पर भारतीय पक्ष की ओर से कोई टिप्पणी नहीं की गई।उपरोक्त सूत्रों ने बताया कि विग्नॉल्ट के अलावा कुछ अन्य कनाडाई अधिकारी भी इस वर्ष निज्जर की हत्या से संबंधित मामले के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा करने के लिए भारत आए थे। भारत आधिकारिक तौर पर कहता रहा है कि उसे कनाडा से इस मामले से संबंधित कोई विशेष जानकारी नहीं मिली है। भारत का कहना है कि मुख्य मुद्दा यह है कि कनाडा ने अपनी धरती से गतिविधियां चला रहे खालिस्तान समर्थक तत्वों को बिना किसी रोक-टोक के जगह दी है। पिछले कुछ महीनों में भारत, कनाडा में अपने राजनयिकों की सुरक्षा पर चिंता व्यक्त करता रहा है तथा ओटावा से यह सुनिश्चित करने का आग्रह करता रहा है कि वे बिना किसी भय के अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन कर सकें।खालिस्तानी समर्थक तत्वों द्वारा भारतीय राजनयिकों को नुकसान पहुंचाने की धमकी देने के कई मामले सामने आए हैं। पिछले साल ट्रूडो के आरोपों के कुछ दिनों बाद, भारत ने समानता सुनिश्चित करने के लिए कनाडा से देश में अपनी राजनयिक उपस्थिति कम करने को कहा था। इसके बाद कनाडा ने भारत से 41 राजनयिकों और उनके परिवार के सदस्यों को वापस बुला लिया।

किसान संगठनों ने सीआईएसएफ महिला कांस्टेबल के समर्थन में मार्च निकाला

भाषा। चंडीगढ़

संयुक्त किसान मोर्चा (गैर-राजनीतिक) और किसान मजदूर मोर्चा सहित कई किसान संगठनों ने रविवार को केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) की उस महिला कांस्टेबल के समर्थन में मोहाली में मार्च निकाला, जिसने बॉलीवुड अभिनेत्री एवं भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की नवनिर्वाचित सांसद कंगना रनौत को कथित तौर पर थप्पड़ मारा था। किसान नेताओं ने मांग की कि मामले की निष्पक्ष जांच की जानी चाहिए और महिला कांस्टेबल कुलविंदर कौर के साथ कोई अन्याय नहीं होना चाहिए। मोहाली के गुरुद्वारा अम्ब साहिब से शुरू हुए मार्च के मद्देनजर पर्याप्त सुरक्षाकर्मियों को तैनात किया गया था।किसान नेता सरवन सिंह पंधेर ने पत्रकारों से कहा कि मामले की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए और यह पता लगाया जाना चाहिए कि इस घटना का कारण क्या था। उन्होंने कहा कि महिला कांस्टेबल के साथ कोई अन्याय नहीं होना चाहिए। किसान नेताओं ने पंजाब के लोगों के खिलाफ कथित भड़काऊ बयान देने के लिए रनौत पर भी निशाना साधा। कौर किसानों के विरोध प्रदर्शन पर रनौत के रुख से नाराज थीं। हवाई अड्डों पर सुरक्षा प्रदान करने वाले सीआईएसएफ ने भी घटना की कोर्ट ऑफ इंक्वायरी के आदेश दिए हैं। मोहाली पुलिस ने कौर के खिलाफ भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धाराओं 323 (स्वेच्छा से चोट पहुंचाने के लिए सजा) और 341 (गलत तरीके से रोकने की सजा) के तहत मामला दर्ज किया है। दोनों ही जमानती अपराध हैं। कंगना ने बृहस्पतिवार को एक वीडियो संदेश में कहा था कि चंडीगढ़ हवाई अड्डे पर सुरक्षा जांच के दौरान सीआईएसएफ की एक कांस्टेबल ने उन्हें थप्पड़ मारा और उनके साथ दुर्व्यवहार किया। हिमाचल प्रदेश की मंडी सीट से निर्वाचित होने के दो दिन बाद यह घटना हुई थी। कंगना ने कहा था, कांस्टेबल बगल से उनकी ओर आई तथा उसने मेरे चेहरे पर (थप्पड़) मारा और मुझे गालियां देनी शुरू कर दी। मैंने उससे पूछा कि उसने ऐसा क्यों किया तो उसने कहा कि वह किसानों के विरोध प्रदर्शन का समर्थन करती है। नव निर्वाचित सांसद ने कहा था, मैं सुरक्षित हूं, लेकिन मेरी चिंता यह है कि पंजाब में आतंकवाद और उग्रवाद बढ़ रहा है...। सोशल मीडिया पर वायरल एक अन्य वीडियो में घटना के बाद कांस्टेबल को लोगों से बात करते देखा गया था। कांस्टेबल को वीडियो में यह कहते सुना जा सकता है, कंगना ने (पहले) बयान दिया था कि किसान दिल्ली में इसलिए विरोध प्रदर्शन कर रहे थे, क्योंकि उन्हें 100 या 200 रुपए का भुगतान किया गया था। उस समय, मेरी मां भी प्रदर्शनकारियों में शामिल थीं।

डोसा, इडली बनाने के मिश्रण को सत्तू के रूप में वर्गीकृत नहीं किया जा सकता, देना होगा 18% जीएसटी

नई दिल्ली। इडली, डोसा और खमन बनाने के मिश्रण को सत्तू के रूप में वर्गीकृत नहीं किया जा सकता है और उन पर 18 प्रतिशत जीएसटी लगाया जाना चाहिए। गुजरात अग्रिम निर्णय अपीलीय प्राधिकरण (जीएएआर) ने यह फैसला सुनाया है। गुजरात स्थित किचन एक्सप्रेस ओवरसीज लिमिटेड ने जीएसटी अग्रिम प्राधिकरण के फैसले के खिलाफ एएएआर से संपर्क किया था। कंपनी ने कहा था कि उसके सात इंस्टेंट आटा मिक्स तैयार भोजन नहीं है और उन्हें खाना पकाने की कुछ प्रक्रियाओं से गुजरना पड़ता है। कंपनी गोटा, खमन, दालवड़ा, दही-वड़ा, ढोकला, इडली और डोसा के आटे के मिश्रण को पाउडर के रूप में बेचती है। जीएएएआर ने अपीलकर्ता की दलील को खारिज करते हुए कहा कि इंस्टेंट आटा मिक्स बनाने में इस्तेमाल होने वाली सामग्री प्रासंगिक जीएसटी नियमों के तहत शामिल नहीं है, जैसा कि सत्तू के मामले में है। सीबीआईसी के परिपत्र के अनुसार सत्तू पर पांच प्रतिशत की दर से जीएसटी लागू है। जीएएएआर ने कहा कि अपीलकर्ता के उत्पादों में मसाले और अन्य सामग्री भी शामिल हैं, जबकि सत्तू के मामले में ऐसा नहीं है।

राजग सरकार शपथ ले रही है मोदी सरकार नहीं: मनोज झा

नई दिल्ली (भाषा)। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) नेता मनोज झा ने रविवार को कहा कि इस बार राष्ट्रीय जनता दल (राजग) सरकार शपथ ले रही है न कि मोदी सरकार। उन्होंने उम्मीद जताई कि सत्तारूढ़ सरकार रोजगार उपलब्ध कराने जैसे मुद्दों पर काम करेगी। झा ने यह भी कहा कि राजद शपथ ग्रहण समारोह में शामिल नहीं होगा और कांग्रेस प्रमुख एवं राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे इंडिया गठबंधन का प्रतिनिधित्व करेंगे। नरेन्द्र मोदी रविवार को अपने मंत्रिमंडल के सदस्यों के साथ प्रधानमंत्री के रूप में लगातार तीसरी बार शपथ लेंगे। झा ने पीटीआई-वीडियो से कहा, राजग सरकार आज शपथ ले रही है...लंबे समय के बाद, यह मोदी सरकार नहीं, राजग सरकार है। राजद नेता ने कहा, हमें उम्मीद है कि इस बार समाज में ध्रुवीकरण कम होगा, कमजोर वर्गों के जीवन में सुधार होगा और सरकार साठगांठ वाले पूंजीवाद से मुक्त होगी। आज युवाओं की सबसे बड़ी जरूरत रोजगार है, इसलिए रोजगार एक बड़ा मुद्दा है, उन्हें इस पर काम करना चाहिए। राज्यसभा सदस्य झा ने चुनाव प्रचार को लेकर भी भाजपा पर हमला बोला। उन्होंने कहा, प्रचार के दौरान इसने भैंस से लेकर मंगलसूत्र और मुजरा तक का उल्लेख किया। मुझे उम्मीद है कि वह अपने रवैए में सुधार करेगी। लोकसभा चुनाव के लिए प्रचार के दौरान गुजरात के बनासकांठा में एक रैली में मोदी ने चेतावनी दी थी कि कांग्रेस लोगों की भैंसें छीन लेगी। उन्होंने उत्तर प्रदेश के अलीगढ़ में एक अन्य रैली में कहा था कि अगर कांग्रेस केंद्र में सत्ता में आई तो वह सुहागिनों का मंगलसूत्र छीन लेगी।

बिहार के पटना में एक रैली में मोदी ने विपक्ष पर वोट के लिए मुजरा करने का आरोप लगाया था। झा ने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की जनता दल (यूनाइटेड) किंगमेकर के रूप में उभर रही है, इसलिए उसे बिहार की विशेष दर्जे की लंबे समय से चली आ रही मांग को पूरा कराना चाहिए। झा ने कहा, तेजस्वी (यादव) ने साफ कहा है कि नीतीश जी किंगमेकर की भूमिका में हैं। हमें उम्मीद है कि विशेष दर्जे और विशेष पैकेज की मांग जारी रहेगी। उन्होंने कहा, देश भर में जाति जनगणना होनी चाहिए और बिहार में आरक्षण में वृद्धि को संविधान की अनुसूची 9 में जोड़ा जाना चाहिए। बिहार के लिए कृषि आधारित उद्योगों का खाका भी बनाया जाना चाहिए। यह पूछे जाने पर कि क्या वह शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होंगे, झा ने कहा कि कुछ कार्ड रविवार को ही उन्हें दिए गए थे, लेकिन उनके लिए 24 घंटे पहले इसकी प्रतिपुष्टि भेजना जरूरी था।

जेईई-एडवांस्ड के नतीजे घोषित
आईआईटी दिल्ली जोन के वेद लाहोटी अव्वल

नई दिल्ली। संयुक्त प्रवेश परीक्षा (जेईई)-एडवांस्ड के नतीजे रविवार सुबह घोषित कर दिए गए, जिसमें भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) दिल्ली जोन के वेद लाहोटी ने 360 में से 355 अंक हासिल कर शीर्ष स्थान प्राप्त किया है, जो अब तक सबसे अधिक हैं। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। पिछला रिकॉर्ड 352 अंक का था, जो 2022 में बना था। इस बार परीक्षा आयोजित करने वाले आईआईटी मद्रास के अनुसार, आईआईटी बंबई जोन की द्विजा धर्मेशकुमार पटेल को 360 में 322 अंक मिले और वह छात्राओं में शीर्ष स्थान पर रहीं, वहीं देशभर में वह सातवें स्थान पर रहीं।

शीर्ष 10 स्थान हासिल करने वाले अभ्यर्थियों में से चार आईआईटी मद्रास से हैं। परीक्षा में दूसरे स्थान पर आदित्य (दिल्ली जोन) और तीसरे स्थान पर भोगलपल्ली संदेश (मद्रास जोन) रहे।रिदम केडिया (आईआईटी रूड़की जोन), पुट्टी कुशल कुमार (आईआईटी मद्रास), राजदीप मिश्रा (आईआईटी बंबई जोन), कोदुरी तेजेश्वर (आईआईटी मद्रास ज़ोन), ध्रुवी हेमंत दोशी (आईआईटी बंबई जोन) और अल्लादाबोना एसएसडीबी सिधविक सुहास (आईआईटी मद्रास जोन) ने इसी क्रम में अगली रैंक हासिल की है।आईआईटी मद्रास जोन से सबसे अधिक अभ्यर्थी उत्तीर्ण हुए हैं। इसके बाद आईआईटी दिल्ली जोन और आईआईटी बॉम्बे जोन हैं। शीर्ष 500 सफल अभ्यर्थियों में से 145 आईआईटी मद्रास जोन के हैं, इसके बाद 136 आईआईटी बॉम्बे जोन से और 122 आईआईटी दिल्ली जोन के हैं। कुल सात विदेशी अभ्यर्थियों ने परीक्षा उत्तीर्ण की है, जबकि 179 भारतीय प्रवासी नागरिक (ओसीआई) भी इस परीक्षा में उत्तीर्ण हुए हैं। रैंक सूची में शामिल होने के मानदंड को समझाते हुए, आईआईटी मद्रास के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, "कुल अंकों की गणना गणित, भौतिकी और रसायन विज्ञान में प्राप्त अंकों के योग के रूप में की जाएगी। रैंक सूची में शामिल होने के लिए उम्मीदवारों को विषयवार और कुल योग्यता अंकों को पूरा करना होगा। आईआईटी-जेईई एडवांस्ड में दोनों परीक्षा में कुल 1,80,200 अभ्यर्थी शामिल हुए, जिनमें से 48,248 उत्तीर्ण हुए। कुल उत्तीर्ण अभ्यर्थियों में 7,964 महिला अभ्यर्थी शामिल हैं। देशभर के इंजीनियरिंग कॉलेजों में दाखिले के लिए जेईई-मेन परीक्षा आयोजित की गई थी, जो जेईई-एडवांस्ड के लिए क्वालीफाइंग परीक्षा है। यह परीक्षा 26 मई को आयोजित की गई थी।

क्या नए वित्तमंत्री अरबपति कर के वैश्विक प्रयास का समर्थन करेंगे: कांग्रेस

भाषा। नई दिल्ली

कांग्रेस ने नई सरकार के शपथग्रहण समारोह से पहले रविवार को पूछा कि क्या भारत के नए वित्त मंत्री अरबपति करों के वैश्विक प्रयास का समर्थन करेंगे और प्रधानमंत्री आम लोगों या अरबपतियों में से किसके साथ खड़े होंगे। मनोनीत प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी रविवार को अपनी मंत्रिपरिषद के सदस्यों के साथ लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री पद की शपथ लेंगे।कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने भाजपा-नीत सरकार पर कटाक्ष करते हुए एक्स पर एक पोस्ट में कहा, "इस साल, एक तिहाई प्रधानमंत्री के पास यह दिखाने का मौका है कि वह आम लोगों के साथ खड़े हैं, या अरबपतियों के साथ। ब्राजील में जी20 में, ब्राजील, फ्रांस, स्पेन, दक्षिण अफ्रीका और जर्मनी के वित्त मंत्रियों द्वारा समर्थित अरबपतियों पर वैश्विक न्यूनतम कर लगाने संबंधी प्रस्ताव पर चर्चा की जाएगी। क्या भारत के अगले वित्त मंत्री अरबपति कर के लिए वैश्विक प्रयास का समर्थन करेंगे। रमेश ने दावा किया कि दुनिया भर में, अरबपति कानूनी खामियों, विदेश स्थित संपत्ति, मुखौटा कंपनियों या अन्य योजनाओं के माध्यम से कामकाजी लोगों की तुलना में कम कर का भुगतान करने में कामयाब रहते हैं। उन्होंने कहा कि यह सुनिश्चित करने के लिए कि धनी लोग अपना उचित हिस्सा अदा करें, नवंबर 2024 में ब्राजील की अध्यक्षता में जी20 में अरबपतियों पर वैश्विक न्यूनतम कर लगाने के प्रस्ताव पर चर्चा की जाएगी। कांग्रेस नेता ने कहा कि इस तरह के कर से हर साल वैश्विक स्तर पर "21 लाख करोड़ जुटाए जाएंगे, जिससे स्वास्थ्य देखभाल, शिक्षा, आवास और जलवायु परिवर्तन जैसे क्षेत्रों के लिए महत्वपूर्ण धन उपलब्ध होगा। रमेश ने कहा, इस बात पर भी गौर करें कि ब्राजील ने बिना किसी नाटक के जी-20 की अध्यक्षता संभाली है और इसका इस्तेमाल किसी दार्शनिक बकवास के लिए नहीं, बल्कि सार्थक नीति को आगे बढ़ाने के लिए किया है। कांग्रेस नेता ने अपने पोस्ट में कहा, "इसके विपरीत, फोटो-जीवी नरेन्द्र मोदी ने जी20 की अध्यक्षता को किसी प्रकार की विदेश-नीति की उपलब्धि के रूप में चित्रित करने के लिए पूरे अध्यक्षता काल में भारत के हर होर्डिंग, स्कूल और पेट्रोल पंप पर अपना चेहरा चस्पा करने में बिताया। भारत की बारी पहले से तय थी और यह अपरिहार्य थी।

रामोजी राव का हैदराबाद में अंतिम संस्कार किया गया

हैदराबाद। मीडिया जगत की जानी मानी हस्ती एवं रामोजी समूह के अध्यक्ष रामोजी राव का रविवार को हैदराबाद में अंतिम संस्कार कर दिया गया। रामोजी फिल्म सिटी में पूरे राजकीय सम्मान के साथ उनका अंतिम संस्कार किया गया। उनके बेटे किरण ने चिता को मुखाग्नि दी।खबरों और मनोरंजन की दुनिया में व्यापक बदलाव लाने वाले रामोजी समूह के अध्यक्ष रामोजी राव का शनिवार की सुबह यहां एक अस्पताल में निधन हो गया था। वह 88 वर्ष के थे। रामोजी राव के अंतिम संस्कार में तेलुगु देशम पार्टी (तेदेपा) प्रमुख एन. चंद्रबाबू नायडू समेत कई नेता शामिल हुए। रामोजी राव ने समाचार पत्र ईनाडु और ईटीवी चैनल समूह की शुरुआत करके अविभाजित आंध्र प्रदेश में मीडिया जगत में क्रांतिकारी बदलाव किया था। उन्हें पद्म विभूषण से सम्मानित किया गया था।आंध्र प्रदेश सरकार ने नौ और 10 जून को राजकीय शोक की घोषणा की है। एक आधिकारिक संदेश में कहा गया है कि राजकीय शोक के दौरान पूरे राज्य में राष्ट्रीय ध्वज आधा झुका रहेगा और आधिकारिक रूप से किसी उत्सव का आयोजन नहीं किया जाएगा। पूर्व उपराष्ट्रपति एम. वेंकैया नायडू, भारत के पूर्व मुख्य न्यायाधीश एन. वी. रमण, तेलगु देशम पार्टी (तेदेपा) प्रमुख एन चंद्रबाबू नायडू, तेलंगाना के मंत्री तुम्मला नागेश्वर राव और डी सीताक्का, फिल्म जगत के सदस्यों और अन्य लोगों ने रामोजी राव को श्रद्धांजलि अर्पित की। चंद्रबाबू नायडू उनकी अर्थी को कंधा देने में शामिल हुए।उन्होंने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में कहा, मैंने भारी मन से अंतिम संस्कार में हिस्सा लिया और तेलुगु जगत के दिग्गज रामोजी राव को अंतिम विदाई दी। वह अब हमारे बीच नहीं है, लेकिन वह एक मार्गदर्शक के रूप में हमें प्रेरित करते रहेंगे।

पेज 1 का शेष

तीसरी पारी...

शाहरुख खान, अनिल कपूर और रजनीकांत तथा उद्योगपति मुकेश अंबानी और गौतम अडानी भी शामिल हुए। अभिनेता अक्षय कुमार, रवीना टंडन, अनुपम खेर और विक्रांत मैसी भी मौजूद थे। अंबानी अपने बेटों अनंत और आकाश तथा दामाद आनंद पीरामल के साथ मौजूद थे, जबकि अडानी अपनी पत्नी प्रीति और भाई राजेश अडानी के साथ थे। इस कार्यक्रम में अभिनेता अनिल कपूर, अनुपम खेर, रवीना टंडन, विक्रांत मैसी, निर्देशक राजकुमार हिरानी और निर्माता महावीर जैन भी मौजूद थे। अभिनेता से राजनेता बने रजनीकांत, अभिनेता और जन सेना पार्टी के अध्यक्ष पवन कल्याण भी मौजूद थे। वर्ष 2002 में गोधरा ट्रेन अग्निकांड के बाद राज्य में हुए दंगों की छाया में आयोजित गुजरात विधानसभा चुनावों में पहली बार भाजपा का नेतृत्व करने के बाद से मोदी ने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा। जबकि उनके विरोधियों ने वर्ष 2002 में उन्हें राजनीतिक रूप से खारिज कर दिया था, मोदी अपनी पार्टी के लिए हिंदुत्व और विकास का विजयी मिश्रण बन गए हैं। हालांकि वर्ष 2024 के लोकसभा के हाई वोल्टेज अभियान और फिर पिछले हफ्ते के नतीजों के बाद, मोदी को अब पार्टी के भीतर सबसे मजबूत विरोध का सामना करना पड़ रहा है। विशेष रूप से धार्मिक आधार पर चुनावी रणनीति तैयार करने पर सवाल उठाया जा रहा है क्योंकि विपक्ष ने उत्तर प्रदेश सहित कई राज्यों में भाजपा को नुकसान पहुंचा है, जहां सपा-कांग्रेस गठबंधन ने भाजपा नीत गठबंधन को परास्त किया है।

नई बोतल...

कहा कि उन्हें आश्वासन दिया गया है कि 'सुधारात्मक उपाय' किए जाएंगे। मोदी 2.0 और मोदी 3.0 के बीच एक बड़ा अंतर यह है कि लोकसभा में भाजपा की संख्या बहुमत के निशान से नीचे चली गई है और अब यह जादुई आंकड़ा पार करने के लिए एनडीए सहयोगियों पर निर्भर है। इसका मतलब है कि उसे मंत्रिपरिषद में भी अपने सहयोगियों को शामिल करने की जरूरत है। राष्ट्रपति भवन में उत्सुकता से प्रतीक्षित शपथ ग्रहण समारोह से कुछ घंटे पहले, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नवनिर्वाचित सांसदों से बातचीत की, जो लगातार तीसरे कार्यकाल में मंत्रिपरिषद का हिस्सा बनने वाले हैं और उनसे 100 दिनों की कार्ययोजना तैयार करने और जल्द से जल्द उस पर काम करने को कहा। मोदी ने सभी सांसदों को बधाई दी और उन्हें काम के दौरान दूसरों से प्रभावित न होने की सलाह दी। शपथ ग्रहण समारोह से पहले मोदी ने अपने आवास पर आने वाले मंत्रियों को जानकारी दी और आगे बढ़ने के लिए सरकार के एजेंडे और प्राथमिकताओं के बारे में बताया। अमित शाह, राजनाथ सिंह, नितिन गडकरी, पीयूष गोयल, निर्मला सीतारमण, एस जयशंकर, शिवराज सिंह चौहान उन लोगों में शामिल थे जो पहली पंक्ति में बैठे थे। मोदी ने सभी से कहा, आपको जो भी काम सौंपा जाएगा, उसे ईमानदारी से करें और विनम्र रहें क्योंकि लोग विनम्र लोगों को पसंद करते हैं। इस समूह में निवर्तमान सरकार के वरिष्ठ मंत्री और नए मंत्री शामिल थे। उन्होंने कहा कि मनोनीत मंत्रियों को हमेशा विनम्र रहना चाहिए और सरकारी कर्मचारियों और अधिकारियों का सम्मान करना चाहिए। उन्होंने चाय पर बैठक में कहा, एक टीम के रूप में और टीम भावना के साथ काम करें... आप ईमानदारी और पारदर्शिता से समझौता नहीं कर सकते। इस बात का ध्यान रखें। 2014 से कैबिनेट गठन की प्रक्रिया से पहले उन्होंने इस परंपरा का पालन किया है।

दक्षिण की...

यह पहली बार है कि भारतीय जनता पार्टी अपने दम पर बहुमत पाने में विफल रही है। मोदी सरकार के सहयोगी दलों पर निर्भर रहने के कारण एनडीए के सहयोगियों को अचानक से अधिक जगह मिल गई है।

मोदी की...

कांग्रेस विधायक के रूप में पहली बार राज्य विधानसभा के लिए चुने गए मांझी ने हमेशा राज्य सरकार में एक प्रमुख स्थान रखा है। हालांकि उत्तर प्रदेश में भाजपा के खराब प्रदर्शन के कारण मोदी सरकार के मंत्रिपरिषद में प्रतिनिधित्व कम कर दिया गया और पार्टी के दिग्गज नेता राजनाथ सिंह, पार्टी के सहयोगी एसपीएस बघेल, कमलेश पासवान, सावित्री ठाकुर और जितिन प्रसाद के अलावा गठबंधन सहयोगी अनुप्रिया पटेल को जगह मिली।

भाजपा के...

भी कैबिनेट में जगह नहीं मिली है। प्रसाद ने कांग्रेस पार्टी के अंशुल अविजित के खिलाफ पटना साहिब सीट से जीत हासिल की है। शशि थरूर से करीबी मुकाबले में हारने वाले चंद्रशेखर को नई सरकार में मंत्रिमंडल से बाहर कर दिया गया है। वे इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय तथा जल शक्ति मंत्रालय के राज्य मंत्री थे। केंद्रीय ऊर्जा मंत्री आरके सिंह को भी मंत्रिमंडल से बाहर कर दिया गया है। सिंह आरा सीट पर सीपीआई (एमएल) उम्मीदवार सुदामा प्रसाद से 60,000 से अधिक मतों के अंतर से हार गए थे। कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री कैलाश चौधरी न केवल हारे, बल्कि राजस्थान के बाड़मेर में तीसरे स्थान पर रहे। अर्जुन मुंडा को भी मंत्रिमंडल से बाहर कर दिया गया है, क्योंकि मुंडा खूंटी लोकसभा सीट पर कांग्रेस के कालीचरण मुंडा से 1.49 लाख मतों से हार गए थे। मोदी सरकार में केंद्रीय मंत्री अजय मिश्रा टेनी को भी 3. 0 से बाहर कर दिया गया। पूर्व केंद्रीय मंत्री और पूर्व सेना प्रमुख वीके सिंह को भी मंत्रिमंडल से बाहर कर दिया गया। उन्हें गाजियाबाद सीट से टिकट नहीं मिला था। वहीं केंद्रीय मंत्री साध्वी निरंजन ज्योति फतेहपुर से समाजवादी पार्टी के नरेश चंद्र उत्तम पटेल से 33,199 मतों से हार गईं थी। केंद्रीय मंत्री भानु प्रताप सिंह वर्मा को भी मंत्रिमंडल में जगह नहीं मिली है। वर्मा मोहनलालगंज में सपा के नारायण धर अहिरवार से हार गए थे, जहां सपा के आरके चौधरी ने केंद्रीय मंत्री और दो बार के सांसद कौशल किशोर को 70,000 से अधिक मतों से हराया था।

ओडिशा...

पांडियन ने चुनावों में हार के लिए उन्हें जिम्मेदार ठहराए जाने की स्थिति में लोगों, बीजू जनता दल (बीजद) नेताओं व कार्यकर्ताओं से माफी भी मांगी। राजनीति में आने का मेरा एकमात्र मकसद नवीन बाबू की सहायता करना था। अब मैंने सक्रिय राजनीति छोड़ने का फैसला किया है। यदि इस सफर में मैंने किसी को कोई ठेस पहुंचाई हो, तो मुझे माफ कर दें। यदि मेरे खिलाफ विमर्श ने बीजद की हार में कोई भूमिका निभाई है, तो मुझे खेद है।

कश्मीर...

जम्मू-कश्मीर पुलिस प्रवक्ता के बयान के अनुसार, शाम करीब 6.10 बजे राजौरी जिले की सीमा से लगे रियासी जिले के पौनी इलाके में शिव खोड़ी से कटरा जा रही तीर्थयात्रियों की बस को आतंकवादियों ने हथियारों से निशाना बनाया। बस चालक को टक्कर लगी और वह नियंत्रण खो बैठा, जिससे बस पास की खाई में जा गिरी। स्थानीय ग्रामीणों की मदद से पुलिस ने रात 8.10 बजे तक सभी यात्रियों को बाहर निकाल लिया। एसपी रियासी ने निकासी की निगरानी की और घायलों को विभिन्न अस्पतालों में भेजा।

मोदी के पास...

सत्ताधारी सरकार रोजगार उपलब्ध कराने जैसे मुद्दों पर काम करेगी। नवनिर्वाचित टीएमसी लोकसभा सांसद सुदीप बंद्योपाध्याय ने कहा कि सरकार ने रविवार को शपथ ली, जो लोकतांत्रिक प्रक्रिया के अनुसार ठीक है, लेकिन हमारी नेता ममता बनर्जी (टीएमसी प्रमुख और पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री) ने घोषणा की है कि यह सरकार लंबे समय तक नहीं चल सकती। इस चुनाव में अपनी बढ़त से उत्साहित विपक्ष की संसद के कामकाज में भूमिका के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि अगर सदन में सही तरीके से प्रबंधन होता है तो यह अधिक रचनात्मक होगा। उन्होंने कहा, विपक्ष की भूमिका सकारात्मक होगी। हम अपने फैसले खुद लेंगे... हम भी इंडिया अलायंस के भागीदार हैं। अगर सदन में सही तरीके से प्रबंधन होता है तो विपक्ष की भूमिका अधिक रचनात्मक होगी। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी समेत सभी मुख्यमंत्रियों और राजनीतिक दलों के प्रमुखों को निमंत्रण भेजा गया था, लेकिन वे इसमें शामिल नहीं हुए। वामपंथी नेता सीताराम येचुरी और डी राजा ने कहा कि वे शपथ ग्रहण समारोह में नहीं जा रहे हैं। टीएमसी नेता सागरिका घोष ने सोशल मीडिया पर अपना निमंत्रण पत्र पोस्ट करते हुए कहा कि वे समारोह में शामिल नहीं होंगी।

मंत्रिपरिषद के सदस्यों को मोदी की नसीहत

● विनम्र रहें और ईमानदारी व पारदर्शिता से समझौता न करें

भाषा। नई दिल्ली

मनोनीत प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने उनके नेतृत्व वाली अगली सरकार में मंत्रियों के तौर पर रविवार को शपथ लेने वाले सभी नेताओं को नसीहत दी कि उन्हें विनम्र रहना चाहिए, क्योंकि आम लोग यही पसंद करते हैं। मोदी ने साथ ही उन्हें ईमानदारी एवं पारदर्शिता से कभी कोई समझौता न करने की भी सलाह दी।सूत्रों ने बताया कि नामित मंत्रियों से मुलाकात के दौरान मोदी ने कहा कि लोगों की उनसे काफी अपेक्षाएं हैं और सभी को इसे पूरा करना होगा।मोदी रविवार को अपनी मंत्रिपरिषद के सदस्यों के साथ प्रधानमंत्री के रूप में लगातार तीसरे कार्यकाल के लिए शपथ लेंगे।उन्होंने निवर्तमान मंत्रिपरिषद के कई वरिष्ठ नेताओं और मंत्री पद की शपथ लेने वाले नए नेताओं को संबोधित करते हुए कहा, आपको जो भी काम सौंपा जाएगा, उसे ईमानदारी से करें और विनम्र रहें क्योंकि लोग उनसे प्यार करते हैं जो विनम्र होते हैं। सूत्रों ने बताया कि मनोनीत प्रधानमंत्री ने उनसे यह भी कहा कि वे सभी सांसदों को सम्मान और गरिमा दें चाहे वे किसी भी पार्टी के हों, क्योंकि उनमें से सभी को लोगों ने चुना है।उन्होंने कहा कि मनोनीत मंत्रियों को हमेशा विनम्र होना चाहिए और सरकारी कर्मचारियों और अधिकारियों का सम्मान भी करना चाहिए।उन्होंने चाय पर नेताओं के साथ चर्चा में कहा, ... आप ईमानदारी और पारदर्शिता से समझौता नहीं कर सकते। साल 2014 में मोदी जब पहली बार प्रधानमंत्री बने थे, तभी से यह एक परंपरा सी बन गई है कि मोदी मंत्रिपरिषद के गठन से पहले नेताओं को चाय पर बुलाते हैं, उनसे चर्चा करते हैं और उन्हें सलाह के साथ-साथ नसीहत भी देते हैं।प्रधानमंत्री आवास पर हुई बैठक में अमित शाह, राजनाथ सिंह, नितिन गडकरी, पीयूष गोयल, अश्विनी वैष्णव, निर्मला सीतारमण और मनसुख मंडाविया जैसे वरिष्ठ नेता मौजूद थे।मंत्रिपरिषद में शामिल किए जाने वाले नए चेहरों में मनोहर लाल खट्टर, शिवराज सिंह चौहान, बंडी संजय कुमार और रवनीत सिंह बिट्टू सहित कई अन्य नेता मौजूद थे।

तेदेपा सांसद पेम्मासानी 18वीं लोकसभा में शपथ लेने वाले सबसे अमीर मंत्री

भाषा। नई दिल्ली

तेलुगू देशम पार्टी (तेदेपा) के सांसद डॉ. चंद्रशेखर पेम्मासानी 5700 करोड़ रुपए की संपत्ति के साथ 18वीं लोकसभा में मंत्रिपरिषद में शामिल होने वाले सबसे अमीर मंत्री हैं। रविवार को राज्य मंत्री के रूप में शपथ लेने वाले पेम्मासानी लोकसभा चुनाव लड़ने वाले सबसे अमीर उम्मीदवार भी थे। उन्होंने सभी 8390 उम्मीदवारों में सबसे ज्यादा 5705 करोड़ रुपए की संपत्ति घोषित की। कैबिनेट रैंक वाले मंत्रियों में ज्योतिरादित्य सिंधिया के पास 484 करोड़ रुपए की संपत्ति है। जीतने वाले लोकसभा सांसदों में संपत्ति के लिहाज से वह छठे स्थान पर हैं। लोकसभा चुनाव में शीर्ष 10 सबसे अमीर विजेताओं में मंत्री के रूप में शपथ लेने वाले केवल दो लोग पेम्मासानी और सिंधिया हैं।

भाजपा कार्यकर्ता के रूप में काम करता रहूंगा: अनुराग ठाकुर

भाषा। नई दिल्ली

भाजपा नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार के नए मंत्रियों की सूची में अपना नाम नहीं होने के बाद पूर्व केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने रविवार को कहा कि वह पार्टी कार्यकर्ता के रूप में काम करते रहेंगे और भारत को एक विकसित देश बनाने के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के संकल्प को पूरा करने में योगदान देंगे। ठाकुर ने मोदी और उनके मंत्रियों की टीम को बधाई दी और कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत राजग सरकार में जिन लोगों को मंत्री पद के लिए चुना गया है, वे बहुत सक्षम हैं।निवर्तमान सूचना एवं प्रसारण मंत्री ने कहा कि वे देश को प्रगति के पथ पर ले जाने के लिए हर संभव प्रयास करेंगे।हाल में संपन्न लोकसभा चुनाव में ठाकुर हिमाचल प्रदेश के हमीरपुर से संसद के निचले सदन के लिए पुन: निर्वाचित हुए हैं।जब उनसे पूछा गया कि क्या उन्हें हिमाचल प्रदेश में कोई महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मिलेगी, इस पर ठाकुर ने यहां पत्रकारों से कहा, मैं पहले पार्टी का कार्यकर्ता हूं। हिमाचल प्रदेश के हमीरपुर की जनता ने मुझे लगातार पांचवीं बार लोकसभा के लिए चुना है। पांचवीं बार लोकसभा के लिए चुना जाना अपने आप में बहुत बड़ा सम्मान है। ठाकुर ने कहा, भाजपा ने मुझे पांच बार लोकसभा चुनाव लड़ने का मौका दिया है। मेरे लिए इससे बड़ा अवसर कोई और नहीं हो सकता। उन्होंने कहा, मैंने पहले भी पार्टी कार्यकर्ता के तौर पर काम किया है और आगे भी पार्टी कार्यकर्ता के तौर पर काम करता रहूंगा। हमारा पूरा प्रयास भारत को प्रगति के पथ पर ले जाना है। हम सब साथ-साथ चलेंगे क्योंकि भारत महत्वपूर्ण है, मोदी सरकार महत्वपूर्ण है और देश की प्रगति महत्वपूर्ण है। ठाकुर ने कहा कि उन्हें पूरा विश्वास है कि मनोनीत प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में देश नई ऊंचाइयों को छुएगा और तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था तथा विकसित देश बनेगा।

अमृतपाल लोस सदस्य की शपथ लेने के लिए जमानत याचिका दाखिल करेगा

चंडीगढ़। जेल मे बंद कट्टरपंथी सिख उपदेशक और खडूर साहिब लोकसभा सीट से निर्वाचित अमृतपाल सिंह ने पंजाब सरकार को पत्र लिखकर संसद सदस्य के रूप मे शपथ लेने के लिए असम की जेल से अस्थाई जमानत देने की गुहार लगाएगा। उसके वकील ईमान सिंह खारा ने रविवार को यह जानकारी दी। उन्होंने कहा, एक या दो दिन मे वह राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (रासुका) की धारा 15 के तहत अस्थाई रिहाई के लिए पत्र लिखेंगे जो नजरबंदी से अस्थाई रिहाई से संबंधित है। वारिस पंजाब दे संगठन का प्रमुख अमृतपाल वर्तमान में रासुका के तहत नौ सहयोगियो के साथ असम की डिब्रूगढ़ जेल मे बंद है।अमृतपाल सिंह 2024 लोकसभा चुनाव में खडूर साहिब सीट से निर्दलीय मैदान में उतरा था और उसने कांग्रेस उम्मीदवार कुलबीर सिंह जीरा को परास्त किया है। अमृतपाल ने।,97,120 मतों के अंतर से जीत हासिल की है। उसे 4,04,430 मत मिले जबकि जीरा के पक्ष मे 2,07,310मतदाताओं ने मतदान किया। उसके माता-पिता तरसेम सिंह और बलविंदर कौर उससे मिलने शनिवार को असम पहुंचे।

जेईई एडवांस्ड 2024 में सफल छात्रों को बधाई

नई दिल्ली। जहाँ जीतना एक आदत बन गई है, वहीं ,एफटीआईआई जेईई को जेईई एडवांस्ड 2024 में अपने छात्रों की शानदार सफलता की घोषणा करते हुए गर्व हो रहा है। भारत का प्रमुख कोचिंग संस्थानए एफटीआईआई जेईई एडवांस्ड 2024 में देश भर में अपने छात्रों के उल्लेखनीय प्रदर्शन का जश्न मना रहा है। परिणाम न केवल उनकी असाधारण शैक्षणिक उपलब्धियों को उजागर करते हैंए बल्किएफटीआईआई जेईई के तनाव मुक्त और समग्र दृष्टिकोण की प्रभावशीलता को भी प्रमाणित करते हैंए जो उनके मूल्य प्रणालीए नैतिकता और अद्वितीय शिक्षण पद्धति द्वारा संचालित है। छात्रों और शिक्षकों दोनों की कड़ी मेहनत ने लगातार उत्कृष्ट परिणाम दिए हैं और यह लगातार 28वां वर्ष है जब संस्थान ने श्रम्म् एडवांस्ड में सफलता हासिल की है। फिटजी सभी सफल छात्रों को उनके उत्कृष्ट परिणामों के लिए बधाई देता है और उनके आईआईटी सफर और जीवन में अपार सफलता की कामना करता है। फिटजी के दो वर्षीय लाइव इंटरएक्टिव ऑनलाइन क्लासरूम प्रोग्राम - 11 , 12 के छात्र वेद लाहोटी ने जेईई एडवांस्ड 2024 में 355-360 स्कोर के साथ एआइआर 1 हासिल किया। फिटजी पंजाबी बाग सेंटर के चार वर्षीय क्लासरूम प्रोग्राम के छात्र आदित्य ने अखिल भारतीय रैंक 2 हासिल की और उन्हें जेईई एडवांस्ड 2024 में दिल्ली एनसीआर टॉपर घोषित किया गया। उन्होंने जेईई एडवांस्ड 2024 में 346-360 अंक प्राप्त किए हैं।

जगनमोहन रेड्डी और केटी. रामाराव ने दी प्रधानमंत्री मोदी को बधाई

अमरावती- हैदराबाद। वाईएसआरसीपी प्रमुख वाई. एस. जगन मोहन रेड्डी ने रविवार को नरेन्द्र मोदी को लगातार तीसरी बार भारत के प्रधानमंत्री के रूप में शपथ लेने पर बधाई दी।उन्होंने एक्स पर एक पोस्ट मे कहा, "नरेन्द्र मोदी को लगातार तीसरी बार भारत के प्रधानमंत्री के रूप में शपथ लेने पर मेरी ओर से हार्दिक बधाई। रेड्डी के नेतृत्व वाली वाईएसआरसीपी को हाल ही में आंध्र प्रदेश में एक साथ संपन्न हुए लोकसभा और विधानसभा चुनावों मे बुरी हार का सामना करना पड़ा। वाईएसआरसीपी ने 175 में से 11 विधानसभा और 25 मे से चार लोकसभा सीटें जीतीं। भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के कार्यकारी अध्यक्ष और तेलंगाना के पूर्व मंत्री केटी रामा राव ने भी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को बधाई दी। रामाराव ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, "श्री नरेन्द्र मोदी जी को भारत के प्रधानमंत्री के रूप में लगातार तीसरी बार शपथ लेने पर बधाई। हमारे महान राष्ट्र के लोगों की सेवा करते हुए सफल कार्यकाल के लिए आपको और राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के आपके सहयोगियों को शुभकामनाएं।

मोदी के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल हुए शाहरुख , राजनीकांत जैसे सितारे

भाषा। नई दिल्ली

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता नरेन्द्र मोदी ने लगातार तीसरी बार रविवार को भारत के प्रधानमंत्री पद की शपथ ली।। उनके (मोदी के) शपथ ग्रहण समारोह में शाहरुख खान, कंगना रनौत, रजनीकांत और अक्षय कुमार जैसे भारतीय सिनेमा के सितारे शामिल हुए। मोदी ने यहां राष्ट्रपति भवन में आयोजित समारोह में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार के प्रमुख के रूप में शपथ ली। समारोह में अभिनेता अनिल कपूर, अनुपम खेर, रवीना टंडन, विक्रांत मैसी, निर्देशक राजकुमार हिरानी और निर्माता महावीर जैन भी शामिल हुए। शाहरुख के साथ उनकी मैनेजर पूजा ददलानी भी थीं, जबकि रजनीकांत ने अपनी निर्माता पत्नी लता रजनीकांत के साथ कार्यक्रम में हिस्सा लिया। हिमाचल प्रदेश की मंडी लोकसभा सीट से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा)के सांसद के रूप में निर्वाचित अभिनेत्री रनौत ने अपने इंस्टाग्राम स्टोरीज पर समारोह के लिए तैयार होने के कई वीडियो साझा किए। समारोह में शामिल होने के लिए चेन्नई से रवाना से पहले रजनीकांत ने संवाददाताओं से कहा था कि यह एक बहुत ऐतिहासिक घटनाक्रम है। उन्होंने कहा, मैं प्रधानमंत्री मोदी जी को लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री बनने के लिए बधाई देता हूं...। समारोह से कुछ घंटे पहले खेर ने कहा कि शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होने का यह उनका तीसरा अवसर होगा। उन्होंने सोशल मीडिया मंच एक्स पर समारोह के निमंत्रण पत्र की प्रति साझा करते हुए पोस्ट किया, भारत का एक नागरिक होने के नाते ए मेरा शपथ ग्रहण समारोह में भाग लेने का तीसरा अवसर होगा। ए तो खास है ही है। परंतु उससे बड़ी और खास बात ए है कि तीनों बार प्रधानमंत्री वहीं हैं। आज शाम डायलॉग भी सेम ही होगा। मैं नरेन्द्र दामोदरदास मोदी ...। जय हो। जय हिंद। अभिनेता और जन सेना पार्टी के अध्यक्ष पवन कल्याण अपनी पत्नी अन्ना लेझनेवा के साथ कार्यक्रम स्थल पर पहुंचे। भोजपुरी सिनेमा के पूर्व स्टार-गायक और उत्तर-पूर्वी दिल्ली से भाजपा के सांसद मनोज तिवारी भी इस समारोह में मौजूद थे। अभिनेता-भाजपा नेता दिनेश लाल यादव ने भी कार्यक्रम में हिस्सा लिया। उन्हें फिल्मों में निरहुआ के नाम से जाना जाता है। इससे पहले अभिनेता अजय देवगन, राजकुमार राव और ऋषभ शेट्टी ने सोशल मीडिया पर मोदी को बधाई दी।

फ्लाई ओवर मैन एवं रोडकरी के नाम से मशहूर हैं नितिन गडकरी

भाषा। नई दिल्ली

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) और उससे संबंद्ध अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) से अपना सामाजिक-राजनीतिक सफर शुरू वाले नितिन गडकरी ने पहले राज्य स्तर और फिर केंद्र में सड़क परिवहन मंत्रालय में अपने काम को इतनी कुशलता से किया कि लोगों के बीच वह हाईवे मैन ऑफ इंडिया एवं रोडकरी के नाम से मशहूर हुए। वह भाजपा के उन चंद नेताओं में शामिल हैं जिनके मित्र हर राजनीतिक दल में हैं। संघ के गढ़ माने जाने वाले नागपुर में जन्मे और पले-बढ़े 67 वर्षीय गडकरी ने रविवार को मोदी सरकार के तीसरे कार्यकाल में एक बार फिर कैबिनेट मंत्री के तौर पर शपथ ली। गडकरी ने महाराष्ट्र सरकार से लेकर केंद्र सरकार तक मंत्री रहते हुए सड़कों, राजमार्ग और बंदरगाहों समेत अवसंरचना के क्षेत्र में काफी काम किया है और उन्हें देश की अनेक विकास परियोजनाओं को तय लक्ष्य पर पूरा करने के लिए भी जाना जाता है। गडकरी को पिछले 10 वर्षों में देश में 90,000 किलोमीटर से अधिक राष्ट्रीय राजमार्गों और 30,000 किलोमीटर नई सड़कों के निर्माण का श्रेय दिया जाता है। इस वर्ष की शुरुआत में पीटीआई-भाषा को दिए एक साक्षात्कार में वरिष्ठ भाजपा नेता ने कहा था कि वह लोगों की यथासंभव मदद करना चाहते हैं और उनके जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए काम करते रहना चाहते हैं। गडकरी ने नागपुर लोकसभा सीट पर निकटतम प्रतिद्वंद्वी कांग्रेस के विकास ठाकरे को एक लाख 37 हजार से अधिक मतों से पराजित किया। उन्हें इस सीट से लगातार तीसरी बार सफलता मिली है। महाराष्ट्र के नागपुर शहर में एक मध्यमवर्गीय कृषि परिवार में 1957 में जन्मे गडकरी बचपन से ही आरएसएस से जुड़ गए थे और अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) में छात्र नेता के रूप में काम करते हुए उन्होंने भारतीय जनता युवा मोर्चा (भाजयुमो) की सदस्यता ली।

मुंबई हवाई अड्डे पर एक ही रनवे पर दो विमान पहुंचे

डीजीसीए कर रहा जांच

भाषा। मुंबई

मुंबई हवाई अड्डे पर शनिवार को उस समय एक बड़ा हादसा होते-होते बच गया जब एयरलाइन इंडिगो के विमान के उतरते समय ही एयर इंडिया का एक विमान उसी हवाई पट्टी से उड़ान भरने लगा। अधिकारियों ने रविवार को कहा कि मामले की जांच नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) के साथ-साथ इंडिगो और एयर इंडिया भी कर रहे हैं। सूत्रों ने बताया कि दोनों ए320 विमानों पर कुल लगभग 300 यात्री सवार थे। हवाई अड्डे पर इंडिगो का विमान उसी रनवे 27 पर उतरा, जहां से एयर इंडिया का विमान उड़ान भर रहा था। इंडिगो ने बयान में कहा कि उसे एयर ट्रैफिक कंट्रॉल (एटीसी) से उतरने की अनुमति दे दी थी वहीं एयर इंडिया ने बयान में कहा कि उसे उड़ान भरने की मंजूरी दी गई थी। इंडिगो ने बयान में कहा, आठ जून को इंदौर से इंडिगो की फ्लाइट 6ई 6053 को मुंबई हवाई अड्डे पर एटीसी द्वारा उतरने की मंजूरी दे दी गई। प्रभारी पायलट ने उतरना जारी रखी और एटीसी के निर्देशों का पालन किया। वहीं एयर इंडिया ने कहा कि उसके विमान को एटीसी ने मंजूरी दे दी थी।एक ही रनवे पर एक विमान के उतरने और दूसरे विमान के उड़ान भरने का कथित वीडियो सोशल मीडिया पर साझा किया गया है।डीजीसीए के एक अधिकारी ने कहा, हम जांच कर रहे हैं और घटना में शामिल एटीसीओ को पहले ही ड्यूटी से हटा दिया गया है।

देवेगौड़ा ने कांग्रेस के अहंकार की निंदा की

मोदी सरकार का किया समर्थन

भाषा। नई दिल्ली

जनता दल-सेक्युलर (जद-एस) सुप्रीमो एवं पूर्व प्रधानमंत्री एच.डी. देवेगौड़ा ने रविवार को विपक्षी कांग्रेस पार्टी के अहंकार और नकारात्मकता की निंदा की और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में शपथ लेने जा रही राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार के प्रति अपनी पार्टी का पूर्ण समर्थन व्यक्त किया। देवेगौड़ा की यह टिप्पणी ऐसे समय में आई है जब उन्होंने जद (एस) को मंत्रिमंडल में प्रतिनिधित्व देने की पेशकश के लिए प्रधानमंत्री मोदी को धन्यवाद दिया और आश्वासन दिया कि उनकी पार्टी के मंत्री गठबंधन की पूर्ण प्रतिबद्धता के साथ सेवा करेंगे। उनके बेटे और कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री एच. डी. कुमारस्वामी राष्ट्रीय राजनीति में पदार्पण करेंगे और प्रधानमंत्री मोदी की नई मंत्रिपरिषद के सदस्य के रूप में शपथ लेंगे।पूर्व प्रधानमंत्री ने गर्मजोशी भरे शब्दों में लिखे पत्र में प्रधानमंत्री मोदी को उनके लगातार तीसरे ऐतिहासिक कार्यकाल के लिए बधाई दी तथा चुनावी जीत का श्रेय प्रधानमंत्री पर ईश्वर के असाधारण आशीर्वाद को दिया।पूर्व प्रधानमंत्री ने विश्वास जताया कि प्रधानमंत्री मोदी पिछले दशक की भांति उसी समर्पण के साथ राष्ट्र की सेवा करते रहेंगे।उन्होंने पत्र में लिखा, यह वास्तव में एक ऐतिहासिक अवसर है। जैसा कि मैंने पहले भी कई बार कहा है, यह आप पर ईश्वर की असाधारण कृपा का परिणाम है। मुझे कोई संदेह नहीं है कि आप पर ईश्वर की कृपा बनी रहेगी और आप हमारे महान राष्ट्र की सेवा पूर्ण समर्पण के साथ करते रहेंगे, जिससे हम सभी एक दशक से परिचित हैं।

रवनीत बिट्टू: भाजपा ने बनाया बड़ा आदमी , चुनाव हारने पर भी मिली कैबिनेट में जगह

भाषा। चंडीगढ़

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नेता अमित शाह ने पिछले महीने एक चुनावी रैली में लुधियाना के लोगों से रवनीत सिंह बिट्टू को संसद भेजने का आग्रह किया था और वादा किया था कि वह उन्हें एक बड़ा आदमी बनाएंगे। हालांकि वह लुधियाना संसदीय सीट से हार गए, लेकिन नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली तीसरी सरकार में बिट्टू राज्य मंत्री बन गए हैं।बिट्टू (48) लुधियाना लोकसभा सीट पर कांग्रेस उम्मीदवार एवं प्रदेश इकाई के प्रमुख अमरिंदर सिंह राजा वडिंग से 20,942 मतों के अंतर से हार गए। इस साल मार्च में उन्होंने भाजपा का दामन थाम लिया था, जिससे कांग्रेस के कई नेता हैरान रह गए थे।

लोस को 10 साल बाद मिलेगा नेता प्रतिपक्ष

विपक्ष को उपाध्यक्ष पद के चुनाव की भी उम्मीद

भाषा। नई दिल्ली

मौजूदा लोकसभा चुनाव में इंडिया गठबंधन के घटक दलों की सीटों की संख्या बढ़ने के साथ ही निचले सदन को 10 साल बाद विपक्ष का नेता (एलओपी) मिलेगा और विपक्षी नेताओं को यह भी उम्मीद है कि जल्द ही उपाध्यक्ष पद के लिए चुनाव होगा। लोकसभा में पिछले पांच साल से उपाध्यक्ष का पद रिक्त है। पांच जून को भंग हुई 17वीं लोकसभा को अपने पूरे कार्यकाल के लिए कोई उपाध्यक्ष नहीं मिला तथा यह निचले सदन का लगातार दूसरा कार्यकाल था, जिसमें कोई नेता प्रतिपक्ष नहीं था। सभी की निगाहें निचले सदन पर टिकी हैं, जहां विपक्ष का नेता चुना जाएगा और साथ ही एक उपाध्यक्ष पद चुने जाने की भी उम्मीद है। उपाध्यक्ष का पद आमतौर पर विपक्षी खेमे को मिलता है। इंडिया गठबंधन ने संसद के लिए अपनी रणनीति पर अभी तक कोई समन्वय बैठक नहीं की है। वहीं, एक विपक्षी नेता ने कहा कि वे इस बात के लिए दबाव बनाएंगे कि इस बार उपाध्यक्ष का पद खाली न छोड़ा जाए। तृणमूल कांग्रेस के एक नेता ने कहा, भाजपा सरकार को लोगों ने नकार दिया है, उन्होंने पिछले पांच सालों में (लोकसभा) उपाध्यक्ष नहीं चुना... उम्मीद है कि भाजपा ने सबक सीख लिया होगा और इस बार उपाध्यक्ष चुना जाएगा। सत्रहवीं लोकसभा में भाजपा 303 सीटों के साथ पूर्ण बहुमत में थी और ओम बिरला को लोकसभा अध्यक्ष चुना गया था। पहली बार, पांच साल के कार्यकाल के दौरान कोई उपाध्यक्ष नहीं चुना गया। संविधान के अनुच्छेद 93 के अनुसार, लोकसभा को जल्द से जल्द दो सदस्यों को अध्यक्ष और उपाध्यक्ष के रूप में चुनना चाहिए, जब भी पद खाली हो।

शपथ से पहले पूर्व पीएम अटल बिहारी बाजपेई की समाधि की परिक्रमा करते मोदी

क्विक न्यूज

राम मोहन नायडू, तेदेपा के प्रति निष्ठा और सार्वजनिक सेवा के लिए प्रतिबद्धता का मिश्रण

नई दिल्ली। एक होनहार युवा नेता से लेकर सबसे युवा केंद्रीय कैबिनेट मंत्री तक, राम मोहन नायडू किंजरापु की यात्रा उनकी पार्टी, तेदेपा के प्रति वफादारी और सार्वजनिक सेवा के प्रति अटूट प्रतिबद्धता का उदाहरण है।रविवार को राजग के नए मंत्रिमंडल मे उन्होंने कैबिनेट मंत्री के रूप में शपथ ली। 37 साल की कम उम्र मे रविवार को कैबिनेट मंत्री के रूप में शपथ लेने वाले के राम मोहन नायडू श्रीकाकुलम लोकसभा क्षेत्र से सांसद हैं। वह दिवंगत तेदेपा नेता के एरन नायडू के पुत्र है, जो 1996 मे संयुक्त मोर्चा सरकार मे पूर्व केंद्रीय मंत्री थे। एक सड़क दुर्घटना मे एरन नायडू की मृत्यु हो गई थी। राम मोहन नायडू पहली बार 2014 मे श्रीकाकुलम से संसद में पहुंचे और 2024 में तीसरी बार उसी निर्वाचन क्षेत्र से यह उपलब्धि दोहराई।उन्होंने 2024 के चुनाव में वाईएसआरसीपी के पी. तिलक को 3.2 लाख से ज्यादा वोटो से हराया। राम मोहन नायडू ने अपनी स्कूली शिक्षा दिल्ली पब्लिक स्कूल से की और अमेरिका की पर्ड्यू यूनिवर्सिटी से इंजीनियरिंग की पढ़ाई की, उसके बाद लॉन्ग आइलैंड से एमबीए में स्नातकोत्तर की डिग्री हासिल की।प्रारंभ मे वह सिंगापुर मे अपना कैरियर बनाने मे जुटे थे लेकिन 2012 मे एक कार दुर्घटना मे उनके पिता की मृत्यु के बाद वह राजनीति के क्षेत्र में आ गए।उन्होंने 26 साल की उम्र में 2014 मे श्रीकाकुलम से लोकसभा सांसद के रूप में चुनाव लड़ा और जीत हासिल की, जिससे 16वी लोकसभा मे दूसरे सबसे युवा सांसद के रूप मे उनकी पहचान बनी। पिछले एक दशक मे वे कई संसदीय समितियों का हिस्सा रहे।उनके उत्कृष्ट योगदान को स्वीकार करते हुए, उन्हे सांसद के रूप में उनके प्रदर्शन के लिए 2020 में संसद रत्न पुरस्कार से सम्मानित किया गया। राम मोहन नायडू के शौक मे फोटोग्राफी शामिल है, जिसे उन्होने अपने कॉलेज के दिनो में गंभीरता से अपनाया। वह खेलो के भी शौकीन है, उन्हे बास्केटबॉल और क्रिकेट काफी पसंद है।

तेजतर्रार हिंदूवादी नेता गिरिराज सिंह एक बार फिर केंद्रीय मंत्री बने

नई दिल्ली। अपनी विवादास्पद टिप्पणियो के लिए बिहार की राजनीति और राष्ट्रीय स्तर पर चर्चा मे रहने वाले भाजपा के वरिष्ठ नेता गिरिराज सिंह एकबार फिर केंद्रीय मंत्री बनाए गए है। भूमिहार जाति से आने वाले तेजतर्रार हिंदूवादी नेता गिरिराज सिंह ने लगातार दूसरी बार बेगूसराय लोकसभा सीट से जीत हासिल की है। गिरिराज ने 2014 मे बिहार की नवादा संसदीय सीट से पहली बार लोकसभा का चुनाव जीता था और 2019 के लोकसभा चुनाव मे उनकी सीट बदलकर उन्हें बेगूसराय से टिकट दिया गया था। सिंह सीट बदलने से नाराज थे लेकिन उन्होंने 2019 के चुनाव मे भाकपा के टिकट पर चुनाव लड़े कन्हैया कुमार को भारी अंतर से हराया था। इस बार अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी और विपक्षी इंडिया गठबंधन मे शामिल भाकपा के प्रत्याशी अवधेश कुमार राय को 81,480 मतों के अंतर से पराजित कर सिंह अपनी सीट बरकरार रखने मे सफल रहे। केंद्र मे नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली राजग सरकार के पहले कार्यकाल के दौरान, गिरिराज ने श्रम पर स्थाई समिति और संसद सदस्यों के वेतन और भत्ते पर संयुक्त समिति के सदस्य के रूप में कार्य किया। नवंबर 2014 में जब मोदी कैबिनेट का पहला विस्तार हुआ, गिरिराज को सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय मे राज्य मंत्री बनाया गया। 2017 मे उन्हें इसी मंत्रालय का स्वतंत्र प्रभार सौंपा गया। मई 2019 में वह नवगठित केंद्रीय पशुपालन, डेयरी और मत्स्य पालन मंत्रालय के कैबिनेट मंत्री बने। जुलाई 2021 में कैबिनेट फेरबदल के बाद वह नरेन्द्र सिंह तोमर की जगह केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्री बने। इससे पहले, गिरिराज ने 2005 से 2010 तक बिहार सरकार में सहकारिता मंत्री और 2010 से 2013 तक पशुपालन मंत्री के रूप मे कार्य किया था।

सीएए के समर्थन से मतुआ समुदाय के नेता शांतनु ठाकुर को मोदी सरकार में दूसरा कार्यकाल मिला

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल के बनगांव लोकसभा क्षेत्र से दूसरी बार सांसद बने भाजपा नेता एवं उत्तर 24 परगना जिले मे पिछड़े मतुआ समुदाय के प्रमुख नेता शांतनु ठाकुर को रविवार को नरेन्द्र मोदी मंत्रिमंडल मे शामिल किया गया। ठाकुर 2019 से नागरिकता संशोधन अधिनियम (सीएए) के प्रबल समर्थक रहे है और उनका कहना है कि यह मतुआ समुदाय के सदस्यो को कानूनी नागरिकता प्रदान करेगा। उन्होने तृणमूल कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलो के हमलो को दरकिनार करते हुए सीएए के तहत नागरिकता के लिए आवेदन प्रस्तुत करने के संबंध में मतुआ समुदाय के बीच भ्रम को दूर करने का प्रयास किया। 42 वर्षीय ठाकुर पहली बार 2019 मे बनगांव निर्वाचन क्षेत्र से लोकसभा के सदस्य बने थे। ठाकुर के परिवार की सदस्य और मतुआ समुदाय की उनकी प्रतिद्वंद्वी नेता ममताबाला ठाकुर 2015 के उपचुनाव मे बनगांव सीट से चुनी गई थी, लेकिन 2019 मे शांतनु से चुनाव हार गईं। पश्चिम बंगाल के पूर्व मंत्री और तृणमूल नेता मंजुल कृष्ण ठाकुर के बेटे शांतनु ठाकुर ने 2015 में राजनीति मे प्रवेश किया, तब उन्होंने भाजपा की टिकट पर बनगांव लोकसभा उपचुनाव लड़ा, लेकिन असफल रहे। इसके बाद अपने दूसरे प्रयास मे ठाकुर ने लोकसभा चुनाव जीता और इस बार भी अपनी सीट जीतने मे कामयाब रहे।

बंगाल सीआईडी ने की मुख्य संदिग्ध से पूछताछ, मानव हड्डियां बरामद

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के अपराध जांच विभाग (सीआईडी) ने बांग्लादेश के सांसद अनवारुल अजीम अनार की हत्या मामले की जांच के सिलसिले मे तलाश अभियान के दौरान रविवार को दक्षिण 24 परगना जिले मे एक नहर के पास से मानव हड्डियो के कुछ हिस्से बरामद किए। एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी।उन्होंने कहा कि मामले के प्रमुख संदिग्ध मोहम्मद सियाम हुसैन (जिसे नेपाल पुलिस ने गिरफ्तार करके भारत को प्रत्यर्पित किया था) से पूछताछ के बाद ए हड्डियां भांगर के कृष्णामती गांव मे बागजोला नहर के दक्षिण-पूर्वी तट से बरामद की गईं।सीआईडी अधिकारी ने कहा, "बरामदगी के दौरान मौजूद चिकित्सा अधिकारियो और फॉरेंसिक विशेषज्ञो के मुताबिक हड्डियो के हिस्से इंसान के प्रतीत होते हैं।उन्होंने बताया कि इस संबंध मे बिजॉयगंज बाजार पुलिस थाने मे मामला दर्ज कराया गया है। हड्डियों को जल्द ही फॉरेंसिक जांच के लिए भेजा जाएगा। बांग्लादेशी राजनेता के शरीर के अन्य अंगो का पता लगाने के लिए तलाश जारी है। सीआईडी के अधिकारियो ने इससे पहले न्यू टाउन इलाके के एक फ्लैट के सेप्टिक टैंक से मांस के टुकड़े बरामद किए थे, इनका वजन लगभग 3.5 किलोग्राम था। इसी जगह पर सांसद को आखिरी बार 12 मई को देखा गया था।

जौहरी ने मोदी के लिए चांदी से कमल का फूल बनाया

जम्मू। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) से संबद्ध जम्मू के एक जौहरी ने नरेन्द्र मोदी के प्रधानमंत्री के रूप मे रविवार को तीसरी बार शपथ ग्रहण करने पर उनके लिए चांदी से बना तीन किलोग्राम का कमल का फूल तैयार किया है। कमल भाजपा का चुनाव चिह्न है। जम्मू के बाहरी इलाके मे स्थित मुथी गांव के निवासी रिंकू चौहान ने कहा कि मोदी को यह अनोखा उपहार देने का विचार उनके दिमाग मे तब आया, जब भाजपा सरकार ने जम्मू-कश्मीर को विशेष राज्य दर्जा देने वाले अनुच्छेद 370 के ज्यादातर प्रावधानो को हटाने का अपना वादा अगस्त 2019 मे पूरा किया और उत्तर प्रदेश के अयोध्या मे राम मंदिर का निर्माण कराया। पार्टी की युवा शाखा भारतीय जनता युवा मोर्चा (बीजेवाईएम) के प्रवक्ता चौहान ने अपने आवास पर पीटीआई-भाषा से कहा, हमारे प्रिय प्रधानमंत्री के लिए यह उपहार तैयार करने मे मुझे 15 से 20 दिन लगे। मैने चांदी से बना कमल का फूल स्वयं तैयार किया है और मै उन्हें यह भेंट देने का इंतजार कर रहा हूं। शहरी स्थानीय निकाय चुनावो मे पार्टी के आधिकारिक उम्मीदवार के खिलाफ निर्दलीय उम्मीदवार के तौर पर उतरी अपनी पत्नी का समर्थन करने के लिए रिंकू चौहान को 2018 मे पार्टी से निष्कासित कर दिया गया था।

इजराइली हमले में 274 फलस्तीनियों की मौत

हमास के कब्जे से चार बंधक मुक्त कराए गए

भाषा। दीर अल बलाह

हमास द्वारा बंधक बनाए गए चार लोगों को छुड़ाने के लिए इजराइली सेना द्वारा की गई कार्वाई में कम से कम 274 फलस्तीनी मारे गए और सैकड़ों अन्य घायल हो गए। गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय ने रविवार को यह दावा किया। वहीं, इजराइली सेना के मुताबिक दिन में चलाए गए जटिल अभियान के दौरान उसे भारी गोलीबारी का सामना करना पड़ा। चार बंधकों को जीवित बचाने पर इजराइलियों ने अभियान को सफलता के रूप में मनाया। माना जाता है कि घनी आबादी वाले इलाकों में या हमास की सुरंगों के अंदर बड़ी संख्या में बंधकों को रखा गया, जिससे ऐसे अभियान अधिक जटिल और जोखिम भरे हो जाते हैं। फरवरी में इसी तरह की एक छापेमारी की कार्वाई में दो बंधकों को मुक्त कराया गया था। अभियान के दौरान 74 फलस्तीनियों की भी मौत हो गई थी। शनिवार को छापेमारी में करीब 700 लोग घायल हुए हैं। मंत्रालय ने फिलहाल हताहतों में महिलाओं और बच्चों की संख्या नहीं बताई है, लेकिन पास के शहर दीर अल बलाह के अस्पताल में कई लोगों का उपचार चल रहा है। इजराइलियों ने 26 वर्षीय नोआ अरगामनी, 22 वर्षीय अल्मोग मीर जान, 27 वर्षीय एंड्री कोजलोव और 41 वर्षीय श्लोमी जिव की वापसी का जश्न मनाया। अरगामनी उन सबसे चर्चित बंधकों में से एक थी, जिन्हें तीन अन्य लोगों की तरह एक संगीत समारोह से ले जाया गया था। उसके अपहरण के वीडियो में उसे मोटरसाइकिल पर दो व्यक्तियों के बीच बैठा हुआ दिखाया गया था और वह चिल्ला रही थी, "मुझे मत मारो। उसकी मां, लिओरा को ब्रेन कैंसर है और उन्होंने एक वीडियो जारी करके अपनी बेटी को देखने की गुहार लगाई थी। इजराइल के चैनल 13 ने कहा कि अरगामनी को उस अस्पताल में ले जाया गया जहां उसकी मां का उपचार किया जा रहा है। डॉ. इताई पेसाच शेबा अस्पताल में चिकित्सक हैं, जहां मुक्त कैदियों का इलाज किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि उपचार के लिए लाए गए बंधकों में से किसी को भी गंभीर शारीरिक चोट नहीं आई है, लेकिन उन्हें छुट्टी मिलने में कई दिन लग सकते हैं।

यूरोपीय संसद के लिए 20 यूरोपीय देशों में मतदान शुरू

भाषा। ब्रसेल्स

यूरोपीय संसद के पांच साल के कार्यकाल के लिए यूरोपीय संघ (ईयू) के 20 देशों में रविवार को मतदान शुरू गया। यूरोपीय संसद के 720 सदस्यों को चुनने के लिए नागरिक मतदान करेंगे। सदन में सीट जनसंख्या के आधार पर आवंटित की जाती हैं। माल्टा एवं लक्जमबर्ग की सदन में सबसे कम छह और जर्मनी की सबसे अधिक 96 सीट हैं। हर पांच साल में होने वाले चुनावों के आधिकारिक नतीजे यूरोपीय संघ के 27 देशों के मतदान प्रक्रिया पूरी होने से पहले प्रकाशित नहीं किए जा सकते।

अदन की खाड़ी में मालवाहक जहाज पर मिसाइल से हमला, कोई हताहत नहीं

दुबई। अदन की खाड़ी में एंटीगुआ और बारबुडा के झंडे वाले एक मालवाहक पोत पर संदिग्ध रूप से यमन के हूती विद्रोहियों ने रविवार को हमला किया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। निजी सुरक्षा कंपनी एम्ब्रे ने बताया कि मिसाइल जहाज के आगे के हिस्से पर गिरी जिससे उसमें आग लग गई लेकिन जहाज पर सवार लोगों ने आग पर काबू पा लिया। एम्ब्रे के अनुसार, जहाज पर एक और मिसाइल दागी गई लेकिन यह जहाज पर नहीं गिरी। इसके बाद आस-पास छोटी नौकाओं पर सवार लोगों ने पोत पर गोलीबारी की। उसने बताया कि हमले में कोई हताहत नहीं हुआ है। ब्रिटेन की सेना के यूनाइटेड किंगडम समुद्री व्यापार परिचालन केंद्र ने भी शनिवार देर रात अदन के समीप उसी क्षेत्र में हमले की सूचना दी लेकिन उसने इसके बारे में विस्तार से कोई जानकारी नहीं दी। हूती विद्रोहियों ने लगभग एक दशक पहले यमन की राजधानी पर कब्जा कर लिया था और इसके बाद से ही वह सऊदी नेतृत्व वाले गठबंधन से लड़ रहा है।

यूक्रेन ने रूस के अत्याधुनिक लड़ाकू विमान पर हमला करने का दावा किया

कीव। यूक्रेन ने रविवार को कहा कि उसके बलों ने अग्रिम चौकियों से लगभग 600 किलोमीटर दूर वायुसेना अड्डे के निकट खड़े रूसी अत्याधुनिक लड़ाकू विमान पर हमला किया है।यूक्रेन के सहयोगी पश्चिमी देशों ने उसे रूस के अंदर सीमित हमलों के लिए अपने हथियारों के इस्तेमाल की अनुमति दी थी। यूक्रेन की मुख्य सैन्य खुफिया सेवा ने उपग्रह से प्राप्त तस्वीरें साझा की और कहा कि इनमें हमले के बाद की स्थिति दिखाई दे रही है। यदि इसकी पुष्टि हो जाती है, तो यह यूक्रेन द्वारा सुखोई-57 लड़ाकू विमान पर किया गया पहला सफल हमला होगा। सुखोई दोहरे इंजन वाला स्टील्थ लड़ाकू विमान है, जिसे रूस का सबसे उन्नत सैन्य विमान माना जाता है। एक तस्वीर में, खड़े हुए विमान के चारों ओर मलबा देखा जा सकता है। यूक्रेन के रक्षा मंत्रालय के मुख्य खुफिया निदेशालय के अनुसार, शनिवार को दक्षिणी रूस के अख्तुबिंस्क अड्डे पर हमला हुआ, जो अग्रिम चौकी से लगभग 589 किलोमीटर दूर है।

इमरान खान पाकिस्तान की राजनीतिक सुलह में मुख्य बाधा हैं : नवाज शरीफ

भाषा। इस्लामाबाद

पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ ने कहा कि इमरान खान देश में राजनीतिक सुलह लिए मुख्य बाधा हैं। मीडिया की खबरों में यह जानकारी दी गई। इसमें बताया गया कि नवाज ने इस बात पर भी जोर दिया कि उनकी सत्तारूढ़ पार्टी पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) किसी भी पार्टी से बदला नहीं लेने की भावना के साथ देश में राजनीतिक सुलह के लिए प्रतिबद्ध है। नवाज शरीफ ने सांसदों के साथ एक बैठक के बाद यह टिप्पणी की। बैठक में इमरान खान की पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) पार्टी के साथ बातचीत के मुद्दे पर चर्चा की गई। सत्तारूढ़ पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज के अध्यक्ष शरीफ ने कहा कि देश के पूर्व प्रधानमंत्री खान खुद हमारे साथ मुद्दों को सुलझाने और बातचीत करने के लिए गंभीरता नहीं दिखा रहे हैं, जिससे कोई निष्कर्ष नहीं निकल रहा है। उन्होंने बातचीत की व्यवहार्यता पर सवाल उठाया क्योंकि पीटीआई इसे सुलझाने के लिए ज्यादा रुचि नहीं दिखा रही है। नवाज शरीफ ने पार्टी के सांसदों से कहा, जब कोई पक्ष गंभीर ही नहीं है तो वह बातचीत कैसे कर सकते हैं? उन्होंने पिछली कई घटनाओं का उदाहरण दिया जब खान ने पीएमएल-एन के साथ संबंधों को सुधारने वाले प्रस्तावों को ठुकरा दिया था। मैं खुद बानी गाला (इमरान खान का घर) गया था। हमारी ईमानदारी को हमारी कमजोरी माना जाता है। राजनीतिक मतभेदों के बावजूद बातचीत के महत्व का उल्लेख करते हुए नवाज ने दिवंगत प्रधानमंत्री बेनजीर भुट्टो के साथ अपनी मुलाकात का उदाहरण दिया। पीएमएल-एन अध्यक्ष ने कहा कि चूंकि वह राजनीतिक प्रतिशोध में विश्वास नहीं रखते इसलिए उन्होंने और पूर्व प्रधानमंत्री बेनजीर भुट्टो ने चार्टर ऑफ डेमोक्रेसी पर हस्ताक्षर किया था। उनका किसी के खिलाफ कोई राजनीतिक प्रतिशोध या दुश्मनी नहीं है।

पाकिस्तान कृषि संबंधी प्रशिक्षण के लिए एक हजार विद्यार्थियों को चीन भेजेगा

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने कहा है कि कृषि क्षेत्र में आधुनिक प्रशिक्षण लेने के लिए एक हजार विद्यार्थी चीन भेजे जाएंगे। मीडिया में आई खबरों से यह जानकारी मिली है। रेडियो पाकिस्तान ने खबर दी है कि शरीफ ने चीनी शहर शिआन में एग्रीकल्चर डेमोंस्ट्रेशन बेस की यात्रा के दौरान शनिवार को यह ऐलान किया। प्रधानमंत्री चीन की पांच दिन की यात्रा पर थे। शरीफ ने चीन के उत्तर पश्चिमी कृषि एवं वानिकी विश्वविद्यालय को पाकिस्तान में अपना परिसर खोलने के लिए भी आमंत्रित किया। जियो न्यूज़ ने खबर दी है कि उन्होंने चीन में पाकिस्तान के राजदूत और संबंधित अधिकारियों को इस संबंध में चीनी अधिकारियों के साथ मामलों को अंतिम रूप देने का निर्देश दिया।शरीफ ने चीनी अधिकारियों से कहा, पाकिस्तान अपने कृषि क्षेत्र को आधुनिक बनाने की कोशिश कर रहा है ताकि फसलों की प्रति एकड़ पैदावार बढ़ाई जा सके। कृषि निर्यात बढ़ाना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकताओं में से एक है।

उत्तर कोरिया के खिलाफ लाउडस्पीकर के जरिए संदेश प्रसारित करेगा दक्षिण कोरिया

सियोल। उत्तर कोरिया द्वारा दक्षिण कोरिया में गुब्बारों के जरिए कचरा फेंके जाने के जवाब में दक्षिण कोरिया सीमावर्ती क्षेत्रों में उत्तर कोरिया के खिलाफ लाउडस्पीकर के जरिए संदेश प्रसारित फिर से शुरू करेगा। दक्षिण कोरिया के सियोल स्थित राष्ट्रपति कार्यालय ने एक बयान जारी कर बताया कि दक्षिण कोरिया के राष्ट्रीय सुरक्षा निदेशक चांग हो-जिन के नेतृत्व में रविवार को एक आपात सुरक्षा बैठक की गई जिसमें अधिकारियों ने यह फैसला लिया कि सीमावर्ती क्षेत्रों में उत्तर कोरिया के खिलाफ लाउडस्पीकर के जरिए संदेश प्रसारित करना फिर से शुरू किया जाएगा। चांग और अन्य सुरक्षा अधिकारियों ने दक्षिण कोरिया के लोगों में घबराहट पैदा करने और शांति में खलल डालने के लिए उत्तर कोरिया की आलोचना की। उन्होंने साथ ही कहा कि भविष्य में दोनों देशों के बीच तनाव बढ़ने के लिए पूरी तरह उत्तर कोरिया ही जिम्मेदार होगा। दक्षिण कोरिया की सेना ने बताया कि प्योंगयांग ने सप्ताहांत में कचरे से भरे सैंकड़ों गुब्बारे सियोल की ओर भेजे थे। उत्तर कोरिया ने मई के अंत से अब तक तीसरी बार कूड़ा-कचरे वाले गुब्बारे भेजे।

दिमाग के लिए पानी पीना बहुत जरूरी बच्चों को कितना पानी पीना चाहिए?

नॉर्मन गार्डन्स (ऑस्ट्रेलिया)। बैलरैट क्लेरेंडन कॉलेज ने पिछले महीने पांचवीं से नौवीं कक्षा के छात्रों के लिए कक्षा में पानी की बोतलों के इस्तेमाल पर प्रतिबंध लगाकर एक परीक्षण किया। स्कूल के अनुसार, प्रारंभिक प्रतिक्रिया से संकेत मिलता है कि ऐसा करने से कक्षा के दौरान शोर कम हुआ और शौचालय जाने के लिए छात्रों के ब्रेक लेने में कमी आई। पानी की बोतलें अब स्कूल के लिए जरूरी मानी जाती हैं लेकिन सवाल यह है कि बच्चों को एक दिन में कितना पानी पीने की जरूरत होती है? इसका उनके दिमाग पर क्या असर पड़ता है? बच्चों और किशोरों को कितने तरल पदार्थ की जरूरत होती है? यह मौसम और शारीरिक गतिविधियों पर निर्भर करता है कि बच्चों को कितने तरल पदार्थ की जरूरत है लेकिन सामान्य तौर पर:चार से आठ साल के बच्चों को प्रतिदिन लगभग 1.2 लीटर पानी पीना चाहिए। नौ से 13 साल के लड़कों को 1.6 लीटर पानी पीना चाहिए।नौ से 13 साल की लड़कियों को 1.4 लीटर पानी पीना चाहिए।चौदह साल से अधिक उम्र के लड़कों को 1.9 लीटर पानी पीना चाहिए।चौदह साल से अधिक उम्र की लड़कियों को 1.6 लीटर पानी पीना चाहिए। आहार संबंधी ऑस्ट्रेलियाई दिशा-निर्देशों के अनुसार, सादा पानी पीना बेहतर होता है लेकिन यदि आपका बच्चा पानी पीना पसंद नहीं करता है, तो आप जूस की कुछ बूंदें इसमें मिला सकते है। शोध से पता चलता है कि कई स्कूली बच्चे पर्याप्त पानी नहीं पीते। कुल 13 देशों (ऑस्ट्रेलिया को छोड़कर) के 6,469 बच्चों (चार से 17 वर्ष की आयु वर्ग) को शामिल कर 2017 में किए गए एक अध्ययन में पाया गया कि 60 प्रतिशत बच्चे और 75 प्रतिशत किशोर पर्याप्त मात्रा में तरल पदार्थों का सेवन नहीं करते। हमें कितनी बार पानी पीना चाहिए? इस बारे में कोई विशेष सलाह नहीं दी गई है कि बच्चों और किशोरों को कितनी बार पानी पीना चाहिए लेकिन शोध से मुख्य रूप से यह संदेश मिलता है कि छात्रों को सुबह उठते ही पानी पीना चाहिए। सुबह, सबसे पहले पानी पीने से शरीर और मस्तिष्क पानी का समुचित उपयोग करते हैं, जिससे पूरे दिन हमारा दिमाग बेहतर तरीके से काम करता है। हमारे मस्तिष्क के लिए पानी इतना महत्वपूर्ण क्यों है? मस्तिष्क के कुल द्रव्यमान का लगभग 75 प्रतिशत हिस्सा पानी है और हमारे दिमाग को काम करते रहने के लिए पानी की आवश्यकता होती है।

हैती के नवनिर्वाचित प्रधानमंत्री गैरी कोलिने अस्पताल में भर्ती : अधिकारी

पोर्ट-ऑ-प्रिंस। हैती के नवनिर्वाचित प्रधानमंत्री गैरी कोनिले शनिवार देर रात देश की राजधानी पोर्ट-ऑ-प्रिंस के एक अस्पताल में भर्ती हुए। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। अभी यह पता नही चल पाया है कि कोनिले को अस्पताल मे भर्ती क्यो होना पड़ा। कोनिले को हाल मे संकटग्रस्त कैरेबियाई देश का नेता चुनने वाली सत्ता हस्तांतरण राष्ट्रपति परिषद के सदस्य लुईस गेराल्ड गिल्स ने बताया कि वह अस्पताल जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि उनके पास इसके अलावा और कोई जानकारी नही है। कोनिले को एक जटिल चयन प्रक्रिया के बाद 28 मई को प्रधानमंत्री चुना गया था। कोनिले जनवरी 2023 से लातिन अमेरिका और कैरेबियाई देशों के लिए यूनिसेफ (संयुक्त राष्ट्र बाल कोष) के क्षेत्रीय निदेशक के तौर पर सेवारत थे और देश से बाहर रहकर काम कर रहे थे। वह एक जून को हैती आए। इससे पहले वह अक्टूबर 2011 से मई 2012 तक हैती के प्रधानमंत्री थे।

चीन-पाक संयुक्त बयान में कश्मीर सहित लंबित मुद्दों को हल करने में एकतरफा कार्वाई का विरोध

बीजिंग। चीन और पाकिस्तान ने शनिवार को दक्षिण एशिया मे कश्मीर सहित सभी लंबित मुद्दों के समाधान के लिए किसी भी एकतरफा कार्वाई का विरोध किया। चीन की यात्रा पर पहुंचे पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने कश्मीर की स्थिति से चीनी नेतृत्व को अवगत कराया। दोनो देशों ने अपनी सेनाओं के बीच बेहतर समन्वय को लेकर भी चर्चा की। शरीफ की चार दिवसीय चीन यात्रा आज संपन्न हुई, जो मार्च में शुरू हुए उनके दूसरे कार्यकाल के बाद उनकी पहली यात्रा थी। इस यात्रा के दौरान शरीफ का ध्यान चीनी निवेश और सहायता को बढ़ाने पर था, क्योंकि उनका देश गंभीर आर्थिक संकट का सामना कर रहा है। यात्रा के अंत में जारी संयुक्त वक्तव्य मे कहा गया, दोनो पक्ष दक्षिण एशिया मे शांति और स्थिरता बनाए रखने के महत्व, सभी लंबित विवादों के समाधान की आवश्यकता तथा किसी भी एकतरफा कार्वाई के विरोध को रेखांकित करते है। इसमें कहा गया, पाकिस्तानी पक्ष ने चीनी पक्ष को जम्मू कश्मीर की स्थिति के नवीनतम घटनाक्रमों से अवगत कराया। चीनी पक्ष ने दोहराया कि जम्मू कश्मीर विवाद इतिहास से उपजा है और इसे संयुक्त राष्ट्र चार्टर, प्रासंगिक संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के प्रस्तावो और द्विपक्षीय समझौतों के अनुसार उचित और शांतिपूर्ण तरीके से हल किया जाना चाहिए। भारत पहले भी चीन और पाकिस्तान के ऐसे संयुक्त बयानों को खारिज करता रहा है।

प्रवीन भूषण की पेंटिंग का विश्व रिकॉर्ड

ग्लोबल। भारत के प्रवीण भूषण ने विश्व की सबसे ऊंची पेंटिंग बनाकर रिकॉर्ड बनाया है। 16 साल से 2007-2024 में कलाकार के रूप में प्रवीण भूषण श्रीवास्तव द्वारा चित्रित पेंटिंग द स्पेस लैडर अभी 1104 फीट 334 मीटर की ऊंचाई के साथ विश्व की सबसे ऊंची पेंटिंग बनी है। चौड़ाई 41 सेमी, जैसा कि इंडिया बुक रिकॉर्ड ने इसी महीने दर्ज करवाया है। पेंटिंग द स्पेस लैडर को एक काले विशालकाय कैनवास पर चित्रित किया गया है। जिसमें एक्सोप्लैनेट, ग्रहों, आकाश गंगाओं, 19 सभ्यताओं, खोजों, आधुनिक आविष्कारों, विभिन्न देशों के बैनर और झंडे, वनस्पतियों और जीवों आदि की कई तस्वीरें दिखाई गई हैं। तेल,पानी और इनेमल रंग का इसमें प्रयोग किया गया।

पाकिस्तान में आतंकवादी हमले में छह सैनिक मारे

पेशावर। पाकिस्तान के अशांत खैबर पख्तूनख्वा प्रांत मे रविवार को हुए आतंकवादी हमले मे एक कैप्टन समेत कम से कम छह पाकिस्तानी सैनिक मारे गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। यह घटना उस समय हुई जब सुरक्षाकर्मियो का काफिला प्रांत के कच्ची कमर, सरबंद पोस्ट लक्की मरवात की ओर बढ़ रहा था। उसी दौरान आतंकवादियो ने काफिले पर हमला कर दिया। पहले आतंकवादियो ने आईईडी विस्फोट किया और बाद मे काफिले पर गोलीबारी शुरू कर दी। पुलिस ने बताया "हमले मे एक कैप्टन समेत कुल छह सैनिक शहीद हो गए। आतंकवादियो ने आईईडी विस्फोट किया और बाद मे काफिले पर गोलीबारी की। सुरक्षा अधिकारियों के अनुसार लक्की मरवात तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान के आतंकवादियो का गढ़ है। विस्फोट के बाद सैनिक घटनास्थल पर पहुंचे और तलाशी अभियान चलाया।

द्वितीय विश्व युद्ध लड़ने वाले पूर्व सैनिक ने 100 साल की उम्र में 96 वर्षीय प्रेमिका से की शादी

कैरेंटन-लेस-मरैस। द्वितीय विश्व युद्ध लड़ने वाले अमेरिका के पूर्व सैनिक हारोल्ड टेरेंस ने 100 साल की उम्र मे अपनी 96 वर्षीय प्रेमिका जीन स्वेर्लिन से शादी की। टेरेंस और स्वेर्लिन ने फ्रांस मे नॉरमैंडी के डी-डे समुद्र तट पर स्थित एक टाउन हॉल मे शादी की। यह वही स्थान है जहां छह जून, 1944 को मित्र देशो के विमानो के उतरने के बाद भीषण लड़ाई हुई थी जिससे यूरोप को एडोल्फ हिटलर के अत्याचार से मुक्ति दिलाने मे मदद मिली।टेरेंस और स्वेर्लिन के विवाह समारोह मे शामिल हुए कुछ लोगो ने द्वितीय विश्व युद्ध के समय की पोशाक पहनी हुई थी। जीन स्वेर्लिन ने गुलाबी रंग की पोशाक पहनी थी। वही, टेरेंस ने हल्के नीले रंग के सूट पहना। टेरेंस ने इसे अपने जीवन का सबसे अच्छा दिन बताया और स्वेर्लिन ने कहा, प्यार केवल युवाओं के लिए नही है। नवविवाहित दंपती को शनिवार रात को फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों और अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन के साथ राजकीय रात्रिभोज के लिए एलिसी पैलेस में आमंत्रित किया गया था।

हमने असंवहनीय तरीके से औद्योगिक स्तर पर मछली पकड़ने का तटीय समुदायों पर प्रभाव का अध्ययन किया

लंदन। शार्क को पकड़कर उसके पंख काट लेने (शार्क फिनिंग) का चलन अपनी अमानवीय और असंवहनीय प्रकृति के कारण कई देशो मे प्रतिबंधित है। पंख निकालने के बाद शार्क को छोड़ दिया जाता है और वह वापस समुद्र मे चली जाती है और अक्सर जीवित रहती है। शार्क फिनिंग शार्क से पंख निकालने और शार्क के बाकी हिस्सो को वापस समुद्र में फेंकने का कार्य है। कई देशों मे यह कार्य प्रतिबंधित है।इन पंखो का इस्तेमाल चीन और अन्य पूर्वी एशियाई देशो मे शार्क फिन सूप के लिए किया जाता है। मै पांच विकासशील देशो सेनेगल, घाना, पेरू, इक्वाडोर और फिलीपीन के जलक्षेत्र में संचालित मछली पकड़ने वाले औद्योगिक बेड़ों की पड़ताल कर रहा हूं, लेकिन ए बेड़े इन देशों से नही है। वैश्विक मामलो के थिंक टैंक, ओडीआई द्वारा प्रकाशित एक नई रिपोर्ट को लेकर डेटा विश्लेषको की मेरी टीम और मैने इन देशो मे स्थानीय अर्थव्यवस्था, नौकरियों और लोगो के कल्याण पर मछली पकड़ने वाले बड़े व्यवसायो के प्रभावों का अध्ययन किया, जिनका पिछला रिकॉर्ड अस्थिर रहा है। यह फिशी बिजनेस रिपोर्ट इसका अनुमान लगाने वाला पहला अध्ययन है और हमने पाया कि इन कंपनियो का पर्याप्त और नकारात्मक प्रभाव हो सकता है।कुल मिलाकर, उनकी मछली पकड़ने की संयुक्त गतिविधियां इन देशों के संयुक्त सकल घरेलू उत्पाद के 0.26 प्रतिशत या मछली पकड़ने के क्षेत्र मे 30,174 नौकरियों के बराबर है। इसका मतलब यह हो सकता है कि इन पांच देशो मे और 142,192 लोग गरीबी रेखा से नीचे रह रहे है, क्योकि वे बेरोजगार है और उनके पास खाने के लिए मछली की कमी है तथा अन्य कारक है।शार्क के पंखो का उच्च मूल्य और छोटा आकार अवैध रूप से उनके पंख काटने को बढ़ावा देता है, क्योंकि मछुआरे उन्हे आसानी से संग्रहीत कर सकते है और ले जा सकते है और शार्क के शेष हिस्से को समुद्र मे फेंक दिया जाता है। वर्ष 2016 में शार्क के व्यापार पर प्रतिबंध के बावजूद, पेरू शार्क के पंख के शीर्ष निर्यातको मे से एक है। वह दुनियाभर मे प्रतिवर्ष लगभग 400 टन निर्यात करता है और वैश्विक पंख उत्पादन मे लगभग दो प्रतिशत का योगदान देता है। हालांकि पेरू मे 2022 मे शार्क के पंख की तस्करी के लिए पहली दोषसिद्धि हुई थी। हमारी जांच अमेरिकी वित्त विभाग की एक रिपोर्ट का संदर्भ देती है जिसमे बताया गया है कि कैसे 2019 मे प्रशांत महासागर मे 24 लोगो के चालक दल के साथ एक जहाज समुद्र मे गया था। हालांकि जहाज को ट्यूना मछली पकड़ने का लाइसेंस प्राप्त था, लेकिन यह अवैध रूप से शार्क के पंख काटने मे लगा हुआ था तथा इसमे 700 किलोग्राम से अधिक पंख पकड़े गए थे(

ईरान ने राष्ट्रपति पद की दौड़ के लिए छह उम्मीदवारों को मंजूरी दी

अहमदीनेजाद को फिर रोका

दुबई। ईरान की संरक्षक परिषद (गार्जियन काउंसिल) ने रविवार को देश के कट्टरपंथी संसद अध्यक्ष और पांच अन्य को देश में 28 जून को होने वाले राष्ट्रपति चुनाव में भाग लेने की मंजूरी दे दी। यह चुनाव एक हेलीकॉप्टर दुर्घटना के बाद हो रहा है। हादसे में राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी और सात अन्य लोग मारे गए थे।परिषद ने पूर्व राष्ट्रपति महमूद अहमदीनेजाद को एक बार फिर चुनाव लड़ने से रोक दिया है, जो एक चरमपंथी लोकप्रिय नेता हैं तथा 2009 में अपने विवादित पुनर्निर्वाचन के बाद की गई दमनात्मक कार्वाई के लिए जाने जाते हैं।परिषद का यह निर्णय रईसी की जगह लेने के लिए दो सप्ताह के संक्षिप्त अभियान की शुरुआत है। रईसी सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामनेई के कट्टरपंथी समर्थक थे जिन्हें कभी 85 वर्षीय धर्मगुरु के संभावित उत्तराधिकारी के रूप में पेश किया गया था।संरक्षक परिषद मौलवियों और न्यायविदों का एक समूह है जिसकी कमान खामनेई के हाथों में है। परिषद द्वारा अनुमोदित उम्मीदवारों के चयन से लगता है, ईरान के शिया धर्मतंत्र को उम्मीद है कि हाल ही में हुए चुनावों में रिकॉर्ड कम मतदान तथा देश के तेजी से बढ़ते परमाणु कार्यक्रम और इजरायल-हमास युद्ध के कारण अब भी कायम तनाव को देखते हुए चुनाव आसानी से हो जाएंगे।परिषद ने किसी महिला या देश के शासन में आमूलचूल परिवर्तन की मांग करने वाले किसी भी व्यक्ति को स्वीकार न करने का अपना पूर्व का रुख बरकरार रखा है।

तंत्रिका विज्ञान समझा सकता है कि मतदान अक्सर भावनाओं से प्रेरित क्यों होता है

भाषा। कोवेंट्री (यूके)

ब्रिटिश मतदाता हाल के वर्षों में पहले से कहीं अधिक अस्थिर रहे हैं। 2015 और 2017 के चुनावों में आधुनिक इतिहास में सबसे अधिक संख्या में मतदाताओं ने दल बदला। और आने वाले चुनाव से लगता है कि हम ऐसा और भी देखने वाले हैं। जब लोग निर्णय ले रहे होते हैं तो उनके दिमाग में क्या चल रहा होता है, इसे समझने से हमें यह समझने में मदद मिलती है कि कुछ राजनीतिक संदेश उन्हें क्यों आकर्षित करते हैं और वे पार्टियां बदलने का फैसला करते हैं। राजनीतिक वैज्ञानिक पेडर्सन अस्थिरता के बारे में बात करते हैं, यह नाम प्रतिष्ठित डेनिश विद्वान मोगेंस एन. पेडर्सन के नाम पर रखा गया है। इसके लिए एक निषिद्ध गणितीय समीकरण है, लेकिन यह सब व्यक्तिगत वोट हस्तांतरण के परिणामस्वरूप चुनावी पार्टी प्रणाली पर पड़ने वाले प्रभाव का संकेत देता है। स्पष्ट अंग्रेजी में, अस्थिरता केवल चुनाव में पार्टी बदलने वाले लोगों की संख्या है। 1960 के दशक के अंत में ब्रिटेन में, पेडर्सन इंडेक्स सिर्फ 10ऊ से अधिक था, अब यह 40ऊ के करीब है। सोशल मीडिया के बढ़ते उपयोग और चुनाव परिणामों पर इसके प्रभाव के बारे में बहुत चर्चा हुई है। स्विस चुनाव विशेषज्ञ, प्रोफेसर हैंसपीटर क्रेसी के एक हालिया अध्ययन में बताया गया है कि "तर्क और मतदान संकेतों की एक स्थिर धारा मतदाताओं को प्रबुद्ध विकल्प चुनने में मदद देती है जो उनकी प्राथमिकताओं के अनुरूप हैं। यह सच हो सकता है, लेकिन एक हालिया अध्ययन में पाया गया है कि चुनाव प्रचार के दौरान राजनेता सोशल मीडिया पर अधिक पोस्ट करते हैं, लेकिन कुल मिलाकर नीतिगत सामग्री वाले पोस्ट की संख्या कम है, अधिक नहीं। यह दरार का वह अगला भाग होता है जो दो मस्तिष्क-गोलार्धों को अलग करता है। इसलिए, अगर मैं इस बात से नाराज हूं कि ऋषि सुनक ने एनएचएस प्रतीक्षा सूची को कम नहीं किया है, तो यह संभव है कि एसीसी ओवरड्राइव में चला गया है। वृद्ध लोग - जो अधिक संख्या में मतदान करते हैं - यहाँ विशेष रूप से दिलचस्प हैं। ऐसा इसलिए है क्योंकि जैसे-जैसे हमारी उम्र बढ़ती है, हम तथाकथित डॉर्सोलैटरल प्रीफ्रंटल कॉर्टेक्स - मस्तिष्क का एक क्षेत्र जो सावधानी से जुड़ा होता है।

मतदान मस्तिष्क

चुनावी अध्ययनो मे एक और दिलचस्प विकास यह है कि अब हम मतदान व्यवहार को समझने के लिए सामाजिक तंत्रिका विज्ञान विधियो का उपयोग करने मे सक्षम है। पिछले दशक मे, तंत्रिका विज्ञान ने हमे मस्तिष्क के उन हिस्सो की पहचान करने मे सक्षम बनाया है जो राजनीतिक विज्ञापन देखने पर सक्रिय हो जाते है। इन नतीजों से पता चलता है कि ज्यादातर लोग चुनाव अभियानो मे तर्कसंगत तर्क के बजाय डर और भावनाओ से प्रेरित होते है। व्यवहार मे, इसका मतलब यह है कि मतदाता उन संदेशो के प्रति अधिक संवेदनशील होते है जो सकारात्मक के बजाय नकारात्मक पर जोर देते है। शोधकर्ताओ ने पाया कि उत्पादो के बारे मे नकारात्मक छवियों और बयानो के कारण डोर्सोलेटरल प्रीफ्रंटल कॉर्टेक्स मे गतिविधि बढ़ गई, जो निर्णय लेने से भी जुड़ी है। उदाहरण के लिए, कोला के एक ब्रांड के बारे मे नकारात्मक जानकारी ने लोगो को प्रतिस्पर्धी ब्रांड खरीदने की अधिक संभावना बना दी। हालाँकि, जब यह प्रयोग शीतल पेय के बजाय राजनीतिक दलो के साथ दोहराया गया, तो नकारात्मक प्रभाव तीन गुना अधिक था। नकारात्मक राजनीतिक विज्ञापन काम करता है, और अब हमारे पास इसे साबित करने के लिए एफएमआरआई स्कैन है। राजनीति एक खुली लड़ाई है, और हमारा दिमाग इसे प्रतिबिंबित करता है। विकास ने हमे इस तरह तैयार किया है कि जब भी हम खतरे मे होते है तो हम डर जाते है। हम सबसे पहले जीवित रहना चाहते है।

कोका-कोला, रोज वाइन, रेड वाइन और पचास किस्म के पीले रंग

आपके पेशाब के रंग का क्या मतलब है

भाषा। ब्रिस्टल

लाल और पीला और गुलाबी और हरा - आपका मूत्र भी इंद्रधनुषी हो सकता है। आपको यह जानकर आश्चर्य हो सकता है कि यह बैंगनी, नारंगी और नीला हो सकता है। और इसके अलावा असंख्य अन्य असामान्य रंग भी। मूत्र एक माध्यम के रूप में कार्य करता है जिसके माध्यम से शरीर कई अपशिष्ट उत्पादों को बाहर निकाल सकता है। इसमें प्रोटीन और मांसपेशियों के टूटने से उत्पन्न नाइट्रोजनयुक्त अपशिष्ट (यूरिया और क्रिएटिनिन के रूप में), और लाल रक्त कोशिकाएं शामिल हैं। इसके अलावा, कई अलग-अलग अंतर्ग्रहण यौगिक, जिनमें विटामिन, दवाएं और हमारे आहार से कुछ शामिल हैं, मूत्र के माध्यम से शरीर से बाहर निकलते हैं। लेकिन ऐसी बहुत सी चीजें हैं जो मूत्र में मौजूद नहीं होनी चाहिए, और एक महत्वपूर्ण प्रश्न जिस पर डॉक्टर को विचार करना चाहिए वह है: "यह किस रंग का है?" ऐसा करने से निदान की ओर इशारा करने में मदद मिल सकती है। नारंगी और पीला- बेशक, हम जानते हैं कि अपने सामान्य रूप में मूत्र का रंग पीले रंग के कई रंगों को कवर करता है - यह इस बात पर निर्भर करता है कि आप कितनी अच्छी तरह हाइड्रेटेड हैं। निर्जलीकरण से मूत्र गहरे पीले रंग का हो जाता है, जो कभी-कभी नारंगी रंग के सिरे तक पहुँच जाता है, जबकि अच्छे तरल पदार्थ के सेवन से मूत्र पतला पीला-पीला हो जाता है। वह यौगिक जो मूत्र का रंग पीला कर देता है उसे यूरोबिलिन कहा जाता है। इसे बनाने की प्रक्रिया पुरानी लाल रक्त कोशिकाओं के टूटने से शुरू होती है जो अपनी सर्वश्रेष्ठ स्थिति को पार कर चुकी होती हैं और जिन्हें परिसंचरण से हटाने की आवश्यकता होती है। यह प्रक्रिया बिलीरुबिन नामक एक यौगिक बनाती है। यह आंशिक रूप से मूत्र के माध्यम से और आंशिक रूप से आंत के माध्यम से उत्सर्जित होता है क्योंकि इसका उपयोग यकृत द्वारा पित्त बनाने के लिए किया जाता है, जो वसा के टूटने और पाचन में महत्वपूर्ण है। पित्त आंत में स्रावित होता है और मल में मिल जाता है। पित्त में मौजूद ए यौगिक ही मल को विशिष्ट भूरा रंग देते हैं। जब पित्त को आंत में जारी करने में असमर्थ होता है - शायद पित्त पथरी या कैंसर के कारण पित्त नलिकाओं को अवरुद्ध करने के परिणामस्वरूप - बिलीरुबिन रक्त प्रवाह में वापस अवशोषित हो जाता है और फिर मूत्र के माध्यम से उत्सर्जित होता है। इससे यह गहरे रंग का हो जाता है - नारंगी या भूरा रंग। बढ़ा हुआ बिलीरुबिन भी त्वचा को पीला बना देता है। इस स्थिति को प्रतिरोधी पीलिया कहा जाता है। एंटीबायोटिक रिफैम्पिसिन सहित कई दवाएं भी मूत्र को नारंगी रंग दे सकती हैं। हरा और नीला- हरे और नीले रंग का मूत्र कुछ हद तक दुर्लभ पाया जाता है और इसे शौचालय में देखने पर संभवतः काफी आश्चर्य होगा। यदि आपके मूत्र का रंग ऐसा है आप जानते हैं कि यह टॉयलेट फ्लश का रंग नहीं है, तो ऐसे कारण हैं कि आपका शरीर हरा या नीला मूत्र क्यों पैदा कर रहा है। रंगने वाले पदार्थ जो हरे (जैसे शतावरी) या नीले खाद्य पदार्थों और पेय पदार्थों से आते हैं, और बड़ी मात्रा में खाए जाते हैं, इसका कारण हो सकते हैं, जैसे कि एंटीहिस्टामाइन, एनेस्थेटिक्स और विटामिन जैसी कुछ दवाएं भी हो सकती हैं। दिलचस्प बात यह है कि कुछ सूक्ष्मजीव हरे रंग के साथ भी यौगिक बना सकते हैं। जीवाणु स्यूडोमोनास एरुगिनोसा (इसके वर्डीग्रिस रंग के अनुसार नाम दिया गया है) हरे-नीले पियोसायनिन का उत्पादन करता है। यह मूत्र पथ के संक्रमण का एक दुर्लभ कारण है - जो अक्सर पेशाब करते समय जलन या चुभन के साथ होता है।

लाल- लाल मूत्र आमतौर पर रक्तस्राव का संकेत देता है। यह मूत्र पथ मे कही से भी आ सकता है - गुर्दे से लेकर मूत्राशय और प्रोस्टेट ग्रंथि तक, और उन्हें जोड़ने वाली सभी नलियो से। रक्त की उपस्थिति मात्रा और अंतराल के अनुसार भिन्न होती है और कई अलग-अलग रंग पैदा कर सकती है। उच्च मात्रा मे रक्तस्राव में, मूत्र इतना रंगीन हो सकता है कि यह रेड वाइन जैसा दिखता है। कई स्थितियाँ रक्तस्राव का कारण बन सकती है, गुर्दे की पथरी से लेकर कैंसर तक, आघात और मूत्र पथ के संक्रमण तक। लेकिन ज्यादा चुकंदर खाने से भी लाल पेशाब आ सकता है।

नसीम-राउफ ने भारत को 119 रन पर समेटा

● टी-20 नहीं चल पाए बल्लेबाज, पंत ने बनाए 42 रन

भाषा। न्यूयॉर्क

तेज गेंदबाज नसीम शाह और हारिस राउफ की अगुआई में गेंदबाजों के उम्दा प्रदर्शन से पाकिस्तान ने आईसीसी टी20 विश्व कप के ग्रुप ए के वर्षा से प्रभावित मैच में रविवार को यहां भारत को 119 रन पर समेट दिया। नसीम और राउफ दोनों ने 21-21 रन देकर तीन-तीन विकेट चटकाए। मोहम्मद आमिर ने उनका अच्छा साथ निभाते हुए 23 रन देकर दो विकेट हासिल किए जबकि शाहीन शाह अफरीदी (29 रन पर एक विकेट) ने एक विकेट हासिल किया।भारत की ओर से ऋषभ पंत ने 31 गेंद में छह चौकों मदद से सर्वाधिक 42 रन बनाए। उनके अलावा अक्षर पटेल (20) और कप्तान रोहित शर्मा (13) ही दोहरे अंक तक पहुंच पाए। भारत ने नियमित अंतराल पर विकेट गंवाए और पूरी टीम 19 ओवर में सिमट गई।बारिश के कारण मैच 50 मिनट के विलंब से शुरू हुआ। पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया। रोहित ने शाहीन शाह अफरीदी के पहले ही ओवर में छक्का जड़ा लेकिन इसके बाद फिर बारिश आ गई और आधे घंटे से अधिक समय तक खेल रुका रहा।मैच दोबारा शुरू होने पर विराट कोहली (04) ने नसीम पर चौके से खाता खोला लेकिन एक गेंद बाद कवर प्वाइंट पर उस्मान खान को कैच दे बैठे।शाहीन के अगले ओवर में रोहित (13) ने भी डीप स्क्वायर लेग पर राउफ को कैच थमाया।अक्षर ने शाहीन की लगातार गेंदों पर चौका और छक्का मारा। पंत ने आमिर की गेंद को बाउंड्री के दर्शन कराए लेकिन अगली गेंद पर उस्मान ने उनका मुश्किल कैच टपका दिया।भारत ने पावर प्ले में दो विकेट पर 50 रन बनाए। नसीम ने सीधी गेंद पर अक्षर को बोल्ड करके भारत को तीसरा झटका दिया। अक्षर ने 18 गेंद में दो चौकों और एक छक्के से 20 रन बनाए।सूर्यकुमार यादव ने आते ही नसीम पर सीधे चौके से खाता खोला।पंत इसके बाद बाएं हाथ के स्पिनर इमाद वसीम की गेंद को हवा में लहरा गए लेकिन उस्मान कैच नहीं पकड़ पाए।पंत ने जीवनदान का फायदा उठाते हुए राउफ का स्वागत लगातार तीन चौकों के साथ किया। सूर्यकुमार हालांकि सिर्फ सात रन बनाने के बाद राउफ की गेंद पर मिड ऑफ पर आमिर को कैच दे बैठे।शिवम दुबे ने भी नौ गेंद में सिर्फ तीन रन बनाने के बाद नसीम को उन्हीं की गेंद पर कैच थमाया।पंत भी इसके बाद आमिर की गेंद को हवा में लहराकर बाबर को कैच दे बैठे जबकि अगली गेंद पर रविंद्र जडेजा (00) ने इमाद को कैच थमा दिया।

स्कोरबोर्ड

भारत: रोहित का राउफ बो शाहीन 13, कोहली का उस्मान बो नसीम 04, पंत का बाबर बो आमिर 42, पटेल बो नसीम 20, सूर्यकुमार का आमिर बो राउफ 07, दुबे का एवं बो नसीम 03, पंड्याका इफितखार बो राउफ 07, जडेजा का इमाद बो आमिर 00,अर्शदीप रन आउट 09,बुमराह का इमाद बो राउफ 00, सिराज नाबाद 07,**अतिरिक्त:** 07,कुल:19 ओवर मे सभी विकेट खोकर: 119 रन,**विकेट पतन:** I-12, 2-19, 3-58, 4-89, 5-95, 6-96, 7-96, 8-112, 9-112, **गेंदबाजी:**शाहीन 4-0-29-1,नसीम 4-0-21-3,आमिर 4-0-23-2,इफितखार I-0-7-0,वसीम 3-0-17-0,राउफ 3-0-21-3

ऑस्ट्रेलिया ने इंग्लैंड को 36 रन से हराया

भाषा। ब्रिजटाउन (बारबाडोस)

ऑस्ट्रेलिया ने शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों के उपयोगी योगदान और गेंदबाजों के अनुशासित प्रदर्शन के दम पर टी20 विश्व कप में अपने चिर प्रतिद्वंदी इंग्लैंड को 36 रन से हराया। ऑस्ट्रेलिया ने पहले बल्लेबाजी करते हुए सात विकेट पर 201 रन बनाए जो वर्तमान विश्व कप में किसी टीम का अभी तक सर्वोच्च स्कोर है। इंग्लैंड की टीम इसके जवाब में 6 विकेट पर 165 रन ही बना पाई। ऑस्ट्रेलिया की यह लगातार दूसरी जीत है जिससे वह ग्रुप बी में शीर्ष पर पहुंच गया है। इंग्लैंड को अभी पहली जीत का इंतजार है। उसे अब ओमान और नामीबिया का सामना करना है जबकि स्कॉटलैंड के खिलाफ मैच बारिश की भेंट चढ़ जाने के कारण उसे अंक बांटने पड़े थे। पहले बल्लेबाजी के लिए आमंत्रित किए जाने के बाद डेविड वार्नर (16 गेंद पर दो चौकों और चार छक्कों की मदद से 39 रन) और ट्रेविस हेड (18 गेंद पर 34 रन, दो चौके, तीन छक्के) ने पहले 5 ओवर में 70 रन जोड़कर ऑस्ट्रेलिया को आक्रामक शुरूआत दिलाई। इन दोनों के चार रन के अंदर पवेलियन लौट जाने के बाद कप्तान मिशेल मार्श और ग्लेन मैक्सवेल ने जिम्मेदारी संभाली।

हुसैन के पांच विकेट, वेस्टइंडीज की जीत,युगांडा हारा

प्रोविडेंस (गयाना)। बाएं हाथ के स्पिनर अकील हुसैन के पांच विकेट की मदद से वेस्टइंडीज ने टी20 विश्व कप के ग्रुप सी के मैच मे युगांडा को 134 रन से करारी शिकस्त दी। वेस्टइंडीज ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 5 विकेट पर 173 रन बनाए जिसके जवाब मे युगांडा 12 ओवर मे 39 रन बनाकर आउट हो गया। हुसैन ने अपने करियर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए 11 रन देकर 5 विकेट लिए। युगांडा ने पुरुष टी20 विश्व कप मे न्यूनतम स्कोर की बराबरी की। इससे पहले जॉनसन चार्ल्स (44) ने वेस्टइंडीज की तरफ से सर्वाधिक रन बनाए जबकि आंद्रे रसेल ने 30 रन की आक्रामक नाबाद पारी खेली। उनके अलावा निकोलस पूरन ने 22 रन, कप्तान रोवमैन पावेल ने 23 और शेरफ्रेन रदरफोर्ड ने 22 रन का योगदान दिया। युगांडा की तरफ से ब्रायन मसाबा ने 31 रन देकर दो विकेट लिए।वेस्टइंडीज ने इस बड़ी जीत से अपना नेट रन रेट 3.574 पर पहुंचा दिया है जिससे उसे ग्रुप सी मे शीर्ष पर जगह बनाने मे मदद मिलेगी।वेस्टइंडीज के कप्तान पावेल ने मैच के बाद कहा, यहां से आगे का रास्ता कहा हो जाएगा लेकिन हम परिस्थितियो को अच्छी तरह से समझते है। हम प्रत्येक मैच मे 10 से 15 प्रतिशत सुधार करने पर बात करते है। पहले मैच मे हम अपेक्षित प्रदर्शन नही कर पाए थे और इसलिए हम एक टीम के रूप मे सुधार करना चाहते थे। वेस्टइंडीज के गेदबाजो ने युगांडा को क्रिकेट का कहा सबक सिखाया।

अवनि ने एलईटी एक्सेस सीरीज के कट में जगह बनाई

मोंटौबन (फ्रांस)। भारतीय गोल्फर अवनि प्रशांत एलईटी एक्सेस सीरीज के मोंटौबन लेडीज ओपन के दूसरे दौर में निराशाजनक 78 का कार्ड खेलने के बाद भी कट मे जगह हासिल करने मे सफल रही। शुरुआती दौर मे 71 के कार्ड के साथ संयुक्त 14वे स्थान पर रही अवनि ने दूसरे दौर के 15वे होल मे टृपिल-बोगी और 18वे होल मे डबल बोगी करने के साथ ही 17वे होल मे भी बोगी कर बैठी। वह दूसरे दौर के बाद कुल पांच ओवर के स्कोर के साथ संयुक्त 46वे स्थान पर खिसक गई।

अदिति अशोक एलपीजीए क्लासिक में कट से चूकी

गैलोवे (अमेरिका)। भारत की अदिति अशोक आखिर मे दो बर्डी बनाने के बावजूद एलपीजीए क्लासिक गोल्फ टूर्नामेंट मे कट से चूक गई। बेंगलुरु की रहने वाली इस गोल्फर ने पहले दौर मे दो अंडर 69 का स्कोर बनाया था, लेकिन दूसरे दौर मे वह अच्छा प्रदर्शन नही कर पाई। वह दूसरे दिन 13 होल के बाद दो ओवर पर थी। उन्होने 16वे और 18वे होल मे बर्डी बनाई लेकिन यह कट मे जगह बनाने के लिए पर्याप्त नही था।अदिति का दो दिन का स्कोर दो अंडर रहा जबकि कट तीन अंडर पर गया। दक्षिण कोरिया की जेनी शिन ने दूसरे दौर मे दो अंडर 69 का स्कोर बनाया। इस तरह से उनका कुल स्कोर 10 अंडर 132 है और वह एक शॉट की बढ़त लेकर शीर्ष पर काबिज है।

शुभंकर शर्मा संयुक्त 26वें स्थान पर

हेलसिंगबर्ग। भारत के शुभंकर शर्मा ने तीसरे दौर मे एक अंडर 71 का स्कोर बनाया जिससे वह स्कैंडिनेवियन मिक्स्ड गोल्फ टूर्नामेंट मे संयुक्त 26वे स्थान पर खिसक गए।शुभंकर ने पहले दो दौर मे समान 69 का स्कोर बनाया था लेकिन तीसरे दौर मे वह अच्छी शुरुआत का फायदा नही उठा पाए। उन्होने पहले आठ होल मे एक बोगी के मुकाबले चार बर्डी लगाई। भारत के इस खिलाड़ी ने 13वे होल मे टृपिल बोगी की और अगले होल मे बर्डी करने के बावजूद वह 20वे से 26वे स्थान पर खिसक गए। स्वीडन के सेबेस्टियन सोडरबर्ग ने 6 अंडर 66 का कार्ड खेल कर अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखा। उनका कुल स्कोर 21 अंडर पार पर है और उन्होने आठ शॉट की बढ़त हासिल कर रखी है।

होंडा टीम के मोहसिन 17वें स्थान पर

मोतेगी (जापान)। होंडा रेसिंग इंडिया टीम एफआईएम एशिया रोड रेसिंग चैंपियनशिप मे तीसरे चरण की रेस 2 से कोई अंक हासिल नही कर सकी क्योकि रविवार को यहां केविन समर क्रिंटल बाइक इंजन की समस्या के कारण रेस पूरी नही कर सके, जबकि मोहसिन परम्बन एपी 250 वर्ग मे 17वे स्थान पर रहे। ग्रिड मे 18वे स्थान से रेस शुरू करने वाले केविन को इंजन की समस्या के कारण छठे लैप के दौरान रेस से हटना पड़ा।

चेन्नईयन एफसी ने स्ट्राइकर डेनियल चीमा चुकू से अनुबंध किया

चेन्नई। चेन्नईयन एफसी ने अपने आक्रमण को मजबूत करने के लिए 2024-25 के फुटबॉल सत्र से पहले नाइजीरियाई स्ट्राइकर डेनियल चीमा चुकू से अनुबंध किया है। चीमा भारतीय फुटबॉल का जाना पहचाना नाम है। यह 33 वर्षीय खिलाड़ी इससे पहले इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) मे ईस्ट बंगाल और जमशेदपुर की तरफ से खेल चुका है। उन्होने 2022 मे जमशेदपुर को आईएसएल लीग शील्ड दिलाने मे महत्वपूर्ण योगदान दिया था।चेन्नई की टीम ने चीमा के साथ 2 साल का अनुबंध किया है। इसका मतलब है कि वह क्लब के साथ 2026 तक बने रहेगे। चेन्नईयन ने इस सत्र मे चार खिलाड़ियो से अनुबंध किया।

गॉफ और सिनियाकोवा ने फ्रेंच ओपन महिला युगल खिताब जीता

भाषा। पेरिस

कोको गॉफ ने रविवार को यहां फ्रेंच ओपन टेनिस टूर्नामेंट में कैटरीना सिनियाकोवा के साथ मिलकर अपना पहला महिला युगल ग्रैंडस्लैम खिताब जीता। पिछले साल अमेरिकी ओपन का महिला एकल खिताब जीतने वाली 20 साल की अमेरिका की गॉफ और चेक गणराज्य की सिनियाकोवा ने जैस्मिन पाओलिनी और सारा इरानी की इटली की जोड़ी को सीधे सेट में 7-6, 6-3 से हराया। गॉफ ने तीसरी बार ग्रैंडस्लैम महिला युगल के फाइनल में जगह बनाई। इससे पहले उन्हें 2022 में रोलां गैरो पर ही और 2021 में अमेरिकी ओपन में खिताबी मुकाबले में हार का सामना करना पड़ा था। गॉफ ने कहा, तीसरी बार में भाग्यशाली रही। मेरे साथ खेलने के लिए धन्यवाद कैटरीना। टूर्नामेंट से दो दिन पहले हमने एक साथ खेलने का फैसला किया। प्रशंसकों को भी धन्यवाद। मुझे पता है कि रविवार को सुबह साढ़े 11 बजे अधिकांश लोगों के लिए जल्दी होता है। मेरे लिए यह जल्दी है। पाओलिनी को शनिवार को रोलां गैरो पर एकल फाइनल में चार बार की चैंपियन इगा स्वियातेक के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा था। स्वियातेक ने एकल सेमीफाइनल में गॉफ को हराया था। सिनियाकोवा ने महिला युगल में अपनी जोड़ीदार बारबरा क्रेसिकोवा के साथ करियर स्लैम (चारों ग्रैंडस्लैम जीतना) पूरा किया है। वह फ्रेंच ओपन में 2018 और 2021 की भी महिला युगल चैंपियन हैं। इरानी भी अपनी पूर्व जोड़ीदार रॉबर्टा विन्सी के साथ युगल में करियर स्लैम पूरा कर चुकी हैं। इस जोड़ी ने 2012 में फ्रेंच ओपन खिताब जीता था। उसी साल इरानी को एकल फाइनल में शिकस्त का सामना करना पड़ा था।

अरेवालो व पाविच को फ्रेंच ओपन में पुरुष युगल का खिताब

पेरिस। अल साल्वाडोर के मार्सेलो अरेवालो और क्रोएशिया के मैट पाविच ने इटली के सिमोन बोलेली और एंड्रिया वावस्सोरी को सीधे सेटों में हराकर फ्रेंच ओपन टेनिस टूर्नामेंट में पुरुष युगल का खिताब जीता।अरेवालो और पाविच ने शनिवार को खेले गए फाइनल में 7-5, 6-3 से जीत दर्ज की। पाविच ने इस तरह से चारों ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट में पुरुष युगल का खिताब जीतने का रिकॉर्ड भी बनाया। पाविच ने मैच के बाद कहा,, यहां यह मेरा पहला खिताब है और इसलिए मैं बहुत खुश हूं। यह विशेष एहसास है क्योंकि मैं दो बार यहां फाइनल में हार गया था। अरेवालो का यह पुरुष युगल में दूसरा खिताब है। उन्होंने 2022 में फ्रेंच ओपन में ही जीन जूलियन रोजर के साथ मिलकर पुरुष युगल का खिताब जीता था।अरेवालो ने कहा, मैं मैट का आभार व्यक्त करता हूं कि उन्होंने मुझ पर भरोसा दिखाया। मेरा यहां यह दूसरा खिताब है और यह विशेष है।

आईपीएल से हटने का फैसला सही था : जंपा

ब्रिजटाउन (बारबाडोस)। ऑस्ट्रेलिया के स्पिनर एडम जंपा ने कहा कि आईपीएल 2024 से हटने का उनका फैसला सही रहा क्योंकि इससे उन्हें टी20 विश्व कप की तैयारी करने में मदद मिली और साथ ही उन्होंने अपने परिवार के साथ अच्छा समय बिताया।जंपा ने टी20 विश्व कप में ऑस्ट्रेलिया की इंग्लैंड पर 36 रन से जीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। जंपा ने कहा, निश्चित तौर पर विश्व कप को ध्यान में रखते हुए आईपीएल से हटने का मेरा फैसला सही रहा। मैं काफी थका हुआ महसूस कर रहा था तथा मैं पूरी तरह से फिट भी नहीं था। इसके अलावा मैं पारिवारिक व्यक्ति भी हूं और कई बार इन्हें काम से अधिक प्राथमिकता देना महत्वपूर्ण होता है। उन्होंने कहा, मैं थोड़ा धीमी शुरुआत करने वाला व्यक्ति हूं और मुझे थोड़ा अधिक कड़ी मेहनत करनी पड़ी।

भारतीय महिला हॉकी टीम ग्रेट ब्रिटेन से 2-3 से हारी

● प्रो लीग सत्र का अंत आठ हार के साथ किया

भाषा। लंदन

भारतीय महिला हॉकी टीम रविवार को यहां एफआईएच प्रो लीग में कड़े मुकाबले में ग्रेट ब्रिटेन से 2-3 से हार गई जिससे टीम की हार का सिलसिला आठ मैचों तक पहुंच गया। इस तरह से भारत ने अपने प्रो लीग सत्र का अंत घरेलू टीम के खिलाफ दिल तोड़ने वाली हार के साथ किया। मैच में अधिकतर समय तक अच्छा प्रदर्शन करने के बाद भारत को अंतिम लम्हों में ग्रेस बाल्डसन (56वें और 58वें मिनट) के दो गोल के कारण हार का सामना करना पड़ा। भारत के खिलाफ दो फैसले लिए गए जिसमें एक वीडियो रिव्यू भी शामिल है जिससे कोच हरेंद्र सिंह निराश हो गए। स्कोर जब 2-2 से बराबर था और अंतिम हूटर बजने वाला था तब बाल्डसन ने शक्तिशाली ड्रैग फ्लिक पर विजई गोल दागा जो निचले कोने पर लगा।बाल्डसन ने तोक्यो ओलंपिक के कांस्य पदक के मुकाबले में विजई गोल करने के तीन साल बाद एक बार फिर भारतीयों का दिल तोड़ दिया।बाल्डसन के गोलों ने भारत को हरेंद्र के मार्गदर्शन में अपना पहला मैच जीतने से भी रोका। वाटसन चार्लोट ने तीसरे मिनट में गोल करके ब्रिटेन को बढ़त दिलाई जिसके बाद लालरेमसियामी ने 14वें मिनट में मैदानी गोल करके स्कोर।-। किया। नवनीत कौर ने 23वें मिनट में भारत को 2-। की बढ़त दिलाई। भारतीय टीम ने बेहतर प्रदर्शन किया लेकिन हार के सिलसिले को खत्म करने के लिए यह काफी नहीं था। बाल्डसन ने अंतिम लम्हों में दो गोल दागकर मेजबान टीम की जीत सुनिश्चित की।गोलकीपर सविता पूनिया ने कहा, ए वो नतीजे नहीं हैं जो हम चाहते थे। हम आज के नतीजे से निराश हैं। हमने एक गोल से पिछड़ने के बाद वापसी की, हमें अंत में धैर्य रखने की जरूरत थी। उन्होंने कहा, जब हम यहां आए थे तो हमें आक्रामक हॉकी खेलनी थी। बेल्जियम में चार मैचों में हम रक्षात्मक थे। हमने लंदन में भी ऐसा किया लेकिन निश्चित रूप से हमारे डिफेंस को बेहतर बनाने की जरूरत है। यह भारतीय हॉकी के लिए बहुत मायने रखता है कि हम प्रो लीग में अपनी जगह बनाए रखें क्योंकि अन्यथा हमें पर्याप्त मैच नहीं मिलेंगे। प्रदर्शन से निराशा के बावजूद खुशी है कि हम प्रो लीग में बने हुए हैं।

पूजा तोमर यूएफसी में जीत दर्ज करने वाली पहली भारतीय बनी

केंटकी। पूजा तोमर अल्टीमेट फाइटिंग चैंपियनशिप (यूएफसी) में जीत दर्ज करने वाली भारत की पहली मिश्रित मार्शल आर्ट फाइटर बन गई है। पहली बार इस तरह की प्रतियोगिता में भाग ले रही पूजा ने यूएफसी लुइसविले में शनिवार को स्ट्रॉवेट (52 किग्रा) मुकाबले में ब्राजील की रेयान डॉस सैंटोस पर 30-27, 27-30, 29-28 से विभाजित निर्णय से जीत हासिल की। पूजा ने मुकाबले के बाद कहा, यह केवल मेरी जीत नहीं है। यह भारत के सभी प्रशंसकों और भारतीय फाइटर की जीत है। इससे पहले सभी सोचा करते थे कि भारतीय फाइटर चुनौती पेश नहीं कर सकते हैं। मैं केवल जीत के बारे में सोच रही थी और मैंने दिखाया कि भारतीय फाइटर हारने वालों में शामिल नहीं हैं। साइक्लोन के नाम से मशहूर 30 वर्षीय पूजा ने पिछले साल अक्टूबर में यूएफसी के साथ अनुबंध किया था और इस तरह से वह मिश्रित मार्शल आर्ट्स की सबसे बड़ी प्रतियोगिताओं में भाग लेने वाली भारत की पहली महिला बन गईं। अंशुल जुबली और भरत कंडारे ने यूएफसी में विश्व मंच पर भारत का प्रतिनिधित्व किया है।

गुरप्रीत कतर के खिलाफ फीफा विश्व कप क्वालीफाइंग मैच के लिए भारतीय कप्तान नियुक्त

दोहा। भारत की पहली पसंद के गोलकीपर गुरप्रीत सिंह संधू को रविवार को यहां कतर के खिलाफ 2026 फीफा विश्व कप क्वालीफाइंग मैच के लिए टीम का कप्तान नियुक्त किया गया। भारत मंगलवार को यहां के जसीम बिन हमद स्टेडियम में मेजबान कतर से खेलेगा। भारतीय टीम मैच के लिए शनिवार रात दोहा पहुची। टीम इस मैच को जीतकर विश्व कप क्वालीफायर के तीसरे चरण में पहली बार प्रवेश का मार्ग प्रशस्त कर सकती है। सुनील छेत्री के संन्यास के बाद यह भारत का पहला मैच है। छेत्री ने बृहस्पतिवार को कुवैत के खिलाफ गोलरहित ड्रॉ रहे मैच के बाद अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल से विदा ले ली। मुख्य कोच इगोर स्टिमक ने इस मुकाबले के लिए 23 सदस्यीय टीम की घोषणा की थी जिसमें रक्षा पंक्ति के खिलाड़ी अमेय रानावाडे, लालचुंगनुंगा और सुभाशीष बोस शामिल नहीं है। बोस ने निजी कारणों से टीम में शामिल नहीं करने का निवेदन किया था।रानावाडे और लालचुंगनुंगा के बारे में स्टिमक ने कहा, मैं उन दोनों खिलाड़ियों से संतुष्ट हूं। हमने भविष्य के लिए उनके खेल के विभिन्न पहलुओं पर काम किया। उन्हें यहां आई टीम से बाहर करने से पहले हमने अच्छी बातचीत की और उन्हें पता है कि उन्हें अपने खेल में कहां सुधार करना है।

सौरभ ने विश्व पैरा एथलेटिक्स ग्रां प्री में दो स्वर्ण जीते

भाषा। हमीरपुर (हिमाचल)

भारतीय धावक सौरभ शर्मा ने स्विट्जरलैंड के नोट्टविल सिटी में आयोजित विश्व पैरा एथलीट ग्रां प्री में दो स्वर्ण पदक जीते। हिमाचल प्रदेश के हमीरपुर के इस खिलाड़ी ने टी12 वर्ग में 155 मीटर और 5000 मीटर दौड़ में शीर्ष स्थान हासिल किया। वह इससे पहले राष्ट्रीय स्तर पर सात स्वर्ण पदक जीत चुके है। यहां के रूप खायाह गांव के निवासी सौरभ के बड़े भाई विकास ने बताया, सौरभ ने छोटी उम्र से ही अपने खेल का सफर शुरू कर दिया था और आज उन्होंने भारत का प्रतिनिधित्व करने और देश के लिए पदक जीतने का अपना सपना भी पूरा कर लिया है। सौरभ वर्तमान में देहरादून में राष्ट्रीय दृष्टि दिव्यांगजन सशक्तिकरण संस्थान में अध्ययनरत हैं। शर्मा के बेहतरीन प्रदर्शन पर उनके कोच नरेश सिंह नयाल ने खुशी जताते हुए कहा कि सौरभ ने देहरादून में कड़ी मेहनत की है और अब नतीजे सबके सामने है।

संजीवनी को पोर्टलैंड में पहला स्थान

भाषा। पोर्टलैंड (अमेरिका)

● 10,000 मीटर दौड़ में मारी बाजी

एशियाई चैंपियनशिप की कांस्य पदक विजेता धाविका संजीवनी जाधव ने पोर्टलैंड ट्रैक फेस्टिवल हाई परफॉर्मेंस प्रतियोगिता में महिलाओं की 10,000 मीटर दौड़ 32 मिनट 22.77 सेकंड में पूरी करके पहला स्थान हासिल किया। इस 27 वर्षीय धाविका ने इससे पहले भी पोर्टलैंड में अच्छा प्रदर्शन किया है। वह पिछले साल यहां दूसरे स्थान पर रही थी। इस स्पर्धा में भाग ले रही एक अन्य भारतीय सीमा 32 मिनट 55.91 सेकंड का समय लेकर पांचवें स्थान पर रही। राष्ट्रमंडल और एशियाई खेलों के पदक विजेता अविनाश साबले ने पुरुषों की 3000 मीटर स्टीपलचेज में 8 मिनट 21.85 सेकंड का समय लेकर दूसरा स्थान हासिल किया। उन्होंने राष्ट्रमंडल खेल 2022 में 8 मिनट 11.20 का समय लेकर राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाते हुए रजत पदक जीता था लेकिन यहां वह इस प्रदर्शन को नहीं दोहरा पाए। महिला वर्ग में पिछले साल एशियाई खेलों में स्वर्ण (5000 मीटर) और रजत (3000 मीटर स्टीपलचेज) जीतने वाली पारुल चौधरी स्टीपलचेज में तीसरे स्थान पर रही।

क्विक न्यूज

बांग्लादेश के खिलाफ विजय अभियान जारी रखने उतरेगा दक्षिण अफ्रीका

न्यूयॉर्क। अपने पहले दो मैच में जीत दर्ज करके ग्रुप डी में शीर्ष पर काबिज दक्षिण अफ्रीका को अगर टी20 विश्व कप में अपना विजय अभियान जारी रखना है तो बांग्लादेश के खिलाफ सोमवार को यहां होने वाले मैच में उसके बल्लेबाजों को अच्छा प्रदर्शन करना होगा।दोनों टीम के लिए नासाउ काउंटी इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम की अप्रत्याशित व्यवहार कर रही पिच से सामंजस्य से बिठाना आसान नहीं होगा। दक्षिण अफ्रीका ने हालांकि अपने पहले दो मैच इसी मैदान पर खेले हैं इसलिए वह थोड़ा फायदे में रहेगा। बांग्लादेश ने भी भारत के खिलाफ यहां अभ्यास मैच खेला था।दक्षिण अफ्रीका ने भले ही नीदरलैंड और श्रीलंका पर जीत दर्ज की है लेकिन उसके बल्लेबाज इन दोनों मैच में छोटे लक्ष्य का पीछा करते हुए संघर्ष करते हुए नजर आए। दक्षिण अफ्रीका के गेंदबाजों ने हालांकि अभी तक अच्छा प्रदर्शन किया है और इसलिए उसके गेंदबाजी आक्रमण में बदलाव की संभावना नहीं है जिसमें एनरिक नोर्किया, कैगिसो रबाडा, मार्को यानसन और ओटनील बार्टमेन जैसे तेज गेंदबाज और केशव महाराज जैसा अनुभवी स्पिनर शामिल है। दक्षिण अफ्रीका की चिंता हालांकि शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों का लचर प्रदर्शन होगा। नीदरलैंड के खिलाफ उसकी टीम पहले 10 ओवर में केवल 33 रन बना पाई थी। अगर ट्रिस्टन स्टब्स और डेविड मिलर ने मोर्चा नहीं संभाल होता तो उसकी टीम को हार का सामना करना पड़ सकता था। दक्षिण अफ्रीका के अभी दो मैच में चार अंक हैं और बांग्लादेश के खिलाफ जीत से सुपर 8 में जगह बनाने के लिए उसकी स्थिति मजबूत हो जाएगी। रिकॉर्ड भी दक्षिण अफ्रीका के पक्ष में है। उसने अभी तक टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में बांग्लादेश से कोई मैच नहीं गंवाया है।

स्कॉट फिर से भारतीय पुरुष बास्केटबॉल टीम के कोच बने

चेन्नई। भारतीय बास्केटबॉल महासंघ (बीएफआई) ने रविवार को यहां अपनी वार्षिक आम बैठक के बाद स्कॉट फ्लेमिंग को फिर से पुरुष राष्ट्रीय टीम का मुख्य कोच नियुक्त करने की घोषणा की।फ्लेमिंग को बीएफआई ने राष्ट्रीय टीम के कोच के अलावा देश में कोचिंग बुनियादी ढांचे को बढ़ाने की जिम्मेदारी सौंपी है। फ्लेमिंग इससे पहले 2012 से 2015 तक भारतीय बास्केटबॉल टीम के मुख्य कोच रह चुके हैं। उन्होंने एनबीए इंडिया के बास्केटबॉल संचालन के वरिष्ठ निदेशक के रूप में भी अपनी सेवाएं दी है। भारत में काम करने से पहले, वह 2010-12 के बीच एनबीए में डलास मावेरिक्स की जूनियर टीम टेक्सास लीजेंड्स के सहायक कोच भी रहे थे। फ्लेमिंग की देखरेख में भारत ने दक्षिण एशियाई चैम्पियनशिप (2014 और 2015) में स्वर्ण के अलावा 2014 लूसोफोनिया खेलों में शीर्ष स्थान हासिल किया था।

गोवा ने भारतीय डिफेंडर आकाश को अनुबंधित किया

मडगांव। एफसी गोवा ने आगामी इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) फुटबॉल सत्र के लिए भारतीय डिफेंडर आकाश सांगवान को अपने साथ जोड़ा है। क्लब ने रविवार को इसकी घोषणा की। क्लब ने उनके अनुबंध की सही अवधि का खुलासा नहीं किया है लेकिन यह कई वर्ष का करार होगा।
हरियाणा के 28 वर्षीय लेफ्ट बैक सांगवान ने 2017 में क्लब के साथ अपने सीनियर पेशेवर पदार्पण से पहले मिनर्वा पंजाब के साथ अपनी फुटबॉल यात्रा शुरू की। उन्होंने 2017-18 सत्र में टीम को आईलीग खिताब जीतने में मदद की। वह 2022 में दो बार के पूर्व आईएसएल चैंपियन चेन्नईयिन एफसी में शामिल होने से पहले चर्चिल ब्रदर्स और राउंडग्लास पंजाब के लिए खेल चुके हैं। सांगवान ने अब तक 114 पेशेवर मुकाबले खेले हैं और उनके नाम तीन गोल हैं जिनमें से दो पिछले सत्र में सीएफसी के लिए खेलते हुए किए। क्लब से अनुबंध पर उन्होंने कहा, मैं एफसी गोवा के साथ इस नए अध्याय को शुरू करने के लिए उत्साहित हूं। क्लब की महत्वाकांक्षाएं और खेल शैली मेरे से मेल खाती हैं और मैं टीम की सफलता में योगदान देने के लिए उत्सुक हूं।

न्यूयॉर्क की पिच पर बल्लेबाजी मुश्किल, रन बनाने का तरीका ढूंढना होगा: मार्कराम

न्यूयॉर्क। दक्षिण अफ्रीका के कप्तान एडेन मार्कराम ने नासाउ काउंटी (न्यूयॉर्क) की नई और धीमी पिच पर बल्लेबाजी को मुश्किल करार दे हुए रविवार को कहा कि उनकी टीम को इस सतह पर रन बनाने की रणनीतियों पर फिर से विचार करना होगा। दक्षिण अफ्रीका ने इस मैदान पर अपने दो मैचों में संघर्षपूर्ण जीत दर्ज की है। उन्होंने श्रीलंका के खिलाफ 78 रन का लक्ष्य 16.2 ओवर में हासिल कर लिया और नीदरलैंड के खिलाफ 104 रन का लक्ष्य हासिल करने में उन्हें 18.5 ओवर लगे। नीदरलैंड ने शनिवार को महज 12 रन पर चार विकेट लेकर दक्षिण अफ्रीका को एक समय सकते में डाल दिया था। मार्कराम ने सोमवार को बांग्लादेश के खिलाफ खेले जाने वाले ग्रुप डी के मैच की पूर्व संध्या पर कहा, यह अभी वास्तव में ताजा (काफी नई) है और (सामान्य बर्ताव के लिए) इस पर थोड़े और मैचों को खेले जाने की जरूरत है। यह ऐसी पिच नहीं है जिस पर आप खुलकर बल्लेबाजी कर सकें। पिच काफी धीमी है और ऐसे में सामंजस्य बिठाना कठिन हो जाता है। उन्होंने कहा कि इस पिच पर बल्लेबाजों को रन बनाने का तरीका ढूंढना होगा। टीम के लिए अच्छी बात यह है कि हमें यहां दो मैच खेलने का अनुभव है। मार्कराम ने कहा, हमारी किस्मत अच्छी है कि हमें यहां दो मैच खेलने का मौका मिला है। इससे हमें योजनाएं बनाने मे मदद मिलेगी। कप्तान ने कहा, उम्मीद है कि अगर हम पहले बल्लेबाजी करते हैं तो योजना बनाकर लगभग 140 के स्कोर तक पहुंच सकेंगे। उम्मीद है कि हमारे गेंदबाज बाकी काम करने में सक्षम होंगे। दक्षिण अफ्रीका के गेंदबाजों ने शुरुआती दो मैचों अच्छा प्रदर्शन किया है जिसमें एनरिच नोर्किया और ओटनील बार्टमैन ने का प्रदर्शन काफी प्रभावी रहा है। मार्कराम ने कहा, वे दोनों शानदार रहे हैं। आप अन्ना (नोर्किया) को देखें, शायद विश्व कप में वह बेहतर प्रदर्शन करना पसंद करता है। चोट के कारण टीम से बाहर होने से पहले वह शायद दुनिया के सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजों में से एक थे। मुझे नहीं लगता कि वापसी के बाद भी कुछ बदलाव आया है।

सीएमवाईके प्रिंटेक लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक शोबोरी गाँगुली द्वारा 100के, मिलाप भवन, 8/ए, बहादुर शाह ज़फर मार्ग, नई दिल्ली-110002, दूरभाष: 011-40110455 से प्रकाशित तथा बीएफएल इन्फोटेक लिमिटेड सी-9 सेक्टर-3, नोएडा-201301 (उ.प्र.) से मुद्रित। प्रधान संपादक : शोबोरी गाँगुली, स्थानीय सम्पादक: प्रदीप तिवारी। पाठकों को सुझाव दिया जाता है कि इस अखबार के किसी भी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया करने से पहले पूरी तरह उसके बारे में दिए गए दावों, शर्तों और तथ्यों की जांच कर लें। पायनियर ग्रुप के मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद तथा सेवा हेतु किए गए किसी दावे की सच्चाई का आश्वासन या उत्तरदायित्व नहीं लेता है। ऐसे विज्ञापनों के बाद किसी आर्थिक क्षति के लिए वे जिम्मेदार भी नहीं हैं। मुख्य व्यवसायिक कार्यालय- 201-205 द्वितीय मंज़िल, प्रताप भवन, 5 ,बहादुर शाह ज़फर मार्ग, नई दिल्ली-110002, दूरभाष:011-69342500।